



2024

A Mass Awareness Campaign for Disaster Risk Reduction (14th Edition)
International Day for Disaster Risk Reduction – 2024

Activity Report



Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA)
Disaster Management Cell, Department of Revenue,
Himachal Pradesh Secretariat, Shimla – 171002



0177-2880331, 2880320



sdma-hp@nic.in



<https://www.sdma-hp.nic.in>



<https://facebook.com/hpsdma>



youtube.com/hpsdma



<https://twitter.com/hpsdma>

Content

Sr. No.	Particular	Page Number
1	State Level Activities by HPSDMA	
2	Activities by DDMA Bilaspur	
3	Activities by DDMA Chamba	
4	Activities by DDMA Hamirpur	
5	Activities by DDMA Kangra	
6	Activities by DDMA Kinnaur	
7	Activities by DDMA Kullu	
8	Activities by DDMA Lahaul & Spiti	
9	Activities by DDMA Mandi	
10	Activities by DDMA Shimla	
11	Activities by DDMA Sirmaur	
12	Activities by DDMA Solan	
13	Activities by DDMA Una	



INTERNATIONAL DAY FOR DISASTER RISK REDUCTION

Celebration of Mass Campaign for International Day for Disaster Risk Reduction (IDDRR) 'SAMARTH 2024'

1. Introduction

The International Day for Disaster Risk Reduction (IDDRR), established by the United Nations General Assembly in 1989, is observed annually on 13th October. Its primary aim is to promote a global culture of disaster risk reduction by emphasizing prevention, mitigation, and preparedness. Over the years, IDDRR has become a significant international event, recognizing progress in disaster management and inspiring ongoing efforts to build resilient communities and nations. The theme for IDDRR 2024, “Empowering the Next Generation for a Resilient Future,” highlights the crucial role of youth in fostering a safer, disaster-prepared world.

In Himachal Pradesh, the Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA) leads statewide initiatives, while District Disaster Management Authorities (DDMAs) execute district-level activities with the support of relevant departments.

In alignment with this global observance, Himachal Pradesh had been organizing an annual mass awareness campaign called *SAMARTH* since 2011, aimed at enhancing public understanding of Disaster Risk Reduction (DRR). *SAMARTH-2024* focused on creating safer schools and communities. The campaign included a range of events at the state, district, and community levels, complemented by the distribution of Information, Education, and Communication (IEC) materials designed to educate diverse audiences. HPSDMA leveraged print, electronic, and social media platforms to advocate for safe construction practices, disaster preparedness, and effective response strategies.

2. Objectives

- Promote safe construction practices and disaster risk governance.
- Foster community-level disaster preparedness.
- Involve youth and local communities in disaster risk reduction.
- Leverage technology for effective disaster response and communication.

3. Key Activities during SAMARTH-2024

3.1. IEC Campaign through Multi-Media

- **News Flashes, Documentaries, and Videos:** Produced and disseminated content emphasizing disaster risk governance and the Sendai Framework.
- **Social Media Engagement:** Active use of Twitter, Facebook, and YouTube to amplify campaign messages.
- **Radio and TV Jingles:** Focused on topics such as landslides, flash floods, and safe construction practices.
- **Traditional Folk Media:** Street plays (*Nukkad Natak*), visual vans, and *Kala Jatha* performances were conducted statewide.



Preparatory Meeting of SAMARTH – 2024 with Line Departments

3.2. Workshops by TCP & UD Departments

- Conducted workshops targeting urban planners, engineers, architects, and masons.

As part of the comprehensive statewide campaign SAMARTH-2024, commemorating the International Day for Disaster Risk Reduction (IDDRR), a half-day orientation and preparatory workshop was organized on September 13th, 2024, for engineers from the Town & Country Planning and Urban Development Departments. Held in hybrid mode at the HP Secretariat, Shimla, the workshop aimed to raise awareness on disaster-resilient construction practices and equip participants to promote safe urban planning. Eminent experts, including Er. Ajay Chourasia and Er. S.K. Negi from CBRI Roorkee, delivered insightful lectures on disaster-resistant design principles and technical guidelines. The interactive sessions provided a platform for discussing challenges in implementing safe construction practices at the Urban Local Body (ULB) level. This workshop set the stage for the month-long SAMARTH-2024 campaign, emphasizing the critical role of engineers in fostering disaster-resilient communities across Himachal Pradesh.



3.3. Community-Level Awareness Programs

- SIAG and DIAG facilitated community-focused DRR activities.

3.4. Gram Panchayat-Level Activities

To deliver disaster awareness programs during Gram Sabha meetings, the Rural Development Department (RDD) mobilized its extensive workforce, comprising over 300 engineers and 1,500 technical assistants. This initiative, conducted on October 2nd, 2024, spanned all Panchayats in Himachal Pradesh. RDD also engaged *Aapda Mitras* and collaborated closely with District Disaster Management Authorities (DDMAs) and technical personnel to ensure comprehensive outreach. To ensure a unified and focused approach, the Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA) provided a detailed agenda, facilitating the dissemination of crucial information on disaster resilience and management practices. This coordinated effort successfully empowered local communities and promoted a culture of disaster preparedness and safety at the grassroots level.

समर्थ, 2024

Suggestive Agenda of the Gram Sabha Meeting
ग्राम सभा की बैठक का सुझावात्मक एजेंडा
ग्राम सभा के लिए आपदा प्रबंधन विषय पर मुद्दा (Agenda)

भूमिका:-

वर्तमान में आपदा प्रबंधन सतत विकास की प्राथमिकता बन चुका है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर आपदा हेतु पूर्व तैयारी व आपदाओं के जोखिमों को कम करने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से पंचायती राज संस्थाओं, समुदाय आधारित संगठनों व ग्रामीण समुदाय की है। इसके लिए आवश्यक है कि पंचायत स्तर पर आपदा प्रबंधन के मुद्दे पर समझ विकसित करने व क्षमता वृद्धि पर ध्यान दिया जाए व पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि आपदा प्रबंधन पर स्थानीय प्राधिकारी के रूप में अपने दायित्वों को समझें व इस महत्वपूर्ण विषय पर जन जागरूकता पर ध्यान केन्द्रित करें। आपदा प्रबंधन के विषय पर सभी प्रधानों व उप-प्रधानों के प्रशिक्षण की भी बहुत आवश्यकता है। आपदा प्रबंधन पर राज्य कार्यकारी समिति (एस०ई०सी०) ने निर्णय लिया है कि ग्राम पंचायत स्तर तक लोगों का आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जाए।

आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के अध्याय 6 की धारा 41 के अंतर्गत पंचायत प्रतिनिधियों के कर्तव्यों का वर्णन किया गया है-

अध्याय 6

स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority)

“(1) स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority) जिला प्राधिकरण (District Disaster Management Authority) के निर्देशों के अधीन रहते हुए-

(क) यह सुनिश्चित करेगा कि उसके अधिकारी और कर्मचारी आपदा प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित हैं;

(ख) यह सुनिश्चित करेगा कि आपदा प्रबंधन से संबंधित संसाधनों का इस प्रकार अनुरक्षण किया जा रहा है जिससे वे किसी आपदा की आशंका की स्थिति या आपदा की दशा में सदैव उपयोग के लिए उपलब्ध रहेंगे;

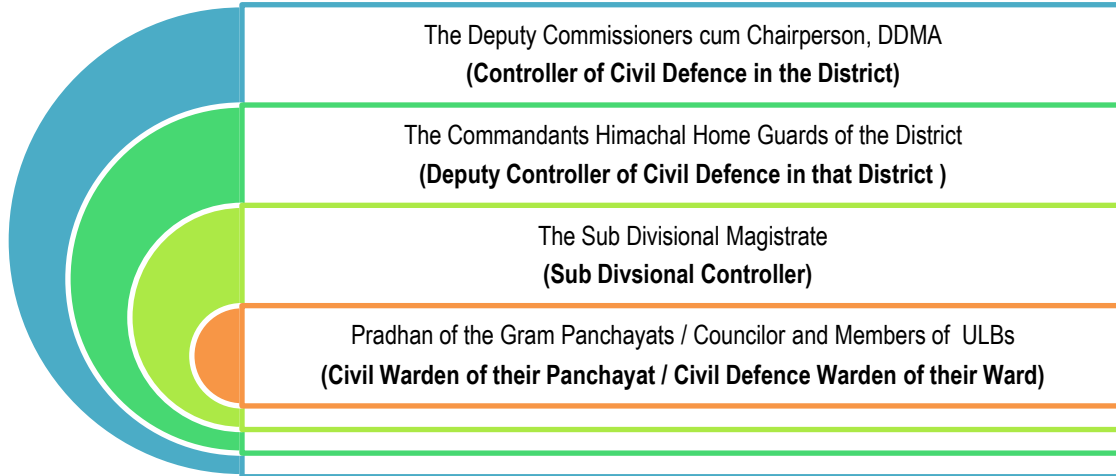
(ग) यह सुनिश्चित करेगा कि उसके अधीन या उसकी अधिकारिता के भीतर सभी सन्निर्माण परियोजनाएँ राष्ट्रीय प्राधिकरण, राज्य प्राधिकरण और जिला प्राधिकरण द्वारा आपदाओं के निवारण और शमन के लिए अधिकथित मानकों और विनिर्देशों के अनुरूप है;

(घ) प्रभावित क्षेत्र में राज्य योजना और जिला योजना के अनुसार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के क्रियाकलाप करेगा।

(2) स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority) ऐसे अन्य उपाय कर सकेगा जिन्हें वह आपदा प्रबंधनके लिए आवश्यक समझे।"

सभी स्थानीय प्राधिकारी व पंचायत प्रधानों से अनुरोध है कि वे आगामी अक्टूबर / नवम्बर माह 2024 को होने वाली ग्राम सभाओं में आपदा प्रबंधन विषय पर एक मुद्दा भी शामिल करें। ग्राम सभा के लिए आपदा प्रबंधन विषय पर चर्चा हेतु मुद्दे निम्न प्रकार से हैं:-

- ग्राम सभा क्षेत्र में होने वाली आपदाओं तथा उनके प्रभाव को कम करने के लिए आवश्यक उपायों तथा कार्य योजना बनाने पर चर्चा।
- आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 कि धारा 41 में पंचायत को दी गई जिम्मेदारियों के बारे में चर्चा।
- पंचायती राज संस्थान (PRI) के सदस्यों ने आपदा प्रबंधन के सभी चरणों (आपदा से पूर्व, आपदा के दौरान और आपदा के बाद) आपदा के बाद प्रतिक्रिया चरण से आपदा के जोखिम को कम करने के लिए शमन और तैयारियों के चरणों तक महत्वपूर्ण भूमिका परबहस।
- सिविल डिफेंस एक्ट 1968 को सिविल डिफेंस (संशोधन) अधिनियम, 2009 द्वारा 2010 की अधिसूचना संख्या 3 द्वारा उपयुक्त रूप से संशोधित किया गया है, जिसमें आपदा प्रबंधन को नागरिक सुरक्षा कॉर्पस (Civil Defense Corps) के लिए एक अतिरिक्त भूमिका के रूप में शामिल किया गया है जिसमें सभी पंचायत प्रधानों को Civil Defense Warden का दर्जा दिया गया है।
- हिमाचल प्रदेश में सिविल डिफेंस की संरचना इस प्रकार है:
 - उपायुक्त एवं अध्यक्ष, डीडीएमए (DDMA) को जिलों में नागरिक सुरक्षा नियंत्रक के रूप में नियुक्त किया गया है।
 - जिलों के कमांडेंट हिमाचल होम गार्ड को उस जिले में नागरिक सुरक्षा के उप नियंत्रक के रूप में सशक्त किया गया है।
 - उप मंडल मजिस्ट्रेट को उप मण्डल में नागरिक सुरक्षा कॉर्पस के सदस्य के नामांकन की शक्ति का उपयोग करने के लिए उप-नियंत्रक के रूप में नियुक्त किया गया है।
 - ग्राम पंचायत के संबंधित प्रधान को उनकी पंचायत का नागरिक सुरक्षा वार्डन नियुक्त किया गया है।
- अतः प्रधान ग्राम पंचायत अपनी इस जिम्मेवारी को निभाने के लिए जागरूक हो।
- हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (HPSDMA) ने राज्य में बेहतर आपदा तैयारी और प्रतिक्रिया के लिए 10-15 युवा स्वयंसेवकों के कार्य बल के सृजन पर एकयोजना शुरू की है। इस के लिए सिविल डिफेंस जैसी एक संरचना की आवश्यकता है।
- प्रस्तावित सिविल डिफेंस संरचना उन स्वयंसेवकों को सक्षम कर सकेगी जिन्हें राज्य में आपदा प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।
- हालांकि, सिविल डिफेंस वालंटियर्स के प्रस्तावित ढांचे को मजबूत करने से राज्य की आपदा प्रबंधन क्षमता में जमीनी स्तर पर भी काफी वृद्धि होगी।
- ग्राम पंचायत स्तर पर प्रशिक्षित युवा स्वयंसेवक पंचायत प्रधान के अधीन कार्य करेंगे ताकि पंचायत स्तर पर आपदा प्रबंधन को मजबूत किया जा सके। पंचायत अपने क्षेत्र में 18-35वर्ष के युवाओं की प्रशिक्षण हेतु सूची तैयार करें।
- Civil Defense का notified स्वरूप निम्न प्रकार से है:



- पंचायत आपदा प्रबंधन हेतु संलग्न संदेश को पढ़कर सुनाएँ।
अधिक जानकारी के लिए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से संपर्क करें या Toll free नम्बर 10770 पर संपर्क करें।
अंतर्राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण (IDDR) दिवस
“समर्थ-2024”
आपदा प्रबन्धन जागरूकता अभियान

13 अक्टूबर को विश्व भर में “अंतर्राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण (IDDR) दिवस” के रूप में मनाया जाता है, ताकि आपदाओं के प्रति लोगों को जागरूक किया जा सके तथा आपदाओं से होने वाले जान व माल के नुकसान को कम किया जा सके। हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (HPSDMA) वर्ष 2011 से इस दिवस को “समर्थ” के रूप में मना रहा है, जिसमें लोगों को विभिन्न माध्यमों से जागरूक किया जाता है।

“हिमाचल ने यह ठाना है, आपदा को हराना है।

प्रयास न जाए कोई व्यर्थ, बनेंगे सक्षम, बनेंगे समर्थ ॥”

हम सभी जानते हैं कि हिमाचल प्रदेश आपदाओं की दृष्टि से अति संवेदनशील है। आपदाएं हर व्यक्ति एवं जीवन के हर पहलू को प्रभावित करती हैं। इसीलिए आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए हम सभी को प्रयास करने की आवश्यकता है।

ग्राम सभा की बैठक में निम्नलिखित मुद्दों पर मंथन किया जाना चाहिए।

- भूस्खलन शमनगतिविधियों के बारे में।
- सुरक्षित निर्माण प्रथाओं और पारंपरिक निर्माण को बढ़ावा देना।
- भवन निर्माण के लिए असुरक्षित पहाड़ी की कटाई और उसके प्रभाव।
- सुरक्षित मलबेके निपटान की आवश्यकता।
- बारिश के जल की निकासी प्रणाली की आवश्यकता।
- प्राकृतिक जल निकासी क्षेत्रों (नले एवं नदियों) में निर्माण को प्रतिबंधित करना।
- जलनिकासचैनलों के विसकुलन पर ध्यान देना।

आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए कुछ उपाय इस प्रकार हैं :-

- अपने आस पास के खतरों को पहचानें तथा उनके प्रभाव को कम करने का प्रयास करें।
- घरों / भवनों का निर्माण इस प्रकार से करें कि वे भूकम्प एवं आपदा रोधी हो।
- पहले से बने घरों / भवनों की मजबूती की जांच करवाएं तथा आवश्यकतानुसार उन्हें सुदृढ़ करें।
- घर में आपातकालीन किट, जिसमें सूखा भोजन, आवश्यक दवाएं, टार्च, रेडियो तथा पीने के पानी इत्यादि को हमेशा तैयार रखें।

- आपातकालीन चिकित्सा प्राथमिक सहायता (Medical First Aid) व खोज एवं बचाव का प्रशिक्षण प्राप्त करें, जिसके लिए जिला आपदाप्रबन्धन प्राधिकरण से (1070 Toll Free Number) पर संपर्क करें ।
- आपदाओं की जानकारी प्राप्त करें तथा सुरक्षा के उपाए जानें ।
- पूर्व चेतावनी (Early Warning) के प्रति सजग रहें व समय रहते उचितकदम उठाएं।
- घरों / कार्यालयों में लगे अग्निशमन (Fire Fighting) के यंत्रों को चलाना सीखें।
- अफवाहों पर ध्यान न दें व सही जानकारी के लिए Radio / TV पर सूचना प्राप्त करें।
- अपने परिवार की आपातकालीन योजना तैयार करें ।

हमेशा याद रखें:

"सुरक्षा जीवन का अर्थ है ।
बिना सुरक्षा सब व्यर्थ है ॥ "

4. State-Level Function

Event Report: International Day for Disaster Risk Reduction (IDDRR) Celebration

Date: 14th October 2024

Venue: The Ridge & Gaiety Theatre, Shimla

Program Overview

Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA) organized a grand event to mark the International Day for Disaster Risk Reduction (IDDRR) 2024. The event was a part of the annual mass awareness campaign *Samarth 2024*, aimed at promoting disaster risk reduction and safe construction practices across the state.



Arrival of the Chief Guest

Time: 10:30 AM

Chief Guest: Hon'ble Chief Minister, Sh. Sukhvinder Singh Sukhu

Inauguration of Exhibition by Hon'ble Chief Minister, Sh. Sukhvinder Singh Sukhu

Time: 10:30 AM – 11:00 AM

Venue: The Ridge, Shimla

State-Level Exhibition (13th–15th October 2024)

As part of the statewide campaign to raise awareness and promote best practices in disaster risk reduction, a 3-day Exhibition of Equipment, Technologies, and Products related to Disaster Preparedness and Response was successfully held at The Ridge, Shimla, from 13th to 15th October 2024. The event showcased the latest advancements in disaster management solutions and brought together a diverse group of organizations and agencies. Key participants included Bal Raksha Bharat (Save the Children), ZEE Entertainment Enterprises Limited, Tech

Fab India Industries, Esri India Technologies Pvt. Ltd., Satpalda Geospatial Excellence, Vedant Innotech Pvt. Ltd., Black Sky, Genesys International, the Health & Family Welfare Department, Indo Wings Pvt. Ltd., Saket Rajani, the India Meteorological Department (IMD), the National Disaster Response Force (NDRF), the Himachal Fire Service Department, the State Disaster Response Force (SDRF), and Civil Defense and Home Guards.

This exhibition served as a platform for knowledge sharing, capacity building, and fostering collaborations aimed at enhancing disaster preparedness and resilience across Himachal Pradesh. The Department of Fire Services provided hands-on training on the use of fire equipment and emergency response measures. The SDRF and NDRF demonstrated advanced search and rescue techniques, equipment, and knot-tying skills. The Health Department offered vital training on First Aid and CPR, highlighting lifesaving techniques. The Home Guard showcased first aid procedures, knot-tying, and search and rescue equipment. CBRI Roorkee and MRH Associates Tata presented cutting-edge technologies for safe construction in disaster-prone areas. IMD highlighted innovations in weather forecasting, mobile applications, and early warning systems. Bal Raksha Bharat led initiatives on child-centric disaster risk reduction, focusing on safety protocols for vulnerable groups. This exhibition played a crucial role in raising awareness, showcasing innovative solutions, and promoting disaster resilience in communities across the state.



Inauguration of Exhibition by Hon'ble Chief Minister, Sh. Sukhvinder Singh Sukhu













Main Event at Gaiety Theatre



Highlights:



Welcome of the Guests



Welcome Address: Sh. D.C. Rana, IAS, Director-cum-Ex Officio Special Secretary (Revenue-DM)



Special Remarks: Sh. Onkar Chand Sharma, IAS, Additional Chief Secretary (Revenue)



Skit on Safe Construction Practices by PM Shri GSSS Totu, Shimla



Skit on Safe Construction Practices by IPR Cultural Troupe.

Prize Distribution:

- Winners of the state-level competition “Model Building for Promoting Safe Construction Practices.”
- Awards of Appreciation for outstanding performance by response agencies during recent cloudburst incidents.

Key Announcements and Publications Launched

1. WebGIS Portal for State Disaster Mitigation Fund (SDMF):

A dedicated portal has been launched to monitor and manage disaster mitigation projects under the State Disaster Mitigation Fund (SDMF), which has a budget allocation of ₹590

HP STATE DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY
Disaster Mitigation Fund MIS

Projects:

- 33 Proposals Received
- 0.00 (Cr.) Fund Released
- 0 Projects Completed

Trainings:

- 0 Trainings Conducted
- 0 Participants
- 0 e-Certificate Issued

Authorised Login

Department: --Select Department--

Login ID: FMS Login ID

Password: FMS Password

Captcha: ar3qSN Enter Captcha

Login Reset

Forgot / Reset Password

TAC Expert and Project Monitoring Users: Login via OTP

Sign in for Research & Development Projects

Home | About Us | FAQ's | Privacy Policy | View Maps | Contact Us

Disclaimer: Content on this website is owned & provided by Himachal Pradesh State Disaster Management Authority
Designed, Developed and Hosted by National Informatics Centre, Himachal Pradesh

NIC

crore. The portal, developed by the Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA), aims to ensure the efficient utilization of funds and streamline the reporting process. It will facilitate better implementation of disaster prevention and mitigation plans by tracking ground-level activities.

Key Features:

- Real-time monitoring of all ongoing projects.
- Time-based project analysis.
- Maintenance of records for approved and rejected PPRs/DPRs.

- Instant access to reports (hazard-wise, year-wise, recommended, and non-recommended proposals) for Implementation Agencies (IAs), District Disaster Management Authorities (DDMAs), and the State Disaster Management Authority (SDMA).
- A secure platform for third-party inspectors to submit field data and track project progress via a mobile app or web interface.

2. Earthquake Retrofitting Program:

This initiative aims to retrofit critical buildings with technical support from institutions such as CBRI Roorkee, NITTR Chandigarh, and NIT Hamirpur. The program focuses on enhancing the earthquake resilience of essential infrastructure, including health facilities and schools, which are prone to significant damage during seismic events. A budget of ₹76.81 crore has been allocated for these retrofitting efforts to ensure the functionality and safety of these structures during disasters.

3. Resilient Model Village Project:

In collaboration with Bal Raksha Bharat and Zee Enterprises Limited, a model village is being developed in Solan district to demonstrate best practices in disaster-resilient community development. In the wake of the disaster in Gram Panchayat Bawasani, Solan district, Himachal Pradesh,



the State Disaster Management Authority (SDMA), Bal Raksha Bharat (BRB), and Zee Entertainment Enterprises Limited (ZEE) have launched a collaborative project. The primary objective of this initiative is to support the affected community in reconstruction efforts while promoting disaster resilience, enabling them to better cope with future disasters.

This project will focus on critical areas such as safe housing, income generation, health, education, child protection, disaster risk reduction, and environmental conservation.

4. Disaster-Resilient Construction Guidebooks:

Two guidebooks, *Kavach-1* and *Kavach-2*, have been developed by HPSDMA in partnership with CSIR-CBRI Roorkee. These guidebooks are tailored for homeowners and engineers in rural Himachal Pradesh:

- **Kavach-1:** Focuses on disaster-resilient construction for homeowners in three zones:
 - Zone A: Lahaul & Spiti, Kinnaur
 - Zone B: Chamba, Kangra, Mandi, Kullu, Shimla
 - Zone C: Una, Hamirpur, Bilaspur, Solan, Sirmaur
- **Kavach-2:** Provides guidance for engineers of the Rural Development and Panchayati Raj Departments.





5. MoU Signing Ceremony:

HPSDMA and CBRI Roorkee signed an MoU to establish Technology Demonstration Units (TDUs) and enhance capacity-building efforts for disaster resilience.

- A TDU has already been planned at the Appropriate Technology Centre (ATC) in Shahpur, in collaboration with the Himachal Pradesh Council for Science, Technology, and Environment.
- As part of the AFD program, a new TDU will be developed at Rait.
- This partnership aims to strengthen the capacity of engineers, architects, builders, and masons across the state.



Model Building Competition Winners: As part of the campaign, district-level competitions were held across high school, senior secondary, and college levels to align with the Sendai Framework’s goal of reducing global disaster risks and losses. The theme for the International Day for Disaster Risk Reduction (IDDRR) 2024, "Empowering the Next Generation for a Resilient Future," emphasized the importance of education in building a disaster-resilient future. A state-level competition on “Model Building for Promoting Safe Construction Practices,” featuring the top entries from these categories, was held at the Centre for Science Learning and Creativity (CSLC), Himachal Pradesh, on 7th October 2024. After evaluation by the committee, the top three entries in each category were awarded first, second, and third positions:



- **High School Category:**
 - 1st: PM Shri GSSS Kangar (Una)
 - 2nd: GHS Tappar (Chamba)
 - 3rd: GHS Badah (Kullu)
- **Senior Secondary School Category:**
 - 1st: GU SSS Sarahan (Sirmaur)
 - 2nd: GSSS Jol Sappar (Hamirpur)
 - 3rd: GSSS Bhadwar (Kangra)
- **College Category:**
 - 1st: PG College Bilaspur







Response Agencies Awards: In recognition of their remarkable work during the Samej, Bagipul, and Rajban cloud burst incidents this year, several response agencies were honored with Awards of Appreciation:

- Home Guard & Civil Defence
- Superintendent of Police, HP SDRF
- Sh. Nishant Tomar, HPAS – SDM Rampur
- Commandant, 14th NDRF
- Dr. Bhavna Verma, Tehsildar Padhar, Mandi
- Dy. Commandant, CISF Jhakri
- Head of the Project, SJVN, Jhakri
- Sh. Mohan Kapatia, Pradhan, GP Sarpara (Samej)



Awards of Appreciation to Home Guard & Civil Defence



Awards of Appreciation to Superintendent of Police, HP SDRF



Awards of Appreciation to Sh. Nishant Tomar, HPAS – SDM Rampur



Awards of Appreciation to Commandant, 14th NDRF



Awards of Appreciation to Dr. Bhavna Verma, Tehsildar Padhar, Mandi



Awards of Appreciation to Dy. Commandant, CISF Jhakri



Awards of Appreciation to Head of the Project, SJVN, Jhakri



Awards of Appreciation to Sh. Mohan Kapatia, Pradhan, GP Sarpara (Samej)

Best Performing Districts in Youth Volunteer Training Program: The "Creation of Task Force of Youth Volunteers for Disaster Preparedness and Response" program, which has trained over 21,000 volunteers, recognized the following districts for their outstanding performance:

1. **Kangra** (75% target achievement)
2. **Kinnaur** (70% target achievement)



Chief Guest's Address

Hon'ble Chief Minister, Sh. Sukhvinder Singh Sukhu, emphasized the importance of community involvement and technological advancements in disaster management. He praised HPSDMA's initiatives and committed to further strengthening disaster resilience in Himachal Pradesh.





Vote of Thanks

The event concluded with a vote of thanks by Additional Secretary (Revenue-DM) to the Government of Himachal Pradesh, **Sh. Balwan Chand – HPAS** acknowledging the efforts of all participants and stakeholders in making the event a success.



SAMARTH-2024 successfully raised awareness on disaster risk reduction, empowering communities and youth to adopt resilient practices. Through coordinated efforts across state, district, and community levels, HPSDMA reinforced its commitment to creating a safer and disaster-prepared Himachal Pradesh.

Media Coverage



Presides over International Disaster Reduction Day event 'Samarth-2024'

Awareness is the key to effectively face disasters so as to minimize the loss of life and property. Chief Minister Thakur Sukhvinder Singh Sukhu said that it has been observed that due to changing climatic pattern, the frequency of disasters has led to an increase and we have to adapt ourselves living with these challenges.

Chief Minister was presiding over the International Disaster Reduction Day event, 'Samarth-2024'.

He said that the state government was spending significant amount of money to raise public awareness about disaster preparedness and has implemented several measures to mitigate the effects of disasters. The authorities must be prepared to tackle future challenges due to disaster for which the government has executed Rs. 800 crore project in collaboration with the French agency AFD and Rs. 500 crore was being spent from the mitigation fund. He also announced that a major SDRF training institute would be established in Palampur and that the state is strengthening its infrastructure for better weather forecasting.

The Chief Minister said that the state experienced its first major disaster in the year 1905, when an earthquake in Kangra district claimed over 20,000 lives. He said that the people of the state experienced significant devastation last year during the monsoon season with over 500 lives lost accompanying with damage to public and private property amounting to Rs 10,000 crore. Despite receiving no assistance from the central government, the state government has successfully rehabilitated 23,000 affected families and implemented a disaster relief package of Rs 4,500 crore. Under this package, compensation for completely destroyed homes has been raised from Rs 1.30 lakh to Rs. 7 lakh. Furthermore, the government has amended rules to ensure compensation for families of individuals who went missing during disasters.

The Chief Minister said that we have not received Rs. 10,000 crore for the Post-Disaster Needs Assessment (PDNA) from the centre. "Despite hurdles created by the opposition, it was due to repeated representations and my personal intervention some progress was made in this direction" he stated. There should be no politics in such matters and full assistance must be provided to those affected, he remarked.

"During the disaster, I remained on ground for 72 hours, personally monitoring the evacuation. As many as 75,000 tourists and 15,000 vehicles were evacuated to safety" said Sh. Sukhu. Within 48 hours, essential services like electricity, water and communication were temporarily restored, which stabilized the situation to quite some extent. The government also ensured minimal disruption for farmers, especially apple growers, allowing their produce to reach markets on time. Our efforts were recognized and eulogized by the World Bank, NITI Aayog and former Chief Minister Shanta Kumar as well.

The Chief Minister also shared how the government successfully rescued 303 stranded tourists from Chandratol in Lahaul-Spiti district with Minister Jagat Singh Negi and Chief Parliamentary Secretary Sanjay Awasthi taking the lead in challenging situation, risking their lives and ensuring safe return of all tourists.

The Chief Minister also launched a State Disaster Mitigation Fund portal and introduced an Earthquake Retrofitting Programme for Critical Buildings in state. This initiative is supported by technical expertise from CBRI Roorkee, NITTTR Chandigarh and NIT Hamirpur. Additionally, a programme titled Rebuilding Live was also launched to develop a Resilient Model Village at Gram Panchayat Bawashi in District Solan, in collaboration with Bal Raksha Bharat and Zee Enterprises Limited.

He said that the HPSDMA has also signed a MoU with Central Building Research Institute (CBRI), Roorkee to enhance the skills of engineers, architects, builders and masons across the state. As part of this collaboration, a Training and Demonstration Unit (TDU) would be established at Rait in Kangra district, aligning with the goals of the AFD programme.

During the event, the Chief Minister released two publications, 'Kavach-1' and 'Kavach-2', authored by scientists from the CBRI, Roorkee. He also honored children who had won various competitions and presented awards to several individuals for their exceptional work during the Samej, Bagijul and Rajban cloudburst incidents earlier this monsoon.

The Chief Minister further awarded Kangra and Chamba districts for being the best performing districts in the state's "Creation of Task Force of 'Youth Volunteers for Disaster Preparedness and Response'" scheme.

Earlier, the Chief Minister inaugurated a disaster awareness exhibition at the Ridge.

MLA Harish Janartha, Mayor Surender Chauhan, Deputy Mayor Uma Kaushal, Additional Chief Secretary (Revenue) Onkar Chand Sharma, ADGP Satwant Atwal, Director CBRI, Roorkee Pradeep Kumar, Special Secretary Revenue DC Rana, Deputy Commissioner Anupam Kashyap and SP Sanjeev Gandhi were also present on the occasion amongst others.

Palampur to get SDRF training institute: Sukhu

TAMES NEWS NETWORK

Kullu: Himachal CM Sukhinder Singh Sukhu on Monday announced the establishment of a training institute for SDRF in Palampur, with the aim to strengthen the state's infrastructure for better weather forecasting.

Speaking at an event called 'Samarth 2024' in Shimla on International Disaster Reduction Day, the CM said climate change has made disasters more frequent, making it imperative to adapt to living with these challenges. He said the state govt was spending large amounts of money to raise public awareness about disaster preparedness and had implemented several measures to mitigate the effects of disasters.

To tackle future disaster challenges, he said a Rs 600-crore project is being executed in collaboration with French agency AFD, of which Rs 500 crore is being spent from the mitigation fund.

He said last year, during the monsoon, over 500 lives were lost and damages worth Rs 10,000 crore were recorded. De-



Himachal Pradesh CM Sukhinder Singh Sukhu at a programme to mark International Disaster Reduction Day in Shimla on Monday

spite no help from the Centre, the state rehabilitated 23,000 affected families and implemented a disaster relief package of Rs 4,500 crore, he said. Under this package, compensation for fully damaged homes had been raised from Rs 1.30 lakh to Rs 7 lakh. The govt had also amended the rules on insurance compensation for the families of those who were missing during the disasters, the CM said.

Criticising 'political interference' in disaster relief ef-

orts, Sukhu said, "We are yet to receive the Rs 10,000 crore of the Post-Disaster Needs Assessment (PDNA). Though some progress has been made following my intervention, politics should not play any role in such matters, and full assistance must be provided to those affected."

On the occasion, the CM launched a State Disaster Mitigation Fund portal and introduced an earthquake retrofitting programme for critical buildings in Himachal Pradesh.



गेवटी विद्येतर में अंतरराष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस समारंभ के अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू विभिन्न प्रतिनिधित्वों में अग्रज रहे विचारविद्या को पुरस्कृत करते हुए। अजय अग्रज

Himachal Main Oct 15, 2024

पंजाब केसरी हिमाचल

आपदा न्यूनीकरण निधि पोर्टल का शुभारंभ

■ एस. सी. प्र. म. प. उ. ए. सी. डी. आर. आर. आर. स्वर्गी के गवर्नर हुआमन आर. डी. सुखुने के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू ने आपदा न्यूनीकरण निधि पोर्टल का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह पोर्टल राज्य के नागरिकों को आपदा से निपटारे में मदद करेगा और सरकार को आपदा से निपटारे में मदद करेगा।

मुख्यमंत्री सुखु ने कहा कि यह पोर्टल राज्य के नागरिकों को आपदा से निपटारे में मदद करेगा और सरकार को आपदा से निपटारे में मदद करेगा।

मुख्यमंत्री सुखु ने कहा कि यह पोर्टल राज्य के नागरिकों को आपदा से निपटारे में मदद करेगा और सरकार को आपदा से निपटारे में मदद करेगा।

Himachal Main Oct 15, 2024

पंजाब केसरी



मुख्यमंत्री सुखु ने आपदा न्यूनीकरण निधि पोर्टल का शुभारंभ किया।

पालमपुर में खुलगा एसडीआरएफ प्रशिक्षण संस्थान

मुख्यमंत्री सुखू बोले, आपदा प्रबंधन पर प्रदेश में 800 करोड़ रुपये किए जा रहे खर्च

मुख्यमंत्री सुखु ने कहा कि यह संस्थान राज्य के नागरिकों को आपदा से निपटारे में मदद करेगा और सरकार को आपदा से निपटारे में मदद करेगा।

Have requested Centre to look into reasons behind cloudbursts: CM

THAMES NEWS SERVICE

SHIMLA, OCTOBER 14: Chief Minister Sukhinder Singh today said Himachal has asked Centre to look into the reasons for increasing number of cloudburst incidents in Himachal so that remedial measures could be taken.

Presiding over the International Disaster Reduction Day event, 'Samarth 2024' here today, the Chief Minister said climate change has led to an increase in the frequency of disasters, making it crucial to adapt to living with these challenges. He highlighted that awareness is the key to effectively facing disasters and minimizing the loss of life and property.

"At our own level also we are working closely with experts looking into all the reasons that could be contributing to cloudbursts like cloudbursts. We have also written to the Centre to get this aspect examined," he said.

आपदा की चुनौतियों का सामना करने के लिए रहना होगा तैयार, जलवायु परिवर्तन से बढ़ती आपदा की घटनाएँ : सुखू

मुख्यमंत्री सुखु ने कहा कि यह संस्थान राज्य के नागरिकों को आपदा से निपटारे में मदद करेगा और सरकार को आपदा से निपटारे में मदद करेगा।

पालमपुर में स्थापित होगा मुख्य SDRF प्रशिक्षण संस्थान

मुख्यमंत्री सुखु बोले, 1.4 करोड़ रुपये का आपदा न्यूनीकरण निधि पोर्टल का शुभारंभ किया।

पालमपुर में बनेगा मुख्य एसडीआरएफ ट्रेनिंग सेंटर

मुख्यमंत्री सुखु बोले; आपदा प्रबंधन पर खर्चे में 1300 करोड़, आपदाओं के साथ जीना सीखना होगा

मुख्यमंत्री सुखु ने कहा कि यह संस्थान राज्य के नागरिकों को आपदा से निपटारे में मदद करेगा और सरकार को आपदा से निपटारे में मदद करेगा।

मांडल प्रतियोगिता में कांगड़ स्कूल की टीम रही अचल

सौरभ सुखु ने गेवटी में विजिता किए सम्मानित

मुख्यमंत्री सुखु ने कहा कि यह संस्थान राज्य के नागरिकों को आपदा से निपटारे में मदद करेगा और सरकार को आपदा से निपटारे में मदद करेगा।



मुख्यमंत्री सुखु ने आपदा न्यूनीकरण निधि पोर्टल का शुभारंभ किया।



मुख्यमंत्री सुखु ने आपदा न्यूनीकरण निधि पोर्टल का शुभारंभ किया।



शिमला : आपदा प्रबंधन न्यूनीकरण दिवस पर रिज पर आयोजित जन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत लगाई गई प्रदर्शनी में छात्रों को घायलों को सी.पी.आर. देने की विधि बताते होमगार्ड कर्मों। (नरस)



Current Affairs | Himachal

HPSDMA Launches 'SAMARTH-2024' Disaster Awareness Campaign

By: Keekli Desk | Date: September 25, 2024

Share post:



Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA) would launch the 14th edition of its annual disaster awareness campaign, 'SAMARTH-2024', on 1st October, 2024. The campaign would run until 31st October, coinciding with the International Day of Disaster Risk Reduction (IDRR).



This was informed by Director cum Special Secretary (Revenue-Disaster Management) D.C. Rana here today. He said that the event would feature exhibitions at The Ridge in Shimla. Key areas of focus would include landslide mitigation, safe construction techniques, traditional building methods, digital platforms, disaster response equipment and firefighting tools.

First aid demonstrations would also be the part of exhibition. D.C. Rana said that the campaign would include workshops at the state and district levels. Street plays and competitions for school students would also be organised whereas awareness drives would extend to the Panchayat level with special sessions held during the Gram Sabha meetings on 2nd October.

HAM Radio Training

- Trained volunteers in alternate communication systems for emergencies.

As part of the SAMARTH-2024 month-long mass awareness campaign on the occasion of the International Day for Disaster Risk Reduction (IDDRR), the Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA) has organized a training program on Amateur and Community Radio (HAM) for “Alternate Communication during Emergencies.” This training is scheduled from 21st to 26th October 2024 at the State Agriculture Management & Extension Training Institute (SAMETI), Mashobra, Shimla.

A total of 42 participants, including 15 Home Guard personnel, 8 Aapda Mitras, and 19 members from the District Inter Agency Groups (DIAG) and State Inter Agency Groups (SIAG), are being trained in the use of HAM radio for emergency communication. The program is part of a scheme notified by the Government of Himachal Pradesh on 13th October 2023, under Section 22, Subsection (p) of the Disaster Management Act, 2005, and aligns with the provisions of the H.P. State Disaster Management Policy 2011. This initiative aims to develop alternative communication channels through HAM radios to ensure effective communication during disasters, focusing on building the capacity of volunteers and operators to strengthen the state’s disaster response mechanisms.



*Training Program on Amateur and Community Radio (HAM) for “Alternate Communication During Emergencies”
from 21st October, 2024 to 26th October, 2024
at State Agricultural Management and Extension Training Institute (SAMETI),
Mashobra- Shimla, Himachal Pradesh.*



*Sitting on Chairs
(L to R)*

*:- Sh. I.D. Sharma (CO, SAMETI), Dr. Sumita Thakur (VP, SAMETI), Dr. Puneet Dogra (TO, SAMETI), Dr. Krishan (Course Co-ordinator HPSDMA),
Dr. D.P. Sharma (TO, SAMETI), Sh. V.K. Arya (CEO & Founder AVK Global Trainers), Ms. Kusum (Faculty, HAM Radio), Sh. Avirati Magoo (Faculty, HAM Radio),
Sh. Rinku (DEO, HPSDMA), Sh. Parveen Kumar, Sh. Kamal Kishore Bhandari, Ms. Bhavna, Ms. Parveen Kumari.*

*Standing 1st. Row
(L to R)*

*:- Ms. Nitika, Ms. Anita Kumari, Ms. Jyoti Devi, Sh. Vishal Thakur, Ms. Kumari Seema, Sh. Harjeet Bhullar, Sh. Dile Ram, Sh. Krishan Lal, Sh. Roop Lal, Ms. Ankita,
Sh. Dile Ram, Sh. Narender Kumar Premi, Ms. Subita, Ms. Anamika Thakur, Sh. Mahinder Singh, Sh. Vinod Jasswal, Sh. Jank Raj, Sh. Chander Bhagat,
Sh. Lakshbir Singh, Sh. Arvind Kumar.*

*Standing 2nd. Row
(L to R)*

*:- Ms. Meenakshi Thakur, Sh. Navneet Yadav, Sh. Jatin Thakur, Sh. Yamu, Sh. Rajesh, Sh. Narender Kumar, Sh. Saurabh Thakur, Sh. Ved Parkash, Sh. Harsit Thakur,
Sh. Balraj, Sh. Gulshan Manhas, Sh. Rakesh Kumar, Sh. Abhishek Verma, Sh. Purn Chand, Sh. Neel Ram Brari, Sh. Man Singh, Sh. Lalit Sharma, Sh. Pankaj.*

PHOTO BY UPDAR STUDIO, SANJALI CHOWK, SHIMLA-6 001-2841170-941863298



Units of Capacitance

Prefix	Symbol	Equivalent Factor
Pico	pF	10^{-12} Farad
Nano	nF	10^{-9} Farad
Micro	μ F	10^{-6} Farad
Milli	mF	10^{-3} Farad
Kilo	kF	10^3 Farad



REPORT

ON

SAMARTH-2024

Annual Mass awareness Campaign

on

Disaster Risk Reduction

समर्थ

Prepared By:

District Disaster Management Authority, Bilaspur HP

“SAMARTH – 2024”

INTRODUCTION:

SAMARTH is an annual mass awareness campaign to commemorate the International Day for Disaster Risk Reduction on 13th October every year. This year, Theme of the 2024 International Day for Disaster Risk Reduction (IDDR) is "Empowering the next generation for a resilient future". The theme focuses on the role of education in protecting and empowering children and youth to be resilient in the face of disasters. The IDDR theme aligns with the Sendai Framework, which aims to reduce disaster risks and losses globally. The theme for 2024 calls on countries to work with the education sector to reduce the disaster risks of school-aged children. Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA) had organized numerous activities under this initiatives not only at State & District levels. This programme was also organized this year to mark the International Day for Disaster Risk Reduction (IDDR) on 14th October, 2024. The prime objective of the campaign was to make community more vigilant towards disasters and its management for secured livelihood. DDMA Bilaspur had widely publicized all the activities under the aegis of **SAMARTH -2024**. As a part of the campaign, various events and activities were organized at District level. In the view of above, following activities were conducted by DDMA in association with other stakeholder Departments; the details of activities carried out by Departments are as under:

I. ACTIVITIES CONDUCTED BY DDMA, BILASPUR H.P.

Being a Nodal Agency at District Level DDMA Bilaspur has organized following activities at District Level:

1. Two exhibition stalls were set up by DDMA in joint association with Home Guards & Fire during Seer Utsav (02.10.2024) at Ghumarwin District Bilaspur, in these stalls SAR equipment's and IEC Material on various safety measures was displayed.

Glimpses of SEER UTSAV-2024





2. Mock Drill at Government College Bilaspur Dated 04.10.2024




आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु राज्यव्यापी जन-जागरुकता अभियान

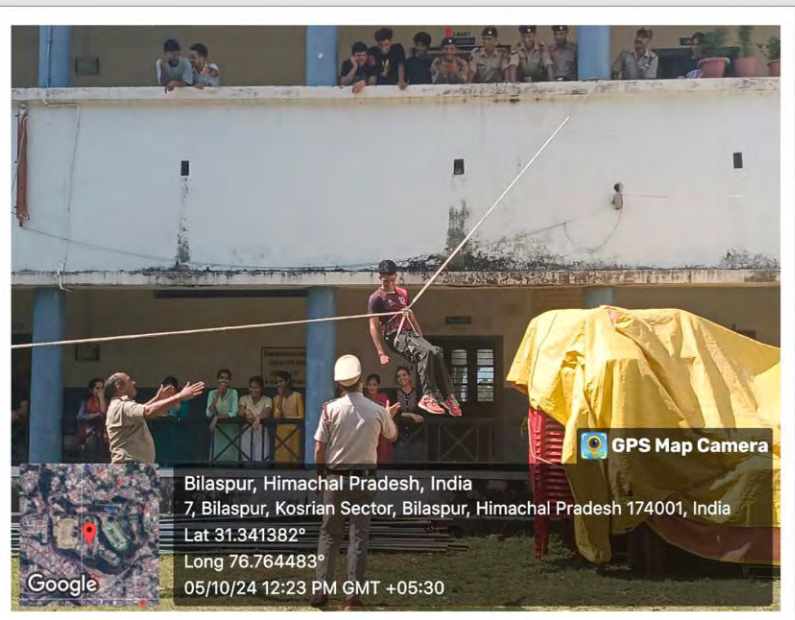
समर्थ

**MOCK DRILL ON
EARTHQUAKE & FIRE SAFETY**
 Date : 5-10-2024
 IN COLLABORATION WITH
**HOME GUARD & FIRE DEPARTMENT
AT GOVT. DEGREE COLLEGE BILASPUR**

Emergency Toll Free No.1077, 01978-224901/02/03/04

 ddmabilaspur
  ddmabilaspur@gmail.com
  94594-57061
  ddmabilaspur





3. District Competition on Safe Construction Model

A competition was organized on preparation of safe construction models at the Block level in three different categories i.e. High School Level, Senior Secondary School Level and College Level. The SDM concerned was the Chairperson and BDO was Member Secretary of the Block-Level Committee for identifying the best models. Following models were shortlisted at Block Levels and nominated for District Level Competition:

SN	Level	Name of Institution
1.	High School	1. GHS Mangrot, Sadar 2. GHS Jeora, Jhandutta
2.	Senior Secondary	1. G. S. S. School (Boys), Bilaspur 2. G. S. S. School, Bhrari, Ghumarwin 3. G. S. S. School, Badgaon, Jhandutta
3.	College	GPGDC Bilaspur



Following models were selected at District Levels and nominated for State Level Competition held on 07.10.2024 at Centre for Science, Learning & Creativity (CSLC), Shimla:

SN	Level	Name of Institution
1.	High School	GHS Jeora, Jhandutta
2.	Senior Secondary	G. S. S. School, Bhrari, Ghumarwin
3.	College	GPGDC Bilaspur

In this competition, the model prepared by GPGDC Bilaspur was shortlisted on first position in the category of college level. The participants had participated in State Level Function held on 14.10.2024 and awarded with cash prize and certificate.

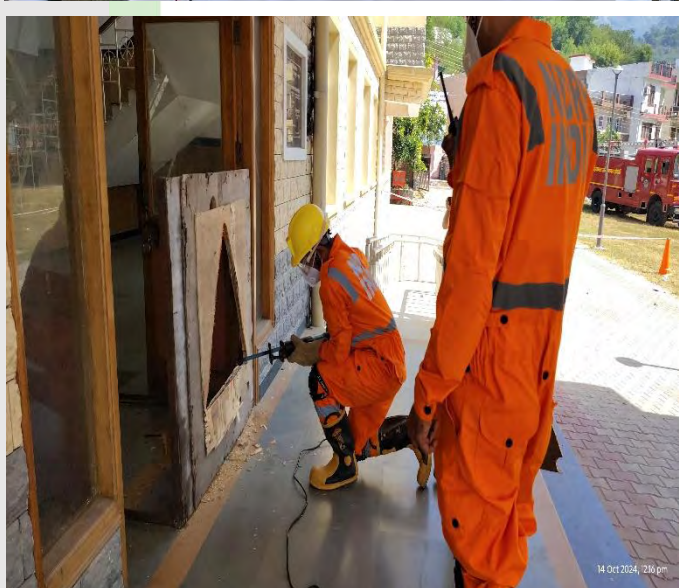


4. CONDUCT OF DISTRICT LEVEL MOCK DRILL HELD ON 14.10.2024

DDMA Bilaspur organized a District Level Mock Drill on Earthquake and Fire Safety by involving the all District Level IRT Stakeholders, Home Guards, Fire, Police, Health, NDRF Team and Local NGOs.







DISTRICT BILASPUR H.P.

Selected locations for District Level Mock Exercise for Earth Quake and Fire safety at the Multipurpose Auditorium Hall and Govt. Sr. Sec. School (Boys) Bilaspur on 14.10.2024

Health Department						
Sl.	Vehicle Type	Vehicle Number	Arrival	Departure	Employee Engaged	Remark's
1	Ambulance	HP 64 A 8852	11:00 AM	11:32 AM	2	Rescue team
Police Department						
1	Jeep	HP 69 6678	11:38 AM	Standby	5	Rescue team
Himachal Home Guard's						
1	Truck	HP 69 5931	11:00 AM	Standby	15	Rescue team
NDRF						
1	Bus	HP 38G 8762	11:00 AM	11:33 AM	10	Rescue team
2	Bolero	HP 38G 5829	11:00 AM	11:34 AM		
Fire Services						
1	Fire fighter	HP 69 6681	11:00 AM	11:30 AM	8	Rescue team
Other Government Vehicles						
1	Bolero	HP 24 E 3929	11:05 AM	Standby	1	Rescue team
2	Bolero	HP 24C 5588	11:20 AM	Standby	1	
3	Borolo	HP69A 0370	11:00 AM	Standby	1	
Medical Support			Physician and Para medics		Doctor=1 Para Medics=3	Rescue team
Communication support			Wireless services by HP Police by Seattleite phone and Walky talky		2	Alert for rescue And current update
			Mic system , loudspeakers to make necessary announcements time to time		2	
Gadgets with HHG			Sickles, Spade, Player, Scissor, hammers, screw driver and rope		18	Gadgets used in rescue operation
Persons Rescued			10 victims of disaster rescued by HHG and 4 severely trapped persons rescued by the NDRF team from the incident site.			
			About 100 Students and 25-30 Staff Members were evacuated from the incident site-II (i.e. Govt. Sr. Sec. School (Boys))			
De Briefing			After the assurance of complete recovery of all victims from both the sites all teams, NGOs members and participants were assembled for De-Briefing and thereafter all teams & machinery vacated the staging area.			

6. ONE DAY TRAINING ON SCHOOL SAFETY APP HELD ON 30.10.2024 AT DIET JUKHALA DISTRICT BILASPUR H.P.



7. TRAINING-CUM-ORIENTATION SESSION ON HANDLING OF DRONES

Under the SAMARTH-2024 initiative, training-cum-orientation session on handling of Drones was organized for personnel's from Home Guards, Police, Health and DDMA.



DISTRICT DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY, BILASPUR H.P.

समर्थ 2024

**ONE DAY TRAINING PROGRAMME ON
HANDLING OF DRONES**

AT MEETING HALL OF BACHAT BHAWAN, BILASPUR HP

आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु राज्यव्यापी जन-जागरूकता अभियान

Call us on 01978-224901,902,903,904 & 1077 during any Emergency (Toll Free 24*7)

 ddmabilaspur  ddmabilaspur@gmail.com  94594-57061  ddmabilaspur



II. ACTIVITIES CONDUCTED BY RURAL DEVELOPMENT AND PRI

Gram Sabha Meeting: Gram Sabha Meetings were conducted on 02-10-2024 vide which discussion was held on already devised agenda points.



III. ACTIVITIES ORGANIZED BY EDUCATION DEPARTMENT

Following activities were organized at School College level

- *Conduct of Mock Drill on Landslide/ Flash Floods / EQ*
- *Slogan Writing Competition (on placards)*
- *Quiz on Disasters (Available in Hindi & English)*
- *Painting, Poster Making Competition*
- *Essay Writing Competition for Schools.*
- *Preparation of 100% School DMPs through "School Safety App" in all schools in the District.*

1. Government Senior Secondary School Talai



2. Government Senior Secondary School Gah Ghori

Date: _____
 Page No: 109
 Date: 1/12/20

* आपका स्वच्छता अभियान *
 आज दिनोंक अनोखे रूप को रात को य उच्च
 पाठशाला गह घोड़ी में आपका स्वच्छता
 समिति को विना कत अली मुख्याद्यापक व
 अद्यापक तथा धर्मो ने सरकार के द्वारा निर्देशों
 के अनुसार भूकम्प आने व आग लगने पर
 हाता को जान साल व समीति के बचाल के
 लिए अभ्यास किया अभ्यास को सफल बनाने
 के लिए निम्न लिखित गतिविधियों को :-

- 1 Conduct of mock Drill on landslide/Flash Floods
- 2 Slogan writing Competition
- 3 Quiz on Disasters
- 4 Painting Posters making Competition
- 5 Essay Writing Competition
- 6 Re-pareation of 100/ school DMP through "School Safety app"

इन गतिविधियों में निम्न लिखित सदस्य मौजूद
 हैं।

1 श्री सुनील कुमार	T.G.T.(Arts)
2 श्री उषा कुमार	T.G.T.(Med)
3 श्री कमल सिंह	T.G.T.(H.M.D)
4 श्री मीत उषा शर्मा	T.G.T.(N.M)
5 श्री मीत वानिता देवी	L.T.

Inc. Sig. _____
 Headmaster
 Govt. High School Gahghori
 Distt. Bilaspur (H.P.)



3. Government High School Kallar



4. Government High School Takrera



5. Government High School Taraun



6. GMS Badi Chhajol



7. GMS Ghandalwin



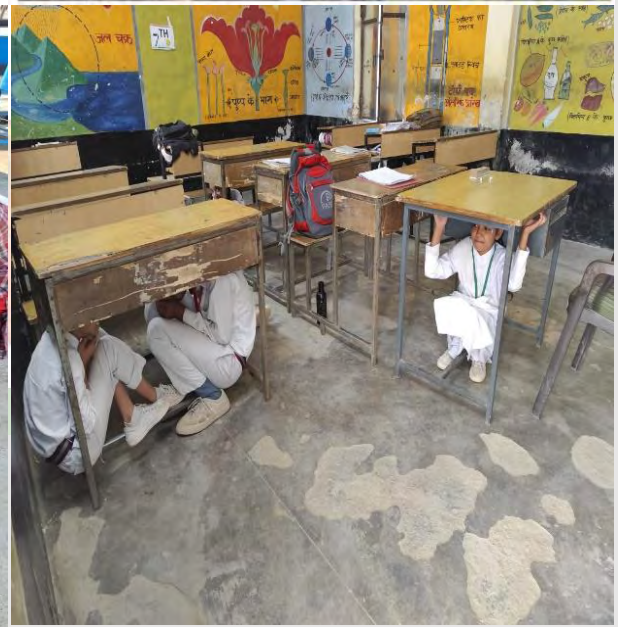
8. GPS Gallian Khas, Bilaspur -I



9. GPS Mehri Kathla



10. GSSS Barota



11. GSSS Bhakra



12. GMSSS Talai



13. GSSS Chalehli



14. GSSS Chhat



15. GSSS Dhadhol



16. GSSS Hatwar



17. GSSS Kandrouer



18. GSSS Dabat



19. GSSS Hawan



20. GSSS Mundkhar

SLOGAN WRITING COMPETITION



PAINTING & POSTER MAKING COMPETITION



ESSAY WRITING COMPETITION



QUIZ COMPETITION ON DISASTERS



IV. DEPARTMENT OF INFORMATION PUBLIC RELATION

संख्या: आईपीआर/बीएलएस-जी (2)-1/2012-पब- 476-81
जिला लोक लोक सम्पर्क अधिकारी
बिलासपुर जिला बिलासपुर।

प्रेषक

जिला लोक लोक सम्पर्क अधिकारी
बिलासपुर जिला बिलासपुर।

प्रेषित

1 महासंगम थियेटर ग्रुप बिलासपुर, 2 नटराज कलामंच घुमारवीं
3 जनचेतना कलामंच झण्डुता, 4 अमरज्योति कलामंच घुमारवीं
5 मां वैष्णो संस्कृतिक कलामंच, 6 पटियाल म्युजिकल ग्रुप डंगार

दिनांक बिलासपुर 9 अक्टूबर, 2024

विषय:- फोक मीडिया के माध्यम से कार्यक्रम करने बारे।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सदर्भ में निदेशालय से प्राप्त पत्र संख्या आईएण्डपीआर-एच(एफ)10-3/2024-3216 दिनांक 4 अक्टूबर, 2024 के तहत जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के परामर्श से सुरक्षित निर्माण से सम्बन्धित जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जिला के प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में किया जाना है।

अतः आपको निर्देश दिये जाते हैं कि अपने सांस्कृतिक दल के माध्यम से सुरक्षित निर्माण से सम्बन्धित जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों को जागरूक करने के लिए जिला के निम्नलिखित स्थानों में दिनांक 14 अक्टूबर 2024 से 19 अक्टूबर, 2024 तक कार्यक्रम करवाना सुनिश्चित करें।

क्र०स०	ग्रुप का नाम	दिनांक व समय	पंचायत का नाम	गांव का नाम
1	महासंगम थियेटर ग्रुप बिलासपुर	15.10.24	नम्होल 11 AM	बाजार
			जुखाला 2 PM	बाजार
2	नटराज कलामंच घुमारवीं	16.10.24	कंदरौर 11 AM	बाजार
			बिलासपुर 2 PM	स्दर
5	मां वैष्णो संस्कृतिक कलामंच बरठी	18.10.2024	बरठी 11 AM	बाजार
			शाहतलाई 2 PM	बाजार
3	जनचेतना कलामंच झण्डुता	21.10.2024	झण्डुता 11 AM	बाजार
			कलोल 2 PM	बाजार
4	अमरज्योति कलामंच घुमारवीं	22.10.2024	भराड़ी 11 AM	बाजार
			डंगार 2 PM	बाजार
6	पटियाल म्युजिकल ग्रुप डंगार	23.10.2024	घुमारवीं 11 AM	बाजार
			कुठेड़ा 2 PM	बाजार

जिला लोक लोक सम्पर्क अधिकारी
बिलासपुर जिला बिलासपुर।

प्रतिलिपि:- पृष्ठांकन व सख्या यथोपरि

1 अध्यक्ष, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण बिलासपुर जिला बिलासपुर, डि०प्र० के सूचनार्थ प्रेषित है।

जिला लोक लोक सम्पर्क अधिकारी
बिलासपुर जिला बिलासपुर।



MEDIA COVERAGE

m.facebook.com

3. आग से सुरक्षा: आग बुझाने के यंत्र का उपयोग करें और धूम्रपान में सावधानी बरतें।

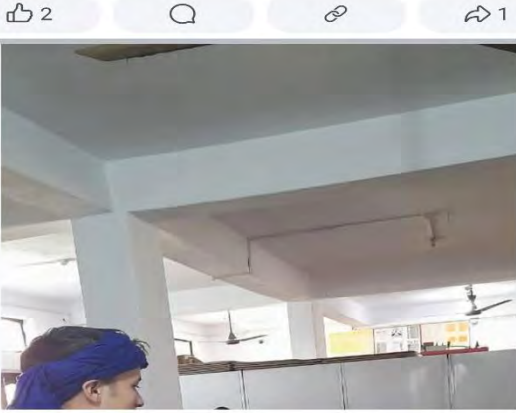
4. भूस्खलन से सुरक्षा: चेतावनियों का पालन करें और सुरक्षित स्थानों पर रहें।

5. आपातकालीन योजना: परिवार के साथ निकासी मार्ग और सुरक्षित स्थानों की योजना बनाएं।

इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य लोगों को आपदा के प्रति सचेत करना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार आपदा प्रबंधन के प्रति लोगों को जागरूक बनाने के प्रयास में लगी है, ताकि हर आपदा में कम से कम जान-माल की हानि हो सके।

#viral #bilaspur #dcbilaspur #nainadevi #ghumarwin #jhandutta #dcbilaspur

2



DPRO Bilaspur 15h

सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग हिमाचल प्रदेश एवं जिला लोक संपर्क विभाग विलासपुर के संयुक्त तत्ववधान से नगर पंचायत तलाई व बरठी में मां वैष्णो सांस्कृतिक कला मंच बरठी के कलाकारों ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कलाकारों ने गीत-संगीत तथा नुकड़ नाटक के माध्यम से आपदा प्रबंधन के बारे में लोगों को जागरूक किया। कलाकारों ने भूकम्प, भूस्खलन, बाढ़ आग से होने वाले नुकसान तथा उससे कैसे बचाव करना चाहिए। कलाकारों ने बताया कि आपदा प्रबंधन को लेकर नियम बनाए गए हैं जिसमें राष्ट्रीय स्तर से पंचायत स्तर तक प्राधिकरण गठित किए थे। राष्ट्रीय स्तर के प्राधिकरण के पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण प्रधानमंत्री के अधीन होता है। राज्य प्राधिकरण का नियंत्रण मुख्यमंत्री के पास होता है। जिला में उपायुक्त के निर्देशन में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गठित होता है। पंचायत में पंचायत प्रधान आपदा प्रबंधन के मुखिया होता। कलाकारों नुकड़ नाटक के माध्यम आपदा से बचाव की भी जानकारी दी। इस अवसर पर नगर पंचायत के सचिव खेम चंद वर्मा, प्रधानाचार्य राजकुमार एसएमसी प्रधान अशोक कुमार ग्राम पंचायत बरठी के उप प्रधान राजेश मेहता वार्ड मेंबर ममता उपस्थित रही।



<

DPRO Bilaspur 5h

प्रेस नोट

धुमारवीं में आपदा से सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित: संस्कृत कॉलेज डंगार व औद्योगिक संस्थान भराड़ी में जागरूकता फैलाने का प्रयास

बिलासपुर, 22 अक्टूबर 2024

जिला लोक सम्पर्क विभाग बिलासपुर के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशानुसार, आपदा प्रबंधन प्राधिकरण विभाग के सौजन्य से आपदाओं से सुरक्षा हेतु विभिन्न फोक शो कार्यक्रमों का आयोजन अमर ज्योति समाज कल्याण व प्रशिक्षण सांस्कृतिक कला मंच धुमारवीं द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अगुवाई कला मंच की अध्यक्षा अमरा वती मोहिला द्वारा की गई, जिसमें आपदाओं से सुरक्षा हेतु आवश्यक उपायों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रमों का आयोजन संस्कृत कॉलेज डंगार और औद्योगिक संस्थान भराड़ी में किया गया, जहाँ नुकड़ नाटक और गीतों के माध्यम से आपदा सुरक्षा उपायों का प्रचार-प्रसार किया गया। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य लोगों को आपदा से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना और उन्हें आपातकालीन स्थिति में त्वरित और सुरक्षित तरीके से प्रतिक्रिया देने की जानकारी प्रदान करना था।

इस कार्यक्रम में बताया गया कि आपदा के समय त्वरित और सावधान प्रतिक्रिया से जान-माल की हानि को कम किया जा सकता है। भूकंप, बाढ़, आग और भूस्खलन जैसी आपदाओं के लिए आवश्यक तैयारी और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई। इस दौरान विभिन्न नुकड़ नाटकों और गीतों के जरिए लोगों को सरल और प्रभावी तरीकों से जागरूक किया गया।

आपदा से सुरक्षा के प्रमुख उपायों में शामिल हैं:

1. भूकंप से सुरक्षा: सुरक्षित स्थानों पर शरण लें और घर के भारी सामान को सुरक्षित रखें।
2. बाढ़ से बचाव: ऊँचाई वाले क्षेत्रों में जाएं और बहते पानी से दूर रहें।
3. आग से सुरक्षा: आग बुझाने के यंत्र का उपयोग करें और धूम्रपान में सावधानी बरतें।

DPRO Bilaspur 2h

प्रेस विज्ञप्ति 15 अक्टूबर 2024

कलाकारों ने नमहोल और जुखाला में बताए आपदा से बचाव के उपाय

बिलासपुर 15 अक्टूबर। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) बिलासपुर द्वारा 15 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक डिजास्टर रिस्क रिडक्शन यानि आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर आयोजित किए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम 'समर्थ-2024' के तहत मंगलवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जुखाला में और नमहोल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इन कार्यक्रमों में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से संबद्ध महासंगम थिएटर ग्रुप के लोक कलाकारों ने गीत-संगीत एवं नुकड़ नाटक के माध्यम से लोगों को आपदा से बचाव के उपायों और सुरक्षित भवन निर्माण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षित भवन निर्माण, आपदाओं से सुरक्षा और पारिवारिक आपातकालीन योजना से संबंधित ज्ञानवर्द्धक पाठ्य सामग्री भी वितरित की गई।

-0-



गीत-संगीत व नाटक से दी आपदा प्रबंधन की जानकारी जन चेतना कला मंच झंडूता के कलाकारों ने आपदा प्रबंधन पर नुक्कड़ नाटक पेश किया

संवाद न्यूज एजेंसी

घुमारवीं (बिलासपुर)। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग हिमाचल प्रदेश एवं जिला लोक संपर्क विभाग बिलासपुर के संयुक्त तत्वाधान में कंदरौर व ओयल पंचायत में नटराज सांस्कृतिक कला मंच घुमारवीं के कलाकारों ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

कंदरौर में कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान सोमा देवी ने की। कलाकारों ने गीत-संगीत, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आपदा प्रबंधन के बारे में लोगों को जागरूक किया। कलाकारों ने भूकंप, भूस्खलन, बाढ़, आग से होने वाले नुकसान, उससे कैसे बचाव करना चाहिए के बारे में जानकारी दी। कलाकारों ने बताया कि भारत सरकार ने 2005 में आपदा प्रबंधन को लेकर नियम बनाये थे। राष्ट्रीय स्तर से पंचायत स्तर तक प्राधिकरण गठित किए थे। राष्ट्रीय स्तर के प्राधिकरण के पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण प्रधानमंत्री के अधीन होता है। राज्य प्राधिकरण का नियंत्रण मुख्यमंत्री के पास होता है। जिले में उपायुक्त के निर्देशन में



बिलासपुर के कंदरौर में आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते नटराज सांस्कृतिक कला मंच घुमारवीं के कलाकार | जागरूक पाठक

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गठित होता है। पंचायत में पंचायत प्रधान आपदा प्रबंधन के मुखिया होते हैं। कलाकारों नुक्कड़ नाटक के

माध्यम आपदा से बचाव की भी जानकारी दी। दनोह गांव में उप प्रधान रामलाल व सचिव कांता देवी उपस्थित रहे।



बिलासपुर स्टेट समाचार।

हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण व सूचना एवं जन संपर्क विभाग के संयुक्त से आपदाओं से रक्षा हेतु जागरूक कार्यक्रम का

आयोजन विकास खंड झंडूता में किया गया। इस अवसर पर जन चेतना कला मंच झंडूता के कलाकारों ने आपदा प्रबंधन के उपाय नुक्कड़ नाटक समूह गीत व लोक संगीत के द्वारा प्राथमिक आपदाओं से बचाव की जानकारी दी गई। यह कार्यक्रम झंडूता व कल्लोल में

प्रस्तुत किए गए। कला मंच के अध्यक्ष महेन्द्र भारती, व साथी कलाकारों देवराज, प्यार सिंह, सुंदर कुमार काकू, संतोष शर्मा, रंजु शर्मा, और शानु आदि कलाकारों ने अपने अभिनय से जागरूक किया व उर्गस्त जन समूह का मनोरंजन किया।

आपदा से बचाव की दी जानकारी

संवाद सहयोगी, जागरण • भराड़ी : आपदा प्रबंधन प्राधिकरण विभाग के सौजन्य से जिला लोक संपर्क विभाग बिलासपुर के मागंदांन एवं निदेशानुसार आपदा में सुरक्षा के लिए विभिन्न फोक शो कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम अमर ज्योति समाज कल्याण व प्रशिक्षण सांस्कृतिक कला मंच घुमारवीं की ओर से कला मंच अध्यक्ष अमरावती मोहिला के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इसमें आपदाओं से सुरक्षा के लेकर आवश्यक उपाय की जानकारियों का प्रचार-प्रसार फोक मीडिया, नुक्कड़ नाटक व गीतों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सांस्कृतिक सहायिकाएण डेंगार व आद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भराड़ी में आयोजित किया गया। इस मौके पर प्रयानाचार्य राजीव कुमार, रतन चंद, वाना देवी, निर्मला देवी, प्रमोदा देवी,



भराड़ी में आपदाओं से सुरक्षा की जानकारी देते कर्ताकर • जागरण

अमित कुमार, राजीव कुमार, अनिल कुमार, अशिश कुमार, गुरुज कुमार, पवन कुमार, अमिता कुमार, कमलेश कुमार, जगत राम, नीलम कुमार, सुनील कुमार, संजय कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सामर्थ

NEWS

Disaster management mock drill organised in Bilaspur



The mock drill organised by the District Disaster Management Authority in Bilaspur on Monday.

OUR CORRESPONDENT

HAMIRPUR, OCTOBER 14 A disaster management mock drill was organised by the District Disaster Management Authority at Government Senior Secondary School (Boys) in Bilaspur today to train students in tackling disaster-like situations.

National Disaster Response Force Assistant Commandant Karam Singh

said the mock drill and awareness programme was conducted to train students of the school on disaster behaviour, rescue measures and how to deal with disaster-like situations.

According to the instructions of the State Disaster Management Authority (SDMA), the District Disaster Management Authority (DDMA) would organise activities under the Disaster Risk Reduction and

Awareness Programme titled Samarth-2024 from October 1 to October 15 this year, he added.

Open drills were organised in the auditorium of the school and the District Language and Arts Culture Department office. Singh said various methods for earthquake and fire prevention were demonstrated during the drill. An incident of a fire in the school was enacted.

छात्र स्कूल बिलासपुर में करवाया पूर्वाभ्यास

बिलासपुर : जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (छात्र) बिलासपुर तथा जिला भाषा व कला संस्कृति विभाग के सभागार में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों को आपदा के समय व्यवहार, बचाव के उपाय और आपदाओं से निपटने के तरीके बताए। इस दौरान माकड्रिल (पूर्वाभ्यास) करवाया गया, जिसमें भूकंप एवं अग्निकांड से बचाव के विभिन्न तरीकों को प्रदर्शित किया गया। पाठशाला में अग्निकांड दर्शाया गया, जिसमें छह बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। आडिटोरियम में भूकंप से प्रभावित भवन से 14 लोगों को सुरक्षित बाहर



बिलासपुर आडिटोरियम में माकड्रिल करते एनडीआरएफ के जवान ● जागरण

निकाला गया। इस मौके पर एनडीआरएफ से सहायक समादेशक कर्म सिंह, होम गार्ड से प्लाटून कमांडर सुरेंद्र चंद, अग्निशमन विभाग से फायर ऑफिसर दीवान चंद सहित अन्य मौजूद रहे। (जास)

जिला मुख्यालय में आपदा प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम



सबरा न्यूज/अरुण डोगरा

बिलासपुर 14 अक्टूबर : जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, बिलासपुर की तरफ से आपदा प्रबंधन के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम करवाया गया। इस कार्यक्रम में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के माध्यम से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (छात्र), बिलासपुर के विद्यार्थियों को आपदा के समय व्यवहार, बचाव के उपाय और आपदाओं से निपटने के तरीके बताए। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के निर्देशानुसार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) बिलासपुर द्वारा इस वर्ष भी 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक डिजास्टर रिस्क रिडक्शन यानि आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर जागरूकता कार्यक्रम समर्थ 2024 के तहत कई गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में सोमवार को डीडीएमए ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (छात्र), बिलासपुर व जिला भाषा व कला संस्कृति विभाग के आडिटोरियम गैरिख में मोव ड्रिल का

आयोजन किया गया, जिसमें भूकंप एवं आगजनि से बचाव के विभिन्न तरीकों को प्रदर्शित किया गया। पाठशाला में आगजनी की घटना दर्शायी गई जिसमें 6 बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया तथा आडिटोरियम में भूकंप के द्वारा प्रभावित हुए भवन से 14 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस जिला सत्रोय मोव ड्रिल में एनडीआरएफ, होम गार्ड, अग्निशमन, स्वास्थ्य, पुलिस, रेड क्रॉस और स्वयंसेवकों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। जिला प्रशासन की ओर से श्री देवी राम (डीआरओ), श्री. बालकृष्ण (तहसीलदार), एनडीआरएफ से श्री. करम सिंह (सहायक कमांडेंट), श्री. अशोक कुमार रामोला, होम गार्ड से श्री. सुरेंद्र चंद (प्लाटून कमांडर) व इनकी टीम, फायर से श्री. दीवान चंद (फायर ऑफिसर) व इनकी टीम, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से डॉ. विदेश कुमार (प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण समन्वयक) उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को दी आपदा के समय बचाव की जानकारी

बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर की आपदा प्रबंधन कमेटी और अग्निशमन विभाग की ओर से विभिन्न प्रकार की दुर्घटनाओं से निपटने, बचाव कार्य और आपदाओं के शमन के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम में होमगार्ड और अग्निशमन विभाग से फायर ऑफिसर जितेंद्र कुमार ने एनसीसी आर्मी, नेवल गल्स रेंजर्स एंड रोवर्स, रेड रिबन क्लब, प्रहरी क्लब, रेडक्रॉस इकाई, एनएसएस स्वयंसेवियों और अन्य विद्यार्थियों को आपदा के समय प्राथमिक बचाव कार्य के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यदि किसी भी जगह पर आगजनी की कोई घटना हो जाए तो उससे किस प्रकार निपटना है। अनिल ठाकुर ने भूकंप, बाढ़ और अन्य दुर्घटनाओं में बचाव कार्यों के विषय में डेमोस्ट्रेशन और प्रदर्शन कर विद्यार्थियों को जागरूक किया। विभिन्न परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार और बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी दी।

प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने कहा कि हमारी विभिन्न कमेटियों विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर बहुत जागरूक हैं और लगातार इसके ऊपर काम करती रहती हैं। इस अवसर पर प्र. श्रवण कुमार, प्रो. नवंदु बंसल, डॉ. जयचंद, डॉ. सुरेश, डॉ. अजीत, डॉ. राधेश्याम, डॉ. रेनु आदि मौजूद रहे। सवा

प्रशिक्षुओं को भूकंप, आग से बचने का दिया प्रशिक्षण

संवाद न्यूज एजेंसी

बिलासपुर। जिला गिरा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डीएटी) बुकाला में अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के तहत माकड्रिल का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 180 प्रशिक्षणियों ने भाग लिया। आपदा प्रबंधन समन्वयक रंजित ठाकुर ने बरिष् एवं भूकंप से उपान होने वाली आपदाओं के बारे में प्रशिक्षणार्थियों के साथ अपने विचार माया किए। समारोह में भूकंप और आग तपने को विधि से बचने के लिए परीक्षण कराई गई। उन्होंने सिमिटर की आग से बचने का भी प्रशिक्षण दिए गया। इस दौरान डाइट आपदा प्रबंधन योजना के अनुसार अलग-अलग टोमो ने अपनी पीपिका का निर्माण किया। गोमो रूप में अलग प्रशिक्षणार्थियों को डोज एवं बचाव दान ने देकर और



माकड्रिल का अंशक करते एनडीआरएफ, होमगार्ड, अग्निशमन विभाग के कर्मचारी। ● संवाद

बच् के बने हुए सक्वटी देकर को हद से संभाल के बाहर निकाला, विरके प्राथमिक विधिकय सहायक टोम ने प्राथमिक उपचार प्रदान किया। संस्थान के प्रशासनार्थ गंका भंक्रांठिय ने सभी प्रशिक्षणियों को अल्प प्रबंधन विषय की संवेदनशीलता और

स्वयंसेवियों को सिखाए आग से बचाव के गु बिलासपुर। गोप भी हक्की कांठ माध्यमिक बाल पठशाला में अग्निशमन विभाग की ओर से सोमवार को माकड्रिल का आयोजन किया गया। उन्होंने छात्रों को आग से बचाव का अंशक करवाया। विपक्षीय अग्निशमन और कर्मियों ने छात्रों को आग लपने के कारण और उससे बचाव के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अक्सर छोटी-छोटी पूत के कारण आग लपने की घटना घटित होती है। छोटी आग कुछ मिनटों के कारण विकराल रूप धारण कर लेती है। इसे छोटी-छोटी साधारणतया से ध्यान देने की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया कि आग लपने पर इलाहा होने के बजाय फुलपुसे से काम लेना चाहिए। उन्होंने छात्रों को अग्निशमन वरें के प्रयोग को एक-एक कर से समझाया। सवा

District Disaster Management Authority (DDMA)- Chamba

“SAMARTH- 2024”

Disaster means a catastrophe, mishap, calamity or grave occurrence in any area, arising from natural or man-made causes, or by accident or negligence which results in substantial loss of life or human suffering or damage to, and destruction of, property, or damage to, or degradation of, environment, and is of such a nature or magnitude as to be beyond the coping capacity of the community of the affected area.

Himachal Pradesh is prone to multi-hazards with earthquakes, landslide, cloudburst, flash floods, lightening, road accidents, avalanches, etc. However, the hazard which poses the biggest threat to the district is that of earthquakes. Another form of the natural hazards in the district is the frequent occurrences of landslides. The district Chamba falls in Seismic zone IV and V (as per the Seismic Zoning map of India) which are the high and severe risk zones respectively.

Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA) organized its flagship mass awareness & capacity building campaign “**Samarth-2024**”. As a part of the campaign, various events and activities were conducted at District level in order to effective dissemination to increase the awareness regarding Disaster Risk Reduction among the masses.

In this regard, following activities were carried out under Samarth-2024.

One day workshop-cum-training programme on Safe Construction practices by the District Disaster Management Authority (DDMA), Chamba, with the coordination of the Master Trainers i.e. (JEs/AEs HPPWD, NH JSV, PO-DRDA, BDOs and Technical Staff) from HPPWD, NH and PO-DRDA, SSA at Saru at Bachat Bhawan Chamba on dated 04th October, 2024.

This training workshop was organised by the District Disaster Management Authority, Chamba with the help of Master Trainers **from HPPWD, NH and PO-DRDA, SSA at Saru at Bachat Bhawan Chamba** for all the JEs/AEs of HPPWD, NH, JSV, PO-DRDA, BDOs and technical staff of District Chamba. The workshop began with a short speech by the worthy Deputy Commissioner Chamba. The workshop aimed to enhance awareness and understanding of safety protocols and best practices in the construction industry, ultimately aiming to reduce workplace accidents and improve overall safety culture. The main goals of the above training workshop are:-

- To educate participants on the importance of safety in construction.
- To familiarize attendees with current safety regulations and guidelines.
- To provide practical training on risk assessment and hazard identification.
- To promote a culture of safety within the organization.

The outcomes of the training workshops are:-

- Increased Awareness:-** Participants demonstrated a better understanding of the importance of safety practices in construction.
- Practical Skills:-** Attendees acquired practical skills in risk assessment and hazard identification, enhancing their ability to implement safety measures on-site.

□ Actionable **Insights**:- The discussions and case studies provided valuable insights that participants can apply in their respective roles.

The workshop on Safe Construction Practices successfully ended with its objectives, providing AEs and JEs with essential knowledge and skills to promote safety in their work environments. Continuous training and reinforcement of safety practices are crucial for reducing incidents and enhancing the safety culture in the organization.



One day Capacity Development Workshop on Earthquake Safety for schools by the District Disaster Management Authority (DDMA), Chamba, with the coordination of the DPO-SSA and SDOs at DIET Saru, Principals and Teachers of Govt. and Private Schools at DIET Saru on dated 05th October, 2024.

On October 5, 2024, the District Disaster Management Authority (DDMA) organized a one-day Capacity Development Workshop on Earthquake Safety for schools in Chamba with the coordination of the DPO-SSA and SDOs at DIET Saru Principals and Teachers of Govt and Private Schools at DIET Saru. The workshop aimed to equip educators with essential knowledge and skills to promote earthquake safety measures within their institutions. The details of the resources person for the training was given below:-

1. Sh Kamal Singh DPE Baror regarding school safety pan.
2. Dr Ajay regarding first aid and CPR.
3. Deepak Sharma AE SSA regarding safe construction practices.

The main goals of the above training workshops are:-

1. **Raise Awareness:** Educate participants about earthquake risks and the importance of preparedness.
2. **Develop Skills:** Train teachers and principals on implementing safety protocols and emergency response plans.
3. **Enhance Collaboration:** Foster communication and collaboration among schools, DDMA, and local authorities.

The Capacity Development Workshop on Earthquake Safety was a significant step towards enhancing disaster preparedness in Chamba's educational institutions. Participants left with a renewed sense of responsibility and actionable strategies to implement within their schools. The DDMA, along with the DPO-SSA and SDOs, aims to continue these initiatives to build a safer environment for students and staff alike.





District-Level Function/ Competition on Safe Construction Models on Disaster Management Initiatives (SAMARTH - 2024) at Govt. Boys Senior Secondary School Chamba at 11:00 AM on dated 5th October 2024.

The District Disaster Management Authority (DDMA), Chamba, organised a District Level Competition on Safe Construction Model at Govt. Boys Senior Secondary School Chamba at 11:00 AM on dated 5th October 2024. In this competition total 34 Schools participated and out of them total 12 schools are got first, second position in District Level.

Four schools are selected for the State Level competition by the District Level Committee Chamba. The lists of the schools which are selected at State Level are given below:-

Sr. No.	Name of the Students & Escort Teacher	Name of the School /Department	Category /Destination	Contact No
1.	Anshika	GSSS Sihunta	Sr. Sec.	98054-61411
2.	Palak			
3.	Banit Kumar		Escort Teacher	
4.	Riya	GSSS Thalli	Sr. Sec.	70180-81170
5.	Razeena			
6.	Kusumanjali		Escort Teacher	
7.	Akshara Devi	GHS Tapper	High School	82196-80285
8.	Sourabh Kumar			
9.	Lachhi Devi		Escort Teacher	
10.	Suraj Kumar	Garnota ITI Chamba	ITI	89883-08390
11.	Rahul Jariyal			
12.	Susheel Kumar		Escort Teacher	
13.	Sumit Gupta	DDMA Chamba	IT Coordinator	98165-38980

Final Result on of Schools in Safe Construction Practices Model Exhibition held at GBSSS School Chamba on dated 05-10-2024



1st Position ITI Garola



1st Position GSSS Thalli



1st Position GSSS Sihunta



1st Position GHS Tapper

Out of the 34 Schools, 4 Nos. of Schools are selected for the State Level competition at Shimla. The **GHS Tapper** got the second position in the State Level Safe Construction Practices Model Exhibition at Shimla.



One day Training Workshop on Role of Youth in Disaster Risk Reduction and Climate Change Adaptation by the District Disaster Management Authority (DDMA), Chamba, with the coordination of the Resource Person HPSDMA Shimla, and NDRF team at Govt Degree College Chamba.

This training workshop was organised by the District Disaster Management Authority, Chamba with the help of with the coordination of the Resource Person HPSDMA Shimla, and NDRF team at Govt. Degree College Chamba. The above training workshop aimed at educating and engaging the youth in disaster risk reduction (DRR) and climate change adaptation (CCA). The workshop brought together students, faculty, and representatives from the District Disaster Management Authority, the Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA), and the National Disaster Response Force (NDRF).

Objectives of the workshop are:-

1. **Raise Awareness:** Enhance understanding of disaster risks and climate change impacts.
2. **Empower Youth:** Equip participants with knowledge and skills to take proactive measures in DRR and CCA.
3. **Promote Engagement:** Foster a sense of responsibility among youth to contribute to community resilience.

The workshop concluded with a feedback session where participants shared their thoughts and insights. Many expressed a newfound understanding of their role in disaster management and a desire to become actively involved in community initiatives.

The DDMA, in collaboration with HPSDMA and the NDRF, aims to continue these educational efforts, ensuring that youth are equipped and motivated to lead in the face of climate challenges and disasters.





One day training of Students on Emergency Preparedness by the faculties of the Govt Polytechnic of Chamba at Govt Polytechnic College Chamba on dated 08th October, 2024.

This training workshop was organised by the District Disaster Management Authority, Chamba with the coordination of the faculties of the Govt Polytechnic of Chamba at Govt Polytechnic College Chamba. This training program on "**Emergency Preparedness**" was conducted for the students of Government Millennium Polytechnic Chamba, facilitated by the institute's faculty, as part of **IDDRR-SAMARTH 2024** activities, under the guidance of DDMA Chamba.

The primary objectives of the training program were:-

- To raise awareness about various types of disasters and emergencies.
- To impart knowledge on emergency response strategies and first aid techniques.
- To foster a culture of preparedness among students, enabling them to act effectively in crisis situations.

Program Highlights:-

1. **Inauguration:-** The program commenced with a formal inauguration, where the chief guest from DDMA highlighted the importance of emergency preparedness in today's world.
2. **Session 1:- Understanding Disasters:-** The first session focused on the types of disasters — natural and man-made — along with their potential impact on communities. The speakers emphasized the need for awareness and readiness.
3. **Session 2:- Emergency Response Strategies:-** This session provided insights into the protocols for responding to various emergencies. Students learned about the roles of different stakeholders during a disaster, including government agencies, NGOs, and community members.
4. **Session 3:- First Aid Training:-** A practical demonstration of basic first aid techniques was conducted, covering topics such as CPR, wound care, and how to manage common injuries. Students participated actively in hands-on practice.
5. **Group Activities:-** Interactive group activities were organized to enhance learning and foster teamwork. Students engaged in scenario-based exercises, which helped them apply their knowledge in simulated emergency situations.
6. **Question & Answer Session:-** A question-and-answer segment allowed students to clarify doubts and seek guidance from experts. The engagement was high, reflecting students' keen interest in the subject matter.

The training program successfully met its objectives, with students expressing increased confidence in their ability to respond to emergencies. Feedback from participants indicated a strong appreciation for the knowledge gained and a desire for further training in emergency management.





One day training of Training of Students on Emergency Preparedness by the faculties of the Govt Polytechnic of Banikhet at Govt Polytechnic College Banikhet on dated 08th October, 2024.

On October 8, 2024, the faculty of Government Polytechnic College Banikhet conducted a one-day training program on Emergency Preparedness for students. The session aimed to equip students with essential knowledge and skills to respond effectively in emergencies. Topics covered included first aid, disaster management, and evacuation procedures. The training combined theoretical knowledge with practical exercises, fostering a proactive approach to safety and preparedness among students. Participants engaged actively, enhancing their understanding of critical emergency response strategies. Overall, the event successfully raised awareness and preparedness within the student community.





Mock Drill and Awareness Program conducted by Home Guard Department under Samarth-2024 at Various Schools of District Chamba.

The Home Guard Department recently conducted a Mock Drill and Awareness Program as part of the Samarth-2024 initiative across various schools in District Chamba. This program aimed to educate students on emergency response procedures, safety measures, and the importance of preparedness in crisis situations.

During the mock drill, participants practiced evacuation protocols and emergency responses to various scenarios, including fire and natural disasters. The program emphasized teamwork, quick thinking, and the vital role of first responders.

The list of schools where the Mock Drill and Awareness Program conducted by Home Guard Department are given below:-

Sr. No.	Date	Name of School/Institution	Strength	
			Teacher	Student
1	18-09-2024 to 23-09-2024	Task force youth volunteer Sub Division Pangi	103 Volunteer	
2.	01-10-2024	Govt.Sr. Sec. School Jhajja Kothi	16	440
3.	01-10-2024	Battalion Training Centre Saroo	40 Home Guards	

4.	01-10-2024	Kids Camp Public Sen. Sen. Sec.School Chowari	10	200
5.	01-10-2024	Govt. Senior Secondary School Bhandal	15	380
6.	02-10-2024	Govt. Sr. Sec.School Karlyan at BTC Saroo	02	57
7.	04.10.2024	Govt Senior Secondary School Saikothi	02	60
8.	05-10-2024	Govt Senior Secondary School LIgga	20	150
9.	07.10.2024	Govt Senior Secondary School Awanh	13	213
10.	07-10-2024	Govt Senior Secondary School Hobar	28	260
11.	08-10-2024	D.A.V. Public High School Bharmour	15	133
12.	08-10-2024	Govt. High School Frotak	14	86
13.	09-10-2024	Govt. Senior Secondary School Juther	02	40
14.	09-10-2024	Adarsh Adhunik Public High School Garola	13	90
15.	10-10-2024	Govt. Senior Secondary School Sanghani	15	160
16.	10-10-2024	Govt. Senior Secondary School Banikhet	39	266
17.	11-10-2024	Govt. Senior Secondary School Dadriara	06	120
18.	11-10-2024	Rishi Public Middle School Dadriara	07	150
19.	11-10-2024	Govt. High School Bailly	11	97
20.	15-10-2024	Govt. High School Salli	08	27
21.	15-10-2024	Govt. Senior Secondary School Parchhor	03	54



Training was imparted by Home Guards and Fire Department in collaboration with DDMA Chamba to Task force youth volunteer in 05 days training programme at Pangi , Chamba.



On dated 01-10-2024 Fire Post Churah Distt Chamba the Leadership of Fireman Lekh Raj 440 students (Boy & Girls) and 16 teachers of Govt Sr. Sec. School Jhajja-Kothi were made aware about Fire Prevention with Mock Drill.



On dated 07-10-2024 Sub-Fire Station Bhattiyat Distt Chamba the Leadership of Fireman Kuldeep Singh 213 students (Boy & Girls) and 13 teachers of Govt Sen. Sec. School Awanh were made aware about Fire Prevention with Mock Drill.



On dated 09-10-2024 Fire Post Kharamukh Distt. Chamba the Leadership of Fireman Bali Ram were made aware about Fire Prevention with Mock Drill 90 students (Boy & Girls) and 13 teachers of Adarsh Adhunik Public High School Garola.

In an effort to raise awareness about disaster preparedness, the District Public Relations Office (DPRO) Chamba organized a series of Nukkar Natak (Street Plays) across various sub-divisions in the district w.e.f. 8th October, 2024 to 13th October, 2024 during the Samarth-2024. The initiative aimed to educate the local communities about essential disaster management practices, the importance of preparedness, and how to effectively respond during natural disasters such as floods, earthquakes, landslides, and fires. The Nukkar Natak was an interactive and impactful way to communicate critical messages to people in a simple, understandable, and engaging manner.

Art kala Munch



Bharmour Bus Stand

Maa Sarswati



Bharmour Chowk Chamba



New Bus Stand Chamba

Priya Musical group



Sihunta Bus Stand



Chowari Bus Stand

Jagruti Kala Munch



Banikhet Bus Stand



Dalhousie Bus Stand

Two Days Training Program-cum-consultative workshop on development of participatory Village Disaster Management Plan and Community based Disaster Risk Reduction Capacity by DDMA Chamba with expert facilitation by Sh. Navneet Yadav, :-

A two-day *Training Program and Consultative Workshop on Development of Participatory Village Disaster Management Plan (VDMP) and Community-Based Disaster Risk Reduction (CBDRR) Capacity Building* was conducted on 8th and 9th October 2024. The workshop was organized by the District Disaster Management Authority (DDMA), with expert facilitation by Sh. Navneet Yadav, a state-level resource person. The training aimed to enhance the disaster preparedness and response capacities of local communities, particularly in rural areas, by involving them in the process of disaster risk reduction and management.

The key objectives of the workshop were:

1. To build local capacity in disaster risk reduction through participatory approaches.
2. To train participants on the development of Village Disaster Management Plans (VDMP).
3. To strengthen community-based disaster risk management mechanisms.
4. To foster collaboration between DDMA, community leaders, and local stakeholders.

Program Overview

The workshop took place over two days, with a structured agenda designed to offer both theoretical insights and practical tools for disaster management. It was attended by a wide range of participants, including village leaders, members of local disaster management committees, government officials, and community-based organizations.

Day 1: 8th October 2024

- **Session 1: Introduction to Disaster Risk Management (DRM)** The first session provided an overview of disaster management concepts, focusing on the importance of community involvement in risk reduction. Sh. Navneet Yadav explained the disaster management cycle, highlighting preparedness, response, recovery, and mitigation strategies.
- **Session 2: Participatory Approaches in Disaster Management** Participants were introduced to the concept of participatory disaster management, which involves the active engagement of local communities in decision-making processes. The session emphasized the importance of local knowledge, resource mobilization, and the role of community leadership in enhancing disaster resilience.
- **Session 3: Introduction to Village Disaster Management Plans (VDMP)** This session focused on the methodology and steps involved in creating a Village Disaster Management Plan (VDMP). Sh. Yadav guided participants through the key components of the VDMP, including hazard assessment, risk analysis, resources mapping, and contingency planning.

Day 2: 9th October 2024

- **Session 4: Community-Based Disaster Risk Reduction (CBDRR)** The second day opened with a deep dive into CBDRR principles. Sh. Yadav emphasized the role of local communities in identifying vulnerabilities and risks, and how these communities

can develop their own disaster management strategies. The session included case studies from other regions where CBDRR had been successfully implemented.

- **Session 5: Developing a Participatory VDMP – Group Work** In this interactive session, participants were divided into small groups and tasked with developing a sample Village Disaster Management Plan. The groups identified potential hazards in their respective villages, assessed community vulnerabilities, and proposed mitigation strategies. Sh. Yadav provided guidance and feedback on each group's approach.
- **Session 6: Capacity Building and Way Forward** The final session focused on how to institutionalize disaster management plans at the village level, and the role of local governance and community networks in sustaining these efforts. Participants were encouraged to implement what they had learned in their own communities and to engage local government agencies for support.

Key Takeaways:-

- **Community Engagement:** The success of disaster risk management is largely dependent on the active participation of communities. By involving local people in the identification of risks and the development of mitigation strategies, disaster preparedness can be significantly improved.
- **Holistic Planning:** A comprehensive approach to disaster management that includes hazard identification, risk assessment, resource mobilization, and response planning is essential. VDMPs should be living documents, regularly updated to reflect changing risks and capacities.
- **Collaboration Across Sectors:** The workshop highlighted the importance of collaboration between different stakeholders, including local communities, government agencies, NGOs, and other development partners, to ensure a coordinated disaster risk reduction approach.
- **Training and Capacity Building:** Continuous capacity building, especially at the grassroots level, is critical for enhancing the resilience of communities. Training village-level leaders and local disaster management teams is a step toward fostering sustainable disaster risk reduction practices.

Conclusion:-

The *Training Program and Consultative Workshop* on the development of Participatory Village Disaster Management Plans and Community-Based Disaster Risk Reduction was a significant step towards strengthening the disaster resilience of rural communities. By focusing on local knowledge, participatory planning, and capacity building, the workshop laid the foundation for more effective and sustainable disaster risk reduction efforts at the village level.

The insights and skills imparted during the workshop will empower community leaders and local stakeholders to take proactive steps in disaster preparedness, response, and recovery. Moving forward, it is essential to continue fostering a culture of disaster resilience through regular training, collaboration, and community engagement.

Conclusion of IDDRR Samarth-2024 by DDMA Chamba

The IDDRR (International Day for Disaster Risk Reduction) Samarth-2024 event, organized by the District Disaster Management Authority (DDMA) Chamba, successfully highlighted the importance of disaster preparedness, risk reduction, and community involvement. The event brought together key stakeholders including local government officials, community leaders, volunteers, and the general public, fostering collaboration to build resilience against natural and man-made disasters.

Key Takeaways:-

1. **Awareness and Education:** The event served as a platform for increasing public awareness about disaster risks and mitigation measures, emphasizing the role of communities in disaster resilience.
2. **Capacity Building:** Through workshops, simulations, and practical demonstrations, the participants were trained in various aspects of disaster management, including first aid, search and rescue operations, and the effective use of early warning systems.
3. **Community Engagement:** The involvement of local residents, schools, and youth groups underscored the importance of community-driven disaster risk management and the need to adapt traditional knowledge alongside modern techniques.
4. **Collaboration and Partnerships:** The event also fostered collaboration between various government agencies, NGOs, and the private sector, reinforcing the shared responsibility in disaster risk reduction efforts.
5. **Future Actions:** Moving forward, DDMA Chamba will continue to implement disaster risk reduction strategies, focusing on building infrastructure resilience, improving response times, and ensuring that communities are better equipped to handle future disasters.

The success of IDDRR Samarth-2024 signifies a strong commitment to creating a safer, more resilient Chamba district. Through ongoing efforts, public engagement, and sustained investment in disaster preparedness, we aim to mitigate the impacts of disasters and ensure the safety of all residents.

SAMARTH-2024

REPORT of SAMARTH- 2024

DDMA Hamirpur

2024

SAMARTH-2024

As a symbol of solidarity with the global efforts to observe the celebrations related to the IDDR, the Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA) in coordination with District Disaster Management Authority Hamirpur organizes an Annual Mass Awareness Campaign on Disaster Risk Reduction- ‘Samarth’ this state wide campaign is carried out at the state, district and community level and a variety of events and activities are organized from 1st to 15th of October, 2024. A range of Information, Education and Communication (I.E.C.) material is developed and disseminated among different target groups to enhance their knowledge and understanding of disaster risk reduction. Different types of events like inter-school quiz, photography competition, thematic workshops, etc. are organized at various levels. In order to achieve the objectives of ‘Samarth 2024’, it is very crucial for every citizen of Himachal Pradesh as well as all the District Disaster Management Authorities, Line Departments, Media Houses, Academic & Research Institutions, Corporate Houses, GOs, NGOs and CBOs to participate pro-actively in the campaign and contribute effectively to the process of making Himachal Pradesh a state resilient to disasters.

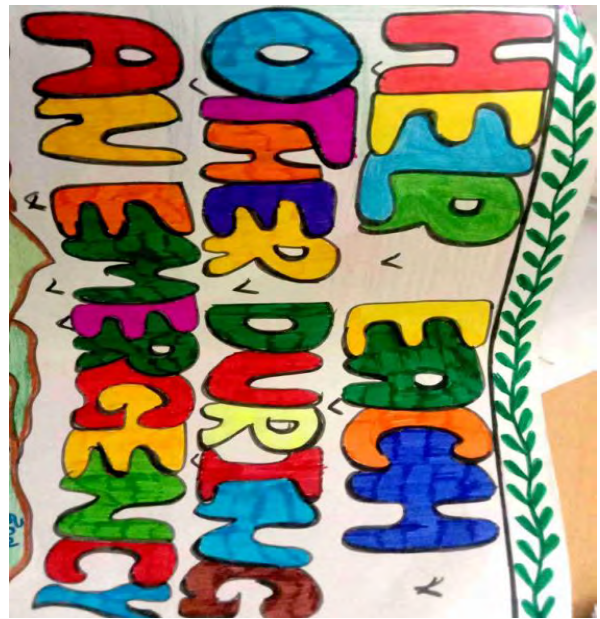
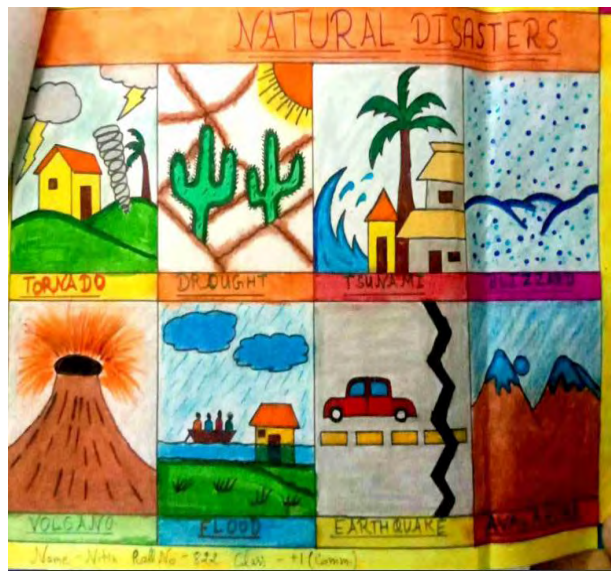
ACTIVITIES IN THE SCHOOLS

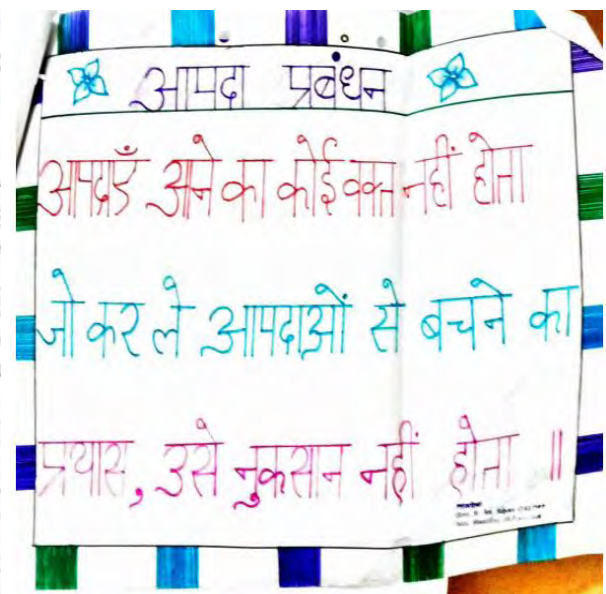
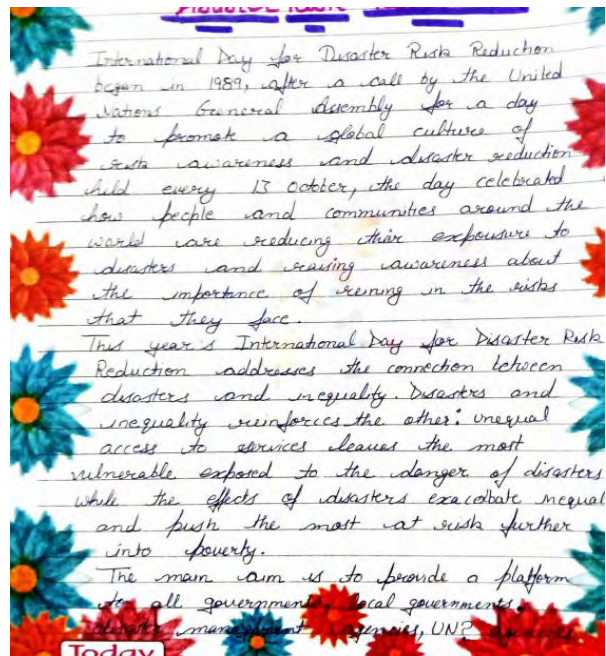
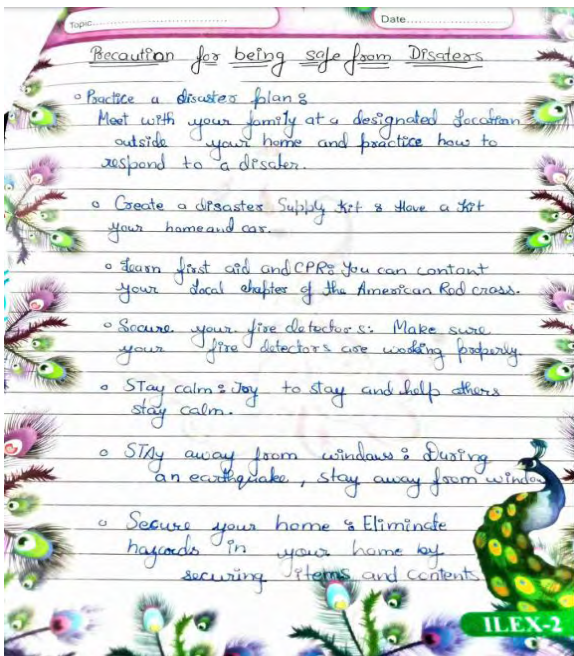
Planned/coordinated by the Deputy Directors (HE and EE) in district.

1. Conduct of Mock Drill on Landslide/Flash Flood (in coordination with Home Guards & Fire Department) at exactly 11AM on 14th of October 2024.
2. Slogan Writing Competition (on placards)
3. Quiz on Disaster (in Hindi & English)
4. Painting, Poster Making Competition
5. Essay Writing Competition
6. Preparation of 100% School DMPs through “School Safety App” in all schools in the district.
7. State-wide Competition on Safe Construction Models at Block, District and then State level selections for IDDRR-2024:

Some Glimpse of Painting, Poster Making Competition, Essay Writing Competition and Slogan Writing Competition







State-wide Competition on Safe Construction Models for IDDRR-2024

ACTIVITIES IN GRAM PANCHAYATS

Gram Sabha Meetings with focus on Disaster Management will be organized in every Panchayat of the district on 2nd of October, 2024 (coordinated and supervised by the respective DDMA and the Department of Rural Development & Panchayati Raj). The discussions during the Gram Sabha shall focus upon the localized risks of disasters and the existing level and need of preparedness keeping in view the major disasters in district.

Some Glimpse of activities organized at panchayat level



Mock Drill at following places during 1st October-15th October, 2024

Sr. No.	Places to conduct Mock Drill	Date	Time
1.	Tehsil Office Complex, Bijhari	1 st October, 2024	11:00 AM
2.	Baba Balak Nath Post Graduate College, Chakmoh	3 rd October, 2024	11:00 AM
3.	Sidharth Govt Degree College, Nadaun	4 th October, 2024	11:00 AM
4.	SDM Office Complex, Nadaun	5 th October, 2024	11:00 AM
5.	SDM Office Complex, Sujanpur	7 th October, 2024	11:00 AM
6.	TJCM Govt Degree College, Sujanpur Tihra	8 th October, 2024	11:00 AM
7.	SDM Office Complex, Bhoranj	9 th October, 2024	11:00 AM
8.	Govt ITI, Bhoranj	10 th October, 2024	11:00 AM
9.	Institute of Hotel Management Catering Technology & Applied Nutrition, Hamirpur	10 th October, 2024	11:00 AM
10.	SDM Office Complex, Hamirpur	14 th October, 2024	11:00 AM

Some Glimpse of Mock Drills organized by DDMA Hamirpur





Nukad Nataks/Street Plays

Nukad Natak Teams performs Street Plays in all the 5 Sub- divisions in District Hamirpur during Annual Mass Awareness Campaign on Disaster Risk Reduction- “Samarth” from 1st to 15th October, 2024.





Activities by DIAG, Hamirpur

Awareness generation programmes at community level to educate the community on various aspects of disaster preparedness and resilience. Additionally, an awareness campaign launched to apprise the residents about available home insurance products, highlighting their benefits and importance in disaster mitigation.



15 अक्टूबर 2024 को #सुरभी सोशल वेलफेयर सोसाइटी कांगू द्वारा साथी एनजीओ ज्वालामुखी कल्याण सोसायटी ने 'समर्थ' वार्षिक जन जागरूकता अभियान कार्यक्रम के तहत गौना करोर नोदान हमीरपुर हिमाचल प्रदेश में मिस्त्र मजदूर और बिल्डिंग ठेकेदार को आपदा प्रबंधन सुरक्षित निर्माण के विषय पर जागरूक किया गया



14 अक्टूबर 2024 को #सुरभी सोशल वेल्फेयर सोसाइटी कांगू द्वारा साथी एनजीओ ज्वालामुखी कल्याण सोसायटी ने 'समर्थ' वार्षिक जन जागरूकता अभियान कार्यक्रम के तहत प्राथमिक विद्यालय नौदान जिला हमीरपुर हिमाचल प्रदेश में स्कूल के छात्र और शिक्षकों को आपदा प्रबंधन विषय पर जागरूक किया गया इस अवसर पर संस्था के महासचिव श्री राकेश कटोच और विद्यालय के प्रधानाचार्य साहित शिक्षक उपस्थित रहे संस्था के महासचिव राकेश कटोच ने बताया कि आपदा प्रबंधन का मूल उद्देश्य एक आपदा जैसी परिस्थिति में समन्वित तरीके से तत्काल प्रतिक्रिया करना और आपदाओं के संभावित प्रभाव से लोगों और संपत्ति के नुकसान को कम करना है

सुजानपुर कालेज में आपदा प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम



मिनी संवाददाता-सुजानपुर

सुजानपुर कालेज में शिक्षण आपदा प्रबंधन विभाग की तरफ से आपदा प्रबंधन के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम कायाया गया। इस कार्यक्रम में जिला आपदा प्रबंधन विभाग के माध्यम से महविद्यालय के विद्यार्थियों को आपदा के समय व्यवहार, बचाव के उपाय और आपदाओं से निपटने के तरीके

टोणीदेवी-दिम्मी में समझाया आपदा प्रबंधन और सुरक्षित भवन निर्माण



राज रिपोर्टर-हमीरपुर

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के निर्देशानुसार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) हमीरपुर द्वारा इस वर्ष भी एक अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक डिजास्टर रिस्क रिडक्शन यानि आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर जागरूकता कार्यक्रम 'समर्थ-2024' के तहत कई गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इस पखवाड़े के दौरान जिले के सभी उपमंडलों में मौक ड्रिल्स और अन्य जागरूकता गतिविधियों के अलावा गीत-संगीत एवं नुकड़ नाटक के माध्यम से भी लोगों को आपदा से बचाव के प्रति जागरूक किया जाएगा। इसी कड़ी में मंगलवार को डीडीएमए ने टोणी देवी और गांव

हिमाचल भास्कर 06-10-2024

रूपाए झागत में ड्रामाटिक प्रीट फुलॉन रूलाए कि आकलनाए नड्रॉए

मसारा के कला इकाए गीत-संगीत-कला के माध्यम से जागरूकता के लिए कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से संबद्ध नटराज कला मंच के लोक कलाकारों ने गीत-संगीत और नुकड़ नाटक के माध्यम से लोगों को आपदा से बचाव, सुरक्षित भवन निर्माण और आपदा प्रबंधन के अन्य पहलुओं से अवगत कराया। सांस्कृतिक दल के अध्यक्ष राजीव बंसल और उनके साथी कलाकारों ने आपदा से बचाव के संबंध में कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। टोणी देवी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के प्रधानाचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी, उनके अभिभावक, स्थानीय पंचायत अत्याधिकृत तथा अन्य लोग भी उपस्थित थे।



केंद्र के कला इकाए गीत-संगीत-कला के माध्यम से जागरूकता के लिए कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से संबद्ध नटराज कला मंच के लोक कलाकारों ने गीत-संगीत और नुकड़ नाटक के माध्यम से लोगों को आपदा से बचाव के उपाय और सुरक्षित भवन निर्माण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षित भवन निर्माण, आपदाओं से सुरक्षा और परिवारिक आपातकालीन योजना से संबंधित जानबूझकर पाठ्य सामग्री भी वितरित की गई।

लंबलू और हमीरपुर में आपदा प्रबंधन पर किया जागरूक

जागरण संवाददाता, हमीरपुर : जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) हमीरपुर द्वारा एक अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक डिजास्टर रिस्क रिडक्शन यानि आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर आयोजित किए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम 'समर्थ-2024' के तहत बुधवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला लंबलू और हमीरपुर के अंतरराज्यीय बस अड्डे पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।



बुधवार सुबह लंबलू में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से संबद्ध नटराज कला मंच के लोक कलाकारों ने गीत-संगीत एवं नुकड़ नाटक के माध्यम से स्कूल के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अन्य स्थानीय लोगों को आपदा से बचाव के उपायों और सुरक्षित भवन निर्माण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षित भवन निर्माण, आपदाओं से सुरक्षा और परिवारिक आपातकालीन

बुधवार सुबह लंबलू में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से संबद्ध नटराज कला मंच के लोक कलाकारों ने गीत-संगीत एवं नुकड़ नाटक के माध्यम से स्कूल के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अन्य स्थानीय लोगों को आपदा से बचाव के उपायों और सुरक्षित भवन निर्माण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षित भवन निर्माण, आपदाओं से सुरक्षा और परिवारिक आपातकालीन

योजना से संबंधित पठनीय सामग्री भी वितरित की गई। इसी सांस्कृतिक दल के लोक कलाकारों ने बुधवार दोपहर बाद हमीरपुर के अंतरराज्यीय बस अड्डे पर भी लोगों को गीत-संगीत और नुकड़ नाटक के माध्यम से आपदा प्रबंधन और सुरक्षित भवन निर्माण की जानकारी दी।

भोटा व बड़सर में गीत-नाटक से बताए आपदा से बचाव के उपाय



सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से संबद्ध नटराज कला मंच के लोक कलाकारों ने गीत-संगीत एवं नुकड़ नाटक के माध्यम से लोगों को आपदा से बचाव के उपाय और सुरक्षित भवन निर्माण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षित भवन निर्माण, आपदाओं से सुरक्षा और परिवारिक आपातकालीन योजना से संबंधित जानबूझकर पाठ्य सामग्री भी वितरित की गई।



सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से संबद्ध नटराज कला मंच के लोक कलाकारों ने गीत-संगीत एवं नुकड़ नाटक के माध्यम से लोगों को आपदा से बचाव के उपाय और सुरक्षित भवन निर्माण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षित भवन निर्माण, आपदाओं से सुरक्षा और परिवारिक आपातकालीन योजना से संबंधित जानबूझकर पाठ्य सामग्री भी वितरित की गई।

जोल सप्पड़ और कक्कड़ स्कूल का मॉडल रहा अब्बल



कार्यालय संवाददाता - हमीरपुर

जिला स्तरीय सेफकस्ट्रक्शन मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन प्रारंभिक शिक्षा उपनिदेशक कार्यालय हमीरपुर में शनिवार को किया गया। मॉडल प्रतियोगिता में सभी शिक्षा खंडों से कुल 12 मॉडल सीनियर सेकेंडरी व हाई स्कूल वर्ग में प्रदर्शित किए गए। सीनियर सेकेंडरी वर्ग में जोल सप्पड़ स्कूल का छात्र कार्तिक प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला लंबलू

की छात्रा दिया कुमारी द्वितीय व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बिड़ड़ी का छात्र रिजुल कश्यप का मॉडल तृतीय स्थान पर रहा है। इसी तरह हाई स्कूल वर्ग में राजकीय उच्च पाठशाला कक्कड़ की छात्रा अंशिका कुमारी का मॉडल प्रथम स्थान पर रहा है। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में इंजीनियर संजय कटोच, फिजिक्स प्रबन्धक रश्मि ठाकुर, विज्ञान स्नातक संजीव कुमार व जिला विज्ञान पर्यवेक्षक राजेश गौतम उपस्थित रहे।

हिमाचल भास्कर 06-10-2024

भोरंज में 9 व 10 को होगी मॉकड्रिल, एसडीएम ने की तैयारियों की समीक्षा



भोरंज | आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) 15 अक्टूबर तक जागरूकता कार्यक्रम 'समर्थ-2024' के तहत कई गतिविधियां करवा रहा है। इसी कड़ी में 9 को मिनी सचिवालय भोरंज और 10 को आईटीआई भोरंज में मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। इन मॉक ड्रिल की तैयारियों के संबंध में शनिवार को यहां मिनी सचिवालय में आयोजित बैठक में एसडीएम राशिराम शर्मा ने उपमंडल के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे मॉकड्रिल के लिए अपने-अपने विभागों व कर्मचारियों के साथ आवश्यक संसाधनों को तैयार रखें। एसडीएम ने बताया कि मॉकड्रिल सुबह 11 बजे शुरू होगी और इस दौरान बचाव व राहत कार्यों का अभ्यास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की आपदा स्थिति से निपटने के लिए उपमंडल स्तर पर भी एक व्यवस्था तय की गई है व इसमें सभी विभागों की जिम्मेदारी पहले से ही निर्धारित की है। मॉकड्रिल के दौरान सभी विभाग निष्ठापूर्वक रूप से प्रोटोकॉल के अनुसार अपने-अपने कार्य को आपसी समन्वय के साथ अंजाम दें। एसडीएम ने बताया कि इन मॉक ड्रिल का सूर्योदय प्रहर और सूर्यास्त स्तर पर किया जा रहा है। इसलिए सभी विभाग इनमें पूरी तयारी एवं गंभीरता के साथ भाग लें तथा अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

हमीरपुर के सभी उपमंडलों व कालेजों में होगी मॉकड्रिल

सवेरा न्युज़/अक्षय

हमीरपुर, 20 सितंबर : हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) इस वर्ष भी एक अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक डिजास्टर रिस्क रिडक्शन यानि आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर जागरूकता कार्यक्रम 'समर्थ' के तहत कई गतिविधियां आयोजित करेगी।

उपायुक्त एवं डीडीएमए के अध्यक्ष अमरजीत सिंह ने इस दौरान बताया कि जिला के विभिन्न उपमंडलों और कालेजों में मॉकड्रिल्स भी करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि एक अक्टूबर को

■ एक से 15 अक्टूबर तक 'समर्थ' कार्यक्रम के तहत करवाई जाएगी मॉकड्रिल्स

तहसील कार्यालय परिसर बिड़ड़ी, 3 अक्टूबर को बीबीएन कालेज चकमोह, 4 को सिद्धार्थ राजकीय डिग्री कालेज नादौन, 5 को मिनो सचिवालय नादौन, 7 को मिनो सचिवालय सुजानपुर, 8 को डिग्री कालेज सुजानपुर, 9 को मिनो सचिवालय भोरंज, 10 को आईटीआई भोरंज और होटल प्रबंधन संस्थान हमीरपुर तथा 14 अक्टूबर को एसडीएम कार्यालय



परिसर हमीरपुर में मॉकड्रिल की जाएगी। उपायुक्त ने बताया कि इन मॉकड्रिल्स के दौरान होमगार्ड्स की दसवीं वाहिनी हमीरपुर और अग्निशमन विभाग के दल बचाव कार्यों का अभ्यास करेंगे। ये दल विद्यार्थियों और आम लोगों को आपात परिस्थितियों में बचाव एवं राहत कार्यों के प्रति जागरूक करेंगे। उपायुक्त ने सभी एसडीएम, होमगार्ड्स की दसवीं वाहिनी के कमांडेंट और सभी संबंधित कालेजों के प्रधानाचार्यों को मॉकड्रिल्स में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

Introduction

Samarth is a State Level Flagship Program of Government of Himachal Pradesh Department of Relief and Disaster Management which is celebrated every year in the month of October to commemorate the International Day for Disaster Risk Reduction. During this program various awareness and capacity building programs are organised throughout the State to enhance the capacity and awareness of communities for Disaster Risk Reduction.

The District Disaster Management Authority, Kangra is committed to prepare communities for Disaster Risk Reduction and hence the authority put dedicated efforts in organising following activities:-

- Dastak, a mass outreach and awareness campaign.
- School Level Competitions on Model Making on Safe Construction.
- Mock Drills
- Street Plays
- School level competitions on Poster Making and Slogan Writing
- Workshop of Inter Agency Group
- Training on School Safety for Disaster Risk Reduction

1. Dastak, a mass outreach and awareness campaign.

- The DDMA, Kangra organised a mass outreach program “Dastak”. The campaign was planned to reach 1.5 lakh households with a message on need of Safe Construction Practices for Disaster Risk Reduction. Various segments of Administration, Society and Organisations were involved in the campaign to ensure its success. District Rural Development Authority was the Nodal Agency for the program and all other departments such as Urban Development, Rural Development, Sub Divisions, Block Development Offices, NGOs, Degree Colleges, Aapda Mitras, Youth Volunteers etc. were the key stakeholders of the campaign. On 13th October, 2024 all stake holders organised teams at local level and reached around 1.5 lakh households with a message on Safe Construction. Some Glimpses of the program are as under:-



महाविद्यालय शाहपुर के छात्रों ने ग्रामीण समुदाय में जागरूकता फैलाने का कार्य किया ।



शाहपुर (कोहली) अंतर्राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस पर राजकीय महाविद्यालय शाहपुर के छात्रों ने 'घर-घर दस्तक, हर घर दस्तक' अभियान के तहत ग्रामीण समुदाय में जागरूकता फैलाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। अभियान का मुख्य उद्देश्य 'सुरक्षित निर्माण, सुरक्षित समाज' की सोच को बढ़ावा देना था। छात्रों ने गांव के 300 घरों में जाकर सुरक्षित निर्माण के बारे में जानकारी देते हुए पैम्पलेट वितरित किए। इस अभियान के माध्यम से लगभग 450 ग्रामीण आपदा प्रबंधन और सुरक्षित भवन निर्माण के महत्व के प्रति जागरूक हुए। पैम्पलेट्स में भूकंप और अन्य आपदाओं से बचाव के लिए सुरक्षित निर्माण और आपदा प्रबंधन के उपायों का वर्णन किया गया था। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए, छात्रों ने इस बात पर जोर दिया कि भूकंप जान नहीं लेते, बल्कि कमजोर और असुरक्षित इमारतें जान लेती हैं। इस अभियान के माध्यम से समुदाय में सुरक्षित निर्माण की आवश्यकता और आपदा-रोधी संरचनाओं के महत्व को समझाया गया, जिससे भविष्य में होने वाली क्षति को कम करने पर बल दिया गया।



2. School Level Competition on Safe Construction

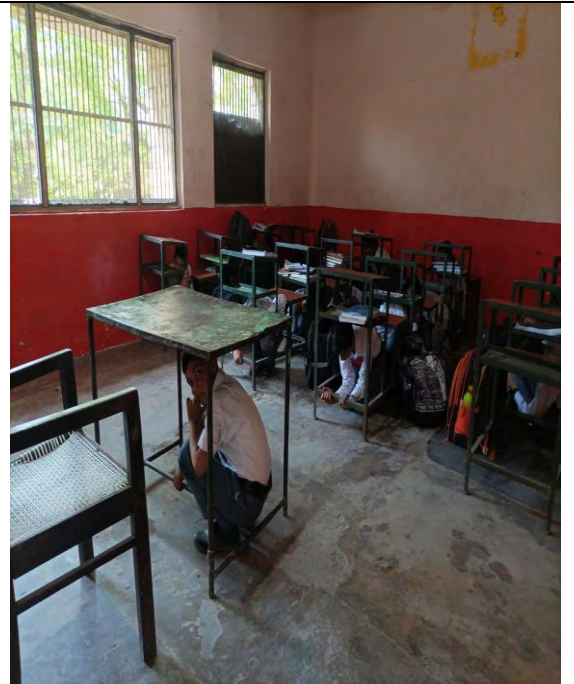
➤ The SDMA, Himachal Pradesh scheduled a State Level competition on Model Making on Safe Construction. To make the program a success the DDMA, Kangra in coordination with the Education Department organised block level competitions. The top entries of the block level competition participated at the District Level competition and the winner of the District Level Competition were nominated for the State Level Competition.

The team of District Kangra stood Third at the State Level Competition.

Some Glimpses if program are as under:-



3. **Mock Drills:** - Mock Drills were organised in all schools and government institutions of the district on 13th & 14th October, 2024. All the schools and departments actively participated in the exercise. The glimpses of the same are as under:-



4. Street Plays: - 28 Street plays, 2 in each sub divisions of the district were conducted by DDMA Kangra. The plays were conducted at places ensuring ample gathering. The glimpses of the same are as under:-



5. School level competitions on Poster Making and Slogan Writing:-The DDMA Kangra organised school level competitions on Poster Making and Slogan Writing in the district.



6. Workshop of Inter Agency Group:- 30 colleges and NGO'S working in the district participated in the workshop. Matters related to the maximum

outreach to the community were discussed in the workshop. Glimpses of the same are as under:-



7. Training on School Safety for Disaster Risk Reduction:-5 day training program on School Safety for Disaster Risk Reduction was organised by

DDMA Kangra. Education Department, Colleges, AAPDA Mitra,s participated in the training program. Glimpses of the same are us under:-





International Day on Disaster Risk reduction (IDDRR): Samarth 2024(14th Edition) being prepared by District Disaster Management Authority (DDMA Kinnaur)

1. Activities conducted by District Disaster Management Authority (DDMA Kinnaur) :

Nukkad Natak for Awareness on Safe Construction Practices

DDMA Kinnaur, in collaboration with the District Public Relations Officer (DPRO), has organized a series of Nukkad Natak (street plays) across all sub-divisions of District Kinnaur. These performances aim to raise awareness within the community about the importance of safe construction practices.

In addition, Gram Panchayats from nearby areas have also been invited to participate in these events to enhance community sensitization. The initiative seeks to engage local residents through an interactive and culturally relevant medium, highlighting the need for safety and quality in construction to reduce risks and ensure long-term resilience.





Mock Drills and Basic Medical Training Organized by DDMA Kinnaur

DDMA Kinnaur, in collaboration with the **Government Degree College Kinnaur**, recently organized a series of **Mock Drills** to simulate various emergency scenarios, including **landslides, flash floods, earthquakes, and fire hazards**. These drills were designed to enhance preparedness and response capabilities among students and college staff.

In addition to the mock drills, **basic medical training** was also provided to both students and college faculty. This comprehensive training aimed to equip participants with essential life-saving skills and first-aid knowledge to respond effectively during emergencies.





District-Level Quiz, Declamation, and Painting Competitions Organized by DDMA Kinnaur

In a collaborative effort with the **Department of Higher Education**, DDMA Kinnaur recently organized a series of **district-level competitions**, including a **quiz**, **declamation**, and **painting contest**. These events were designed not only to promote creativity and intellectual engagement but also to raise awareness about disaster preparedness and safety in the region.

The **quiz competition** tested students' knowledge on various aspects of disaster management, environmental hazards, and safety protocols, encouraging them to think critically about the challenges posed by natural disasters such as earthquakes, floods, and landslides.



The **declamation competition** provided a platform for students to express their views on the importance of disaster resilience, safe construction practices, and community preparedness. Through speeches, participants showcased their understanding of the urgent need for proactive measures in dealing with natural disasters and their impact on communities.



Additionally, the **painting competition** encouraged students to express their creativity while illustrating the themes of disaster awareness and safety measures. The artwork displayed the students' imaginative responses to the challenges posed by natural hazards and their visions for a safer, more resilient community.



A number of **schools from across the district** actively participated in these competitions, with students showcasing their talents and knowledge. The events provided a valuable opportunity for students, teachers, and the broader community to engage in important discussions on disaster management and safety

Through these activities, DDMA Kinnaur aimed to build a stronger foundation of awareness, preparedness, and resilience among the youth, while fostering a sense of responsibility for the safety and well-being of their communities.

- **EC activities:** Education department was directed to conduct regular awareness campaigns among school children featuring posters, leaflets and interactive displays that educate students on various types of disasters along with safety measures. DDMA Kinnaur has distributed age-appropriate awareness material among education department viz. booklets, manuals, posters etc.
- **Mock Drills:** DDMA Kinnaur in coordination with Home Guard 1st BN along with health department has organized mock drills in Eklavya model residential school







**The Office of Deputy Commissioner-cum-Chairman
District Disaster Management Authority, Kullu.**
Phone No.:-01902-225633, 1077, Email id:-ddma-kul-hp@nic.in

Report on Activities Conducted by DDMA Kullu during SAMARTH - 2024

In October 2024, the District Disaster Management Authority (DDMA) Kullu undertook a series of activities designed to promote safety awareness. Among the highlights were the Dusshera Exhibition, a collaborative Jhanki focused on safe construction awareness, a Safe Construction Competition, and a Photography Competition. These initiatives aimed to engage the community and educate participants on crucial safety practices.

1. Dusshera Exhibition

- **Duration:** October 13-19, 2024
- **Location:** Dusshera Exhibition Ground, Kullu

Details:

The Dusshera Exhibition was a vibrant seven-day event that took place in conjunction with the festival. DDMA set up a stall in collaboration with the **State Disaster Response Force (SDRF)** and **AapdaMitra** volunteers. The stall served as an information hub, providing attendees with vital knowledge about disaster management and safety protocols. It not only attracted local residents but also engaged visitors from surrounding areas, fostering a sense of



community around the importance of preparedness.

During this period, the **Hon'ble Governor of Himachal Pradesh** visited the Dusshera exhibition, taking the time to explore the various displays and engage with participants, highlighting his support and interest in Disaster Management



and community involvement.

The **AapdaMitra** played a significant role throughout the Dusshera events, including the exhibition and the nukkadnatak performances. These trained volunteers are specially selected to assist during disasters, providing invaluable support and guidance in times of need. Their involvement not only enhanced the effectiveness of the activities but also fostered a sense of trust and reliability within the community. By sharing their expertise and experiences, AapdaMitra helped educate attendees on preparedness and safety measures, reinforcing the importance of community resilience in the face of potential disasters.

अंतरराष्ट्रीय दशहरा में आपदा मित्र देंगे सेवाएं

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के स्टाल पर पुलिस के साथ स्वयंसेवी के तौर पर निभाएंगे जिम्मेदारी

स्टाफ रिपोर्टर-मुंतर

आपदाओं के दौरान अपनी सेवाएं देने वाले आपदा मित्र अंतरराष्ट्रीय कुल्लु दशहरा उत्सव के दौरान सेवाएं देंगे। दशहरा उत्सव के दौरान आपदाओं के खतरों को कम करने की तकनीकों इनसे लोग सीखेंगे। पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर उत्सव के दौरान व्यवस्था बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। जिला आपदा प्रबंधन ने उन आपदा मित्रों की सूची को फाइनल करना तेज कर दिया है जो उत्सव के दौरान अपनी भूमिका निभाएंगे। दशहरा उत्सव को लेकर अब 12 दिनों का समय बचा है और उत्सव के लिए तैयारियां तेज हो गई हैं।

एक ओर जिला प्रशासन व दशहरा उत्सव समिति सभी प्रकार के इंतजामों को पूरा कर रही है। वहीं, जिला के देवी-देवताओं के दरबारों में भी दशहरा कूच करने के लिए प्रबंध करने में कारकून जुटे हैं। उत्सव के दौरान जिन भी एजेंसियों के स्टाल लगने हैं, उनकी भी तैयारियां तेज हो गई हैं। हर साल उत्सव के दौरान विभिन्न विभागों की प्रदर्शनियां लगती हैं। इसमें विभागों द्वारा लोगों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी लोगों को मिलती है तो साथ ही विभिन्न उत्पादों को भी प्रदर्शित किया जाता है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा उत्सव के दौरान इस बार भी विशेष स्टाल

प्रशासन ने मांगी आपदा मित्र की सूची

डीडीएमए के समन्वयक प्रशांत कुमार के अनुसार स्टाल एसडीआरएफ के सहयोग से लगाया जा रहा है। इसमें एसडीआरएफ की टीम आपदा के दौरान उपयोग होने वाले उपकरणों व तकनीकों का प्रदर्शन करेगा। डीडीएमए द्वारा आपदा के दौरान किए गए प्रयासों को लोगों को बताया जाएगा। साथ ही आपदा मित्र व जिला इंटर एजेंसी समूह के स्वयंसेवकों द्वारा भी इसमें हिस्सेदारी निभाई जाएगी। जिला पुलिस प्रशासन ने भी दशहरा उत्सव के दौरान विभिन्न प्रकार की व्यवस्था बनाने में सहयोग हेतु आपदा मित्रों की सेवाएं मांगी हैं। इसके लिए भी सूची मांगी गई है। उनके अनुसार हाल ही में इस बारे में एक वचुअल बैठक का भी आयोजन किया था और इसमें भी सभी आपदा मित्रों को इसके बारे में जानकारी दी गई है। उन्होंने बताया कि आपदा मित्र विभिन्न गतिविधियों में अपनी भूमिका निभा रहे हैं और दशहरा में भी इनकी भूमिका अहम रहेगी।

लगेगा जिसमें एसडीआरएफ के जवान व आपदा मित्र लोगों को दिप्स देते नजर आएंगे तो जिला

आपदा के दौरान किए गए सरकार और स्वयंसेवकों के प्रयासों को भी लोग जानेंगे।

स्कूलों के मददगार बन रहे आपदा मित्र

आपदा मित्रों की मदद स्कूल सुरक्षा योजना का डाटा स्कूल सैफ्टी ऐप पर अपलोड करने में भी ली जा रही है। इसके बारे में इन्हें प्रशिक्षित किया जा रहा है और विभिन्न स्कूलों में जाकर यह अपनी सेवाओं को दे रहे हैं। बता दें कि आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सभी स्कूलों को स्कूल की सुरक्षा योजना से संबंधित सभी प्रकार का डाटा ऐप में अपलोड करने को कहा है ताकि आपदा स्थिति में स्कूल बचाव बेहतर तरीके से हो सके।

2. Jhanki on Safe Construction Awareness

- **Date:** October 19, 2024 (Last Day of Dusshera)
- **Collaborators:** Tata Steel and SDRF

Details:

On the final day of Dusshera, DDMA participated in a Jhanki (tableau) aimed at raising awareness about safe construction practices. This event featured contributions from various teams, showcasing the collaborative spirit of the community. The jhanki vividly illustrated the significance of construction safety, particularly in the face of natural disasters. By creatively presenting these messages, the event effectively captured the attention of festival-goers and encouraged discussions about safety in building practices.





3. NukkadNatak on the theme of Safe Construction

- **Dates:** Throughout October 2024
- **Locations:** Various places across the district



Details: To further emphasize the importance of safe construction, DDMA organized a series of street plays, known as nukkadnatak, which were performed in various locations including Kullu Dusshera, Sainj Bus Stand, Banjar Bus Stand, and several other areas throughout the Kullu district.



These performances featured local artists and community members who creatively conveyed critical messages about the dangers of unsafe building

practices. Each play was carefully crafted to highlight real-life scenarios, demonstrating how negligence in construction can lead to accidents and disasters. The stories presented in these street plays resonated with the audience, making the subject matter relatable and impactful.

The performances were designed not only to entertain but also to educate. Engaging storytelling techniques, humor, and dramatic elements were employed to capture the attention of the audience. Discussions followed each performance, allowing community members to share their thoughts and experiences regarding construction safety.

By performing at popular locations and during community events, such as the Dusshera festival, the nukkadnatak reached a wide audience, fostering an atmosphere of learning and awareness. Participants reported that the plays



significantly improved ***NukkakNatak (Banjar Bus Stand)*** their understanding of safe construction practices, encouraging them to prioritize safety in their own building projects. This initiative effectively contributed to the overall goal of promoting safety awareness in the community.



सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बताए गए भूकंप से बचाव के तरीके

सैंज, (आपक फैसला)। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा सैंज में



नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आपदा वचाव के टिप्स सैंज वासियों को दिए। सैंज में नुक्कड़ नाटक से आपदा प्रबंधन बारे जागरूक आपदा प्राधिकरण द्वारा आजकल आपदा न्यूनीकरण को लेकर गांव-गांव में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा अनुमोदित गीत संगीत कला मंच बजार ने बस अड्डा सैंज और टैक्सी स्टैंड में अनुष्का कला मंच नगवाई ने नुक्कड़ नाटक व गीत संगीत से लोगों का भरपूर मनोरंजन करते हुए बताएं कि आपदा को रोकना तो नहीं जा सकता परंतु उससे होने वाली हानि को कम किया जा सकता है। हमें प्रकृति आपदा भूकंप से बचने के लिए पहले तैयारी करनी चाहिए और बताया कि घर बनाने समय स्थान का चयन भी सोच समझकर करें। नदी नालों के नजदीक घर ना बनाएं और घरों को भूकंप रोधी तकनीक से बनाएं मानव जनित आपदा जैसे आगाजनी और दुर्घटनाओं को भी समझ बुझ से कम किया जा सकता है जिसमें गीत संगीत कला मंच के कलाकार रमेश कुमार बीएस राणा तिल सोनी देवी सिंह देव रीना देवी नरेंद्र मेहता अनीता भारती आदि ने भाग लिया।

4. Safe Construction Competition

Details:

The Safe Construction Competition invited students from different educational levels, including middle school, high school, senior secondary, and college, to showcase their knowledge of safe construction practices. Each category had first second and third prizes awarded to the top entries, encouraging participants to demonstrate their innovative and sustainable methods. Judging criteria included creativity, feasibility, and adherence to safety standards.



Outcome:

The competition attracted strong participation across all categories, with numerous innovative entries. Students expressed newfound insights into the importance of safety in construction, indicating that the competition successfully met its educational objectives and inspired a commitment to

मॉडल में बजौरा स्कूल रहा प्रथम

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सुरक्षित निर्माण अभ्यास पर कर्वाई प्रतियोगिता

संवाद न्यूज एजेंसी

कुल्लू। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने जिलास्तर पर सुरक्षित निर्माण अभ्यास मॉडल प्रतियोगिता कुल्लू में कर्वाई। उपयुक्त तोरुल एस रवीश ने प्रदर्शनी का दौरा किया और सुरक्षित निर्माण प्रथाओं से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण कुल्लू की ओर से कर्वाई गई मॉडल प्रतियोगिता में खंड स्तर पर प्रथम रहने वालों ने जिला स्तर पर अपने मॉडल प्रदर्शित किए। प्रतियोगिता में वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर श्रेणी में राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल बजौरा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। हिमालयन मॉडल सोनियर सेकेडरी

राष्ट्रीय कुराश स्पर्धा में भाग लेंगे 13 खिलाड़ी

भुंवर (कुल्लू)। जिला कोमड़ा के नूपुर में 12वीं राष्ट्रीय कनिष्ठ वर्ग की कुराश स्पर्धा कर्वाई जा रही है। इसमें कुल्लू जिले के 13 खिलाड़ी भाग लेंगे। यह स्पर्धा एक से तीन अक्तूबर तक होगी।

खिलाड़ी सोमवार को नूपुर के लिए रवाना हुए हैं। जिला कुल्लू कुराश संघ के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार ने बताया कि स्पर्धा में कुल्लू से 13 और हिमाचल के कुल 90 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। बजौरा स्कूल से स्नेहा बिष्ट, तीपारती, रीना राणा, आरती, लोकेश, कागद, जोतेंद, हरिओम, भुंवर स्कूल से स्नेहा कुमारी, कुल्लू कालेज से सोनल, वरुण, एसबीएम स्कूल बजौरा से नवीन, कटराई स्कूल से मानस्य नेगी और दिवार विद्यालय से श्रुति गौतम स्पर्धा में दमखम दिखाएंगे। संवाद

स्कूल आनी ने द्वितीय स्थान और भारत-भारती सोनियर सेकेडरी स्कूल कुल्लू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

उच्च विद्यालय स्तर श्रेणी में राजकीय उच्च पाठशाला ब्यादल ने प्रथम, भारत भारती सोनियर सेकेडरी स्कूल, कुल्लू ने

द्वितीय और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल नुमर ने तृतीय स्थान हासिल किया। जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इस दौरान शैलजा, वर्षा आदि मौजूद रहे।

safe building practices.

5. Photography Competition

• Platform: Instagram (Kullu Dusshera Handle)

Details:

The photography competition featured three engaging themes, each designed to capture the essence of Kullu and its surroundings:

1. **Kullu:** Environmental Awareness and Disaster Preparedness.
2. **Dusshera:** Capturing the vibrancy and spirit of the festival.
3. **Scenic Beauty of Kullu:** Showcasing the breathtaking landscapes of the Kullu Valley.
4. **Rich Culture of Kullu:** Highlighting the unique traditions and heritage of the region.

In addition to promoting local culture and traditions, the competition aimed to foster a sense of environmental awareness and disaster preparedness. By highlighting the region's natural beauty, the initiative also raised awareness about the environmental challenges the region faces, including the increasing risks of natural disasters like floods and landslides. The competition encouraged participants to reflect on both the cultural and environmental significance of Kullu, inspiring a deeper connection to the land and a greater sense of responsibility towards its preservation and safety.

Outcome:

The competition attracted a diverse range of participants, showcasing the artistic talents of local photographers. Winners were announced on October 30, 2024, and received cash prizes along with recognition on social media, further encouraging community engagement and appreciation for local artistry.

Conclusion:

The activities conducted by DDMA Kullu in October 2024 not only focused on promoting safety awareness but also celebrated the vibrant culture and community spirit of the region. Through a combination of exhibitions, performances, and competitions, DDMA successfully engaged residents and encouraged them to think critically about safety in construction practices.

The collaborative efforts during the “**Jhanki**” and the enthusiastic participation in the competitions highlighted the community's commitment to building a safer environment. Participants, especially the youth, gained valuable insights into the importance of safe construction, which will resonate in their future endeavors as builders and citizens.

As we move forward, the impact of these initiatives will likely extend beyond October, encouraging ongoing conversations about safety and community involvement. The successful integration of education and culture through these activities serves as a powerful reminder of the role that collective action plays in fostering a safe and vibrant community.

Report on Activities Conducted by Rural Development & Panchayati Raj Department

Subject: Awareness Programs on Safe Construction Practices

Introduction:

The Rural Development and Panchayati Raj Department conducted a series of

awareness programs across various Gram Panchayats (GP) in the Kullu district during the Gram Sabha's on 02nd October 2024, focusing on safe construction practices. These programs aimed to educate and empower local communities on the importance of building structures that are resilient to natural disasters and are constructed using safe, sustainable methods.

Objective:

The primary goal of these awareness programs was to ensure that local communities are equipped with knowledge about safe construction techniques, which are crucial for minimizing the risks associated with natural disasters, such as landslides, floods, and earthquakes, that are common in hilly regions like Kullu. Additionally, the programs aimed to promote the use of locally available materials and eco-friendly construction practices.

Gram Panchayats in Kullu District Where Awareness Programs on Safe Construction Were Conducted

1. GP Pangan, Development Block Naggar



2. GP Jaban, Development Block Anni



3. GP Manikaran, Development Block Bhunter



4. GP Badidhar, Development Block Banjar



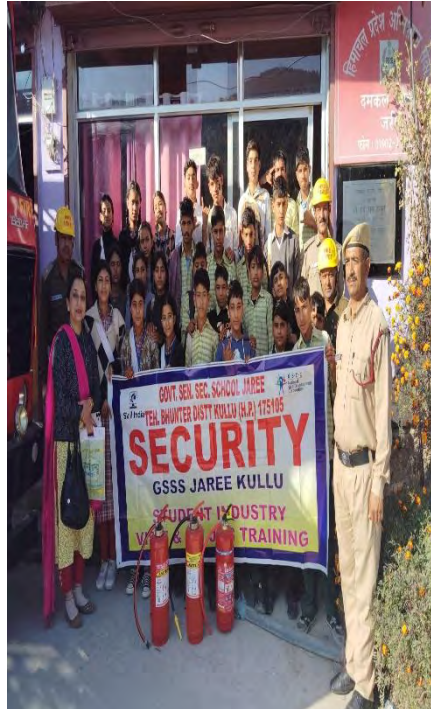
Outcomes and Impact:

- **Increased Awareness:** The programs successfully raised awareness about the importance of safe construction practices. Many participants expressed a newfound understanding of how vulnerable their homes were to natural disasters and were eager to adopt safer building methods.
- **Community Engagement:** Local residents actively participated in discussions and demonstrated a high level of interest in adopting safe construction practices. Many attendees pledged to implement the techniques learned in their upcoming construction projects.

Fire Safety Mock Drills Conducted by Fire Department Kullu:

1. **Date: 4th October 2024 - GSSS Jaree, Kullu**

The fire department conducted a mock drill to raise awareness about fire safety and mitigation strategies. Students and teachers were provided with crucial information on how to respond during a fire emergency, including evacuation procedures, safe assembly points, and the use of fire extinguishers. This initiative aimed at enhancing the safety preparedness of the school community.



Date: 10thOctober 2024 - Dusshera Ground, Dhalpur Kullu

Participants: 500 people

- **Objective:** A large-scale fire safety training session was held at Dusshera Ground, where approximately 500 local residents received essential fire safety awareness. The focus was on educating the public about fire prevention techniques, emergency protocols, and proper evacuation measures in public spaces. The drill



also emphasized community cooperation during fire emergencies.

Mock Drill at Kullu-Manali Airport, Bhunter, Kullu

Date: 24th October 2024

- **Participants:** 100 male and 60 female individuals
- **Objective:** A specialized fire safety training session was conducted at the Bhunter Airport, with approx. 160 participants (100 male and 60 female). The training provided in-depth knowledge about fire safety in an aviation environment, including how to handle emergencies on the runway and within the terminal. Participants were also educated on fire prevention equipment, emergency exits, and crowd control during an evacuation.



**REPORT ON
CELEBRATION OF
“SAMARTH 2024”
STATE LEVEL
AWARENESS AND
CAPACITY
BUILDING
CAMPAIGN ON
DISASTER RISK**

❖ SAMARTH

As a symbol of solidarity with the global efforts to observe the celebration related to the International Day for Disaster Reduction, the District Disaster Management Authority organises an annual mass awareness campaign on disaster risk reduction “SAMARTH” to promote a global culture of disaster reduction, including disaster prevention, mitigation and preparedness. This campaign is carried out at the district and community level. A variety of events and activities were organised from 03rd October to 25th October 2024.

During this period, the DDMA launched an awareness drive using print media, electronic media, social media and alternative media like Nukkad natak. Moreover, Awareness rally and Mini marathons and sensitisation workshops on subjects like Safe construction, child protection and child rights, School Safety and Hospital safety were also organised in the district. In order to achieve the objectives of SAMARTH-2024, the District Disaster Management Authority tried to involve all Government Departments, Media houses, Educational institutions, NGOs and CBOs to participate pro-actively in the campaign and contribute effectively to the process of making Lahaul and Spiti a district resilient to disasters.

Objective:

❖ **Activities of SAMARTH 2024**

1. Activities at Gram Sabha/Gram Panchayat level:

On 11th October 2024 a meeting at Gram Sabha/Gram Panchayat level was conducted with the help of DDMA, DRDA, DPO and BDO in all the panchayats of district Lahaul and Spiti. This meeting was attended by the panchayat members, local residents as well as the local level functionaries of the line departments. The main objective of the meeting was to promote dialogue on local concerns related to disaster Management with the main focus on Safe construction practices. In the meeting the Panchayat secretaries along with the line staff discussed the following points:

- a) The vulnerability profile of the respected District and panchayats, their impact and measures and strategies to manage Disaster situations.
- b) The responsibilities of the panchayats as per the guidelines of Section 41 of Disaster Management Act 2005.

- c) The houses should be constructed keeping in mind the safety parameters for its residents.
- d) The people should construct their houses following the BIS Building Codes.
- e) The construction workers should be trained in safe construction practices.
- f) Advocacy of Earthquake resistant construction.
- g) Traditional construction practices and knowledge should be encouraged.
- h) MANREGA and other funds provided to the panchayats should be utilized to mitigate the potential hazards and disasters like landslides, avalanches, fire, earthquake etc.
- i) Training of local population to cope with natural disasters.

Glimpses of panchayat meetings held in different Panchyats in the district-



2. Nukkad Natak:

DDMA in coordination with Information and Public Relation Department conducted Nukkad natak at various locations within the district. The Nukkad natak were performed by the group members of Mannat Kala Manch, Kullu from 03rd October to 05th October 2024 at the following locations.

a) Village Lossar, Hansa, Hull:

On 03rd October 2024 11:00 AM Nukkad natak was conducted at Village Lossar, Hansa School and Hull around 40-50 Students, local residents and representatives were also present.



b) Jawahar Navodaya Vidyalaya School Lari, Tabo, Poh & Shichiling

On 04th October 2024 11:00 AM Nukkad Natak was organised in the Jawahar Navodaya Vidyalaya School Lari, Village Tabo, Poh & Shichiling Villgearound 100 Students, local residents and representatives were also present.



c) Village Kaza, Kibber and Rangrik

On 05th October 2024 11AM: The Nukkad Natak was organised at the different Schools where around 60 Students, local residents and representatives were also present.



3. One-day Awareness Workshop on Safe Construction Practice on dated 11-10-2024 at DC Conference hall Keylong and ADC Office Kaza.

This year's Samarth-2024 theme focuses on "Safe Construction Practices" in the State. The District Disaster Management Authority Lahaul and Spiti tried to assess the practices followed in the vulnerable areas of the district while constructing houses or any type of buildings so as to avoid damage at the time of a disaster. Through the different activities and workshops, the DDMA L&S promoted the Safer building procedures to minimize the vulnerabilities and risks in many areas.

In this regard, One-Day Awareness Workshop on "Safe Construction Practices", was conducted on 11th October 2024 at DC Office Conference Hall at Keylong and Additional Deputy Commissioner office Kaza (Connected through VC). It was chaired by the Deputy Commissioner Lahaul and Spiti and opening speech was presented the Guest of Honour Sh. DC Rana, Special Secretary Revenue –DM to the Government of H.P. Dr. Hemant Kumar Vinayak, Associate Professor, Civil Engineering Department, NIT Hamirpur having great contributions on the subject, with reference to the field of Disaster Management was great resource for the conduct of One day Awareness Workshop on Safe Construction Practices. All the Executive Engineers, SDOs, JE and Technical rank officials from various Departments attended the Awareness Workshop.



Attendance Sheet of One-day Awareness Workshop on Safe Construction Practice on dated 11-10-2024 at DC Conference hall Keylong.

Regarding conducted on work shop on safe construction practices on dated 11/10/2024

Srno	Name	Designation	Dept.	Contact No	Sign
1	Dr. Sanjay Bhat	Asst JSV Keylong	JSV Keylong	891782499	[Signature]
2	Durjo Singh	O.E.	PWD Keylong	9459325803	[Signature]
3	Rajesh Kumar	Asst	PWD Keylong	8928060436	[Signature]
4	Tanvi Bajaj	JE	PWD Keylong	6280389830	[Signature]
5	Anjali Devi	AE	JSV Keylong	9882733421	[Signature]
6	VIJAYKUMAR	Tech. Asst	BDO Keylong	9459992819	[Signature]
7	Dheer Singh	Tech Asst	P.D.O. Keylong	9459959861	[Signature]
8	Raj Kumar	Tech Asst	BDO Keylong	9418845374	[Signature]
9	Urmila Devi	Tech Asst	BDO Keylong	9650835366	[Signature]
10	Surender Chaurasiya	JE	BDO Keylong	8219031900	[Signature]
11	Kuldeep	TA	BDO Keylong	9459013820	[Signature]
12	Sudeshan	JE	BDO Keylong	8580820946	[Signature]
13	Akshay Praptha	AE	HPPWD Udairpur	9817149776	[Signature]
14	Vivek Kumar	JE (Mech)	HPPWD Kargil	7807884151	[Signature]
15	Rajinder Malhotra	JE JSV	JSV Udairpur	9015158971	[Signature]
16	Kalpana C.	Doc.	DDMA	9418426004	[Signature]
17	Prakash Chandel	Supervisor	DEOC	9418844586	[Signature]
18	Urmila Devi	DEO	DEOC	9459784556	[Signature]
19					

4. One-day Awareness Workshop on Child Protection & Child Rights in Disasters. on dated 22-10-2024 at DC office Conference Hall Keylong.

DDMA Lahaul & Spiti conducted a One Day Awareness Workshop on **Child Protection and Child Rights**, on 7th October 2024 at DC Conference hall at Keylong under the Chairmanship of Sh. Rahul Kumar, Deputy Commissioner Lahaul and Spiti District. Sh Naveen Shukla, Assistant Manager, Bal Raksha Bharat was invited as resource person for the conduct of the Workshop.

All the field functionaries and the subject matter specialists from the Health, BDOs and CDPOs department attended the Awareness Workshop



Regarding Workshops on Child Protection & Child Rights in Disasters on dated: 22-10-2024

Sr. No	Name	Designation	Dept	Contact No.	Signature
1	Dr. Anurupa	DCPE	WCD	92377-17231	[Signature]
2	Khandade	CPM	W.D	7816711919	[Signature]
3	Nivedita	Manager	PRE	9102996384	[Signature]
4	M. T. BATE	Manager	BRB	7060026320	[Signature]
5	Sunil Diner	Par. In-charge	BARA	8219020466	[Signature]
6	Minkishi Kamal	LFO	DCPU	8988229954	[Signature]
7	Nayab Khatun	Secretary	CHL	8580553424	[Signature]
8	Shiraz	Secretary	CHL	8091758360	[Signature]
9	Lalram Rom	Deputy Director	Disaster	94186-95780	[Signature]
10	Dipak Soid	Block Development Officer	CDPO	86870-70459	[Signature]
11	ARCHANA	Specialist	CDPO	8219237322	[Signature]
12	[Name]	[Designation]	A.W.W.	7876428318	[Signature]
13	[Name]	A.W.W.	A.W.W.	7876428318	[Signature]
14	Pavani Kumar	FO.NIC	DCPU	70181-84081	[Signature]
15	Kishor Lal	Accountant	DCPU	7876428318	[Signature]
16	[Name]	Coordinator	CHL	8091561563	[Signature]
17	[Name]	ASO/JS	WCD	7018303782	[Signature]
18	Dr. Rajkumar	DP-O	HEALTH	8910544940	[Signature]
19	Dr. M.K. Gaud	D.P.O.	HEALTH	9882142859	[Signature]
20	Dr. Rakesh	MDO	HEALTH	7419183657	[Signature]
21	MEENADEVI	A.W.W.	Barsoil	94599-91331	[Signature]
22	[Name]	A.W.W.	Kardang	7876461165	[Signature]
23	[Name]	A.W.W.	Upper Keylong	9418318797	[Signature]
24	Decker Chhina	A.L.A.I.D	L. Keylong	7876476849	[Signature]

Attendance sheet of One-day Awareness Workshop on Child Protection & Child Rights in Disasters. on dated 22-10-2024 at DC office Conference Hall Keylong.

No	Name	Designation	Contact NO	Dept	Signature
26	Soni Lata	A.W.W	9118347133	A.W.W. S/Ssu	<i>[Signature]</i>
27	Kamala	A.W.W	9418972514	Gandhara	<i>[Signature]</i>
28	Jenam Yandani	A.W.W	9418429750	Kolony	<i>[Signature]</i>
29	Chudli Devi	CHL	94154-38834	Kepala Kotyeni	<i>[Signature]</i>
30	Yandani	CHL Supervisor	787665770	CHL	<i>[Signature]</i>
31	Jegath	CHL A.W.W	9415183990	DCPU	<i>[Signature]</i>
32	Tanjuni Dehanna	A.W.W	787666789	Murugan	<i>[Signature]</i>
33	Pushpa Devi	A.W.W	3219474790	A.W.C. Khatyeni	<i>[Signature]</i>
34	Tharvan	Police Constable	901510140	Police Station	<i>[Signature]</i>
35	A.S. Ravi Duro	ASI	9418712543	P.S. Keylong	<i>[Signature]</i>
36	Archana	DEO (D.M.A)	9419450779	DDM.A	<i>[Signature]</i>
37	Urvashi	DEO (D.M.A)	9459726408	DDM.A	<i>[Signature]</i>

5. One-day Awareness Workshop on Hospital Safety. on dated 23-10-2024 at RH Keylong.

Hospitals are critical infrastructure that have a very important role in any post-disaster scenario and have to remain fully functional after a catastrophic event. For this, it is not enough that the hospital building is strong enough to withstand the effects of an earthquake, but all the critical equipment and services in the building have also to remain secure and running to operate at over 300% of its design capacity to serve the dependent community after any disaster like earthquake, flood, major fire, landslides, terror attacks, etc. There is a need of higher level of preparedness to manage the incoming patients and provide them with life-saving care.

In this regard, to generate awareness amongst the various Officials/Officers of the Department of Health, District Disaster Management Authority (DDMA) Lahaul & Spiti conducted a One Day Awareness Workshop on **Hospital Safety “Safe Hospitals in Emergencies and Disasters”** on 24th October 2024 at Regional Hospital, Keylong, Lahaul and Spiti.

Sh Naveen Shukla, Assistant Manager, Bal Raksha Bharat was invited as resource person for the conduct of the Workshop. All the Administrative staff, Doctors, Paramedic, Nursing and other Technical Staff of regional and civil



hospital in Subdivision Lahaul attended the Workshop.



Attendance sheet

Workshop on Hospital Safety. on dated 23-10-2024 at RH Keylong.

of One-day Awareness

Regarding Workshop on Hospital Safety "Safe Hospitals in Emergencies and Disasters" on dated 23-10-2021

Sr. No.	Name	Designation	Dept.	Contact No.	Signature
1	Dr. Gulab Singh	Distt Commr	NHM	981642354	[Signature]
2	Dr. Vijeta	MO Dental	Dental	8988183473	[Signature]
3	Calvin Datta	Medical Asstt	IPD	7112870125	[Signature]
4	Chhiring Dolma	Staff Nurse	IPD	9876286465	[Signature]
5	Wibha Thakur	Staff Nurse	IPD	9021127857	[Signature]
6	Amita Singh	Staff Nurse	IPD	9459994933	[Signature]
7	Dr. Pooja Singh	MO PHC	Health	9159279222	[Signature]
8	Dr. Tarun Singh	MO PHC	Health	829004876	[Signature]
9	Dr. Annu Verma	MO PHC	Health	7015356269	[Signature]
10	Dr. Shweta Chauhan	MO PHC	Health	707062067	[Signature]
11	Geeta Devi	DEO PHC	NHM	9459875194	[Signature]
12	Poonam	DEO PHC	NHM	9459848505	[Signature]
13	Deena Devi	DEO PHC	Health	8580445825	[Signature]
14	Dr. Vikas Singh	DMO	Dental Health	9419027110	[Signature]
15	Saba Ram	MHS	Health & MCH	9459782924	[Signature]
16	Dr. Tushar	MO Surgery	Health	8894644191	[Signature]
17	Dr. Ajay Thakur	MO Orthopedics	Health	9459664393	[Signature]
18	Dr. Mohan	MO PHC	Health	8351966658	[Signature]
19	Dr. Anand	MO PHC	Health	9459139135	[Signature]
20	Dr. Nishu Singh	MO PHC	Health	9418516290	[Signature]
21	Hai Singh	MO PHC	Health	9418912044	[Signature]
22	Dr. Pooja Singh	MO PHC	Health	9459305259	[Signature]

Sr. No.	Name	Designation	Dept.	Contact No.	Sign.
23	Rajesh Bindu	DPH	Health	9316421233	[Signature]
24	A. Anon	MO	Health	707120067	[Signature]
25	Amit Kumar	C.P.O	Health	9816960891	[Signature]
26	Natish Kumar	Accountant	Health	8628813453	[Signature]
27	Jagan Kumar	STI Counsellor	Health	94598-39181	[Signature]
28	Renuka Sharma	D.E.O	Health	94189-61159	[Signature]

6. Mini Marathon:

A half Marathon was organised by the DDMA on 24th October 2024 at 07:00AM at District Head quarter Keylong. The Deputy Commissioner Keylong was the Chief guests for the marathon. The marathon was organised from police Ground Keylong to Commander Nullah and back to the Police Ground. The police Department provided the necessary help for management of the traffic on the route and Medical services (Doctor and Ambulance) were provided by the Health Department. The Staff members of DDMA and DEOC actively participated in organising the event.

Three categories were created for the marathon

- a) Girls school students.
- b) Boys School Students.
- c) Open category for all other participants.

A total of 20 girls and 30 Boys are participated in the first category, 30 Open category for all other participants in the third category, participated in the event. The marathon was flagged off by the Deputy Commissioner Keylong.





7. Awareness and Harmony Walk at Lahaul Division, Sub Division Kaza and Udaipur Sub Division on Dated 25-10-2024.

Awareness and Harmony Walk were conducted on 25th October 2024 at Keylong, Udaipur and Kaza at 11 AM. At Keylong. Sh. Sankalp Gautam, Assistant commissioner to Deputy Commissioner flagged off the walk.

All the students from all the schools along with responsible teachers participated in this activity. Caps and awareness generation banners and pamphlets were provided by the DDMA.





❖ Distribution of IEC materials- Samples

सजग हिमाचल भूकंप से सुरक्षा के सामान्य तरीके

भूकंप के कारण लोगों का मृत्यु नहीं होनी, अक्षय भवनों के गिरने एवं क्षतिग्रस्त होना ही होती है।

जब आप घर के अंदर हों तो किसी टेबल/पलंग के नीचे -डुको, डको और पक्की विधि का पालन करें

जब घर के बाहर हों तो, सुरक्षित एवं खुले स्थान पर बने जाएं

कुमारों, बच्चे, शिशुएण्ड और बिरानों के अलावा और जानवरों, जलकुम्भी और पुराने जे दूर बने जाएं।

भूकंप के दिनों में प्रशिक्षण दूर करें

- सबसे सामान्य के लिए अगले दोन में प्रशिक्षण सार्वजनिक स्थान खुली (विश्वविद्यालय) द्वारा जारी अन्य विभिन्न सत्रों का अनुसरण करें।
- सामान्यतः जो भीतर में समय बीतने के कारण में जल्द कर सुरक्षित कर लें।
- घर में ही, जलवायु और शिशुएण्ड कुम्भी को भीतरों के साथ साथ कर शीघ्र के कारण में जल्द कर सुरक्षित कर लें।
- सामान्यतः सुरक्षित जगहों जो जगहें घरा नहीं मिले कि विभिन्नक, अंतरागत पुलिन, कुम्भी।
- वीरों की सतहों, जगहें सतहगत, जगहों की सतहें सतहगत सतहगत की प्रशिक्षण के लिए घरा, जगहें कर जगहों को सुरक्षित जगहें में करें।

भूकंप के दिनों में जगहें जो घरा

- जगहें जो जगहें जगहें के लिए की घरा की।
- जगहें जो जगहें जगहें के लिए की घरा की।
- जगहें जो जगहें जगहें के लिए की घरा की।
- जगहें जो जगहें जगहें के लिए की घरा की।

संयोजक: राजेश शर्मा, एच.डी. सजग हिमाचल टीम, हिमाचल, हिमाचल प्रदेश 171001। फोन नं. 0191 284 177 284032। जलवायु नं. 1070 जे. 10 फोन नं. 1070 जे. 10। वेबसाइट: www.himachal.org। डिजिटल: https://www.facebook.com/sajaghimachal

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (लाहौल स्पिती)

अग्नि सुरक्षा ❌ क्या न करें

- अग्नि सुरक्षा के लिए सावधान रहें।
- अग्नि सुरक्षा के लिए सावधान रहें।
- अग्नि सुरक्षा के लिए सावधान रहें।
- अग्नि सुरक्षा के लिए सावधान रहें।

सड़क सुरक्षा ❌ क्या न करें

- सड़क सुरक्षा के लिए सावधान रहें।
- सड़क सुरक्षा के लिए सावधान रहें।
- सड़क सुरक्षा के लिए सावधान रहें।
- सड़क सुरक्षा के लिए सावधान रहें।

बाढ़ ❌ क्या न करें

- बाढ़ के लिए सावधान रहें।
- बाढ़ के लिए सावधान रहें।
- बाढ़ के लिए सावधान रहें।
- बाढ़ के लिए सावधान रहें।

भूकंप ❌ क्या न करें

- भूकंप के लिए सावधान रहें।
- भूकंप के लिए सावधान रहें।
- भूकंप के लिए सावधान रहें।
- भूकंप के लिए सावधान रहें।

अग्नि सुरक्षा ✅ क्या करें

- अग्नि सुरक्षा के लिए सावधान रहें।
- अग्नि सुरक्षा के लिए सावधान रहें।
- अग्नि सुरक्षा के लिए सावधान रहें।
- अग्नि सुरक्षा के लिए सावधान रहें।

सड़क सुरक्षा ✅ क्या करें

- सड़क सुरक्षा के लिए सावधान रहें।
- सड़क सुरक्षा के लिए सावधान रहें।
- सड़क सुरक्षा के लिए सावधान रहें।
- सड़क सुरक्षा के लिए सावधान रहें।

बाढ़ ✅ क्या करें

- बाढ़ के लिए सावधान रहें।
- बाढ़ के लिए सावधान रहें।
- बाढ़ के लिए सावधान रहें।
- बाढ़ के लिए सावधान रहें।

भूकंप ✅ क्या करें

- भूकंप के लिए सावधान रहें।
- भूकंप के लिए सावधान रहें।
- भूकंप के लिए सावधान रहें।
- भूकंप के लिए सावधान रहें।

कार्यालयों के लिए भूकम्प से सुरक्षा के उपाय

भूकम्प से पहले

अपने आस-पास सुरक्षित स्थलों की पहचान कर लें।

- आपातकालीन किट तैयार करें।
- निकास के लिए नक्शा बनाकर रखें।
- आगनीय की दीवार से 1 फीट से कम कर रखें।
- आपातकालीन निरक्षय साधन तैयार रखें।
- कार की गाइडेंस या किंगम बोर्ड सुरक्षित स्थित से हटानें।
- काम करने की जगह पर कंबीब में आगनीय न रखें।

भूकम्प के दौरान

- दुबड़े, सर को रखें और मजबूती से पुरे को पकड़ें।
- आलमारी के पास न खड़े रहें।
- दीवारों के कोने में खड़े हो जाएं।
- दोस्तों के साथ रहें।
- विद्युत की आपूर्ति बंद कर दें।
- आलमारी के पास न खड़े रहें।
- कोच की विद्युत के पास खड़े न रहें।

भूकम्प के बाद

यदि कार्यालय उपरी मंजिल पर हो

- अपनी जगह पर रात रहें, डाटाका रुकने पर, क्रम से बाहर निकलें।
- गिरने वाली चीजों से सिर को बचाएं।
- विजली पोल, विज्ञापन बोर्ड, पेड से दूर रहें।
- खुले मैदान में आ जाएं, धावलों की सहायता करें।

इमरजेंसी फोन :

पुलिस	100
अग्निशामक	101
एम्बुलेंस	102, 108
राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष, हिमाचल	1070
जिला नियंत्रण कक्ष	1077

हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राजस्व विभाग-आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा जनहित में जारी। राज्य आपदा प्रबंधन हेल्पलाईन (टॉल फ्री) - 1070

❖ **Prize Distribution by AC to DC Sir: -**

The Prize Distribution Ceremony was organised in DC Office Ground Keylong. Chief guest, AC to DC Keylong awarded the winners of Mini marathon. Five prizes (FIRST, SECOND and THIRD) were given in the three categories. A first prize of Rs. 3,000/-, Second Prize of Rs. 2,000/- and a Third Prize of Rs. 1,000/- were distributed to the winners of the Marathon.

The following were the winners of the marathon in each category.

Sr. No.	Age Group	Position	Name	Gender	
1.	4-7	1 st	Nevidita	F	
2.	8-14 (Boys)	1 st	Pramod	M	
3.		2 nd	Nawang	M	
4.		3 rd	Lakshay	M	
5.		1 st	Palvi Thakur	F	
6.	8-14 (Girls)	2 nd	Anvesha Sharma	F	
7.		3 rd	Anushka	F	
8.		1 st	Sumit Kumar	M	
9.	15-18	2 nd	Mikul Anand	M	
10.	18 Above	1 st	Tashi Lama	M	
11.		2 nd	Shiv Kumar	M	
12.		3 rd	Ashwin	M	

8. School safety programme at MINI DIET Kaza, Spiti Subdivision: -

The office of Assistant Project Coordinator, Samgra Shiksha Abhiyan Kaza Organised a school safety programme to elementary teachers in Kaza Block.

The DDMA Lahaul and Spiti has deputed a team consisting of three members from Fire Department Keylong as resource persons for 4-day workshop on school safety programme to elementary teachers at Block Level **w.e.f 13-11-2024 to 14.11.2024 at MINI DIET Kaza.**

9. Nukkad Natak at Sissu and Keylong: -

The DDMA Lahaul and Spiti has planned Nukkad natak to be performed by the Mannat Kala Manch, Kullu at Sissu Village And Keylong on 'Safe construction Practices' on dated 15.11.2024 and 16.11.2024 as part of Samarth 2024.

News paper Cuttings:-

काजा में समर्थ-2024 अभियान के तहत सुरक्षित निर्माण प्रथाओं पर कार्यशाला आयोजित : डीसी राणा

केलांग, (आपका फैसला)। जनजातीय जिला लाहौल स्पीति के



उपमंडल स्पीति के मुख्यालय काजा में शुक्रवार को सुरक्षित निर्माण प्रथाओं पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला की अध्यक्षता, विशेष सचिव राजस्व-आपदा प्रबंधन डी.सी.राणा ने की। उपायुक्त लाहौल स्पीति राहुल कुमार केलांग मुख्यालय से राष्ट्रीय सूचना विज्ञान कक्ष से वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे। स्पीति के अतिरिक्त उपायुक्त राहुल जैन ने जागरूकता कार्यशाला का संचालन किया। विशेष सचिव राजस्व-आपदा प्रबंधन डी.सी.राणा ने कहा कि कार्यशाला का आयोजन जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर वार्षिक जन जागरूकता अभियान के हिस्से के रूप में किया गया। प्रदेश में समर्थ अभियान को 2011 में हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा शुरू किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में कार्यशालाओं का आयोजन राज्य के आपदा-संभावित क्षेत्रों में सुरक्षित निर्माण प्रथाओं को बढ़ावा देने पर केंद्रित है और मुख्य उद्देश्य निर्माण तकनीकों पर हितधारकों को शिक्षित कर कमजोरियों व आपदाओं के दौरान क्षति को कम करना है। कार्यशाला सत्र में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेमंत कुमार विनायक ने जिला के विभिन्न विभागों, लोक निर्माण विभाग, जल शक्ति और बीडीओ कार्यालयों के कार्यकारी व कनिष्ठ अभियंतियों और तकनीकी रैंक के अधिकारियों को तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी। कार्यशाला सुरक्षित निर्माण प्रथाओं के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने और क्षेत्र में आपदा लचीलेपन की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक मूल्यवान मंच रही।

बाल अधिकारों पर कार्यशाला लगाई

केलांग, 22 अक्टूबर (ब्यूरो): जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के मुख्यालय केलांग में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, लाहौल-स्पीति की ओर से बाल सुरक्षा भारत के तकनीकी सहयोग से आपदाओं और आपात स्थितियों में बाल संरक्षण और बाल अधिकारों पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता डी.सी. एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लाहौल-स्पीति राहुल कुमार ने की।

डी.सी. राहुल कुमार ने कहा कि आपदाओं और आपात स्थितियों में बाल संरक्षण और बाल अधिकारों पर एक प्रभावी निगरानी तंत्र की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बाल्यावस्था को प्रभावित करने वाले कारण जैसे हिंसा, घरेलू हिंसा, बाल

तस्करी, बाल श्रम, प्रताड़ना तथा शोषण आदि मामलों पर अंकुश लगाने के लिए कार्यशालाएं एवं जागरूकता शिविर ही सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि बाल तस्करी करने तथा बच्चों में मादक पदार्थों के सेवन की रोकथाम के लिए हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

कार्यशाला में बाल सुरक्षा भारत के संसाधन व्यक्तियों निवेदिता सिंह, मिर्जा तौसीफ बेग, सुनील कुमार ने आपदाओं और आपात स्थितियों में बाल संरक्षण और बाल जिला जिला बाल संरक्षण अधिकारी डा. हीरानंद, बाल विकास परियोजना अधिकारी खुशविन्द्र ठाकुर और स्वास्थ्य, पुलिस और अग्निशमन सेवा के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

आयोजन केलांग में आपदा-आपात क्षतिग्रस्त में बाल संरक्षण और बाल अधिकारों पर सजी कार्यशाला, उपायुक्त राहुल कुमार ने की अध्यक्षता

बाल तस्करी रोकना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी

जिला संवाददाता-केलांग

जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के मुख्यालय केलांग में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से बाल सुरक्षा भारत के तकनीकी सहयोग से आपदाओं और आपात स्थितियों में बाल संरक्षण और बाल अधिकारों पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लाहौल-स्पीति राहुल कुमार ने की। उपायुक्त राहुल कुमार ने कहा कि आपदाओं और आपात स्थितियों में बाल संरक्षण और बाल अधिकारों पर एक प्रभावी निगरानी तंत्र की जरूरत है। बाल्यावस्था को

प्रभावित करने वाले कारण जैसे हिंसा, घरेलू हिंसा, बाल तस्करी, बाल श्रम, प्रताड़ना और शोषण आदि मामलों पर अंकुश लगाने के लिए कार्यशालाएं एवं जागरूकता शिविर ही सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि बाल तस्करी करने और बच्चों में मादक पदार्थों के सेवन की रोकथाम के लिए हम सभी का सामूहिक दायित्व है। कार्यशाला में बाल सुरक्षा भारत (बीआरबी) संसाधन व्यक्तियों निवेदिता मिर्जा तौसीफ बेग, सुनील कुमार आपदाओं और आपात स्थितियों में बाल संरक्षण और बाल अधिकारों से संबंधित विभिन्न विषयों विस्तार से अवगत करवा कार्यशाला में सहायक आयु



आपदा में और बढ़ जाती है चिकित्सा अधिकारियों की जिम्मेदारी : उपायुक्त

केलांग (लाहौल-स्पीति)। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के भीषण अस्पताल केलांग में बुधवार को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और समर्थ संस्था द्वारा 'आपदाओं व आपातकाल में सुरोधित अस्पताल' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लाहौल-स्पीति राहुल कुमार ने की।

उन्होंने कहा कि आपदा के समय चिकित्सक अधिकारियों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, क्योंकि प्रभावित लोगों की सुरक्षा अधिक होती है और सभी की शीघ्र प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया कि लाहौल-स्पीति का पूरा क्षेत्र गिरीष्मक ज्वालन क्षेत्र में आता है, जो उच्चतम आपदा संभावित क्षेत्र है। आपदा

के दौरान सड़क नेटवर्क क्षतिग्रस्त होने से जिला का अन्य क्षेत्रों से संपर्क काट सकता है, जिससे पूरा जिला क्षेत्र अस्पताल केलांग पर निर्भर हो सकता है। ऐसी स्थितियों में निपटने के लिए एक मानक संभालन प्रक्रिया (एसओपी) बनानी और इस पर सामूहिक रूप से अग्रण करना आवश्यक है।

इन कार्यशाला में बाल सुरक्षा भारत (बीआरबी) से निवेदिता सिंह, मिर्जा तौसीफ बेग और सुनील कुमार ने आपातकालीन स्थितियों में चिकित्सकों द्वारा केलांग स्वास्थ्य संस्था उपलब्ध करने के तरीकों पर जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सक अधिकारी डॉ. रोशन लाल, अस्पताल के चिकित्सक और अन्य पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित रहे। साह

आपदा प्रबंधन ने निकाली केलांग में जागरूकता सद्भावना पदयात्रा

भास्कर न्यूज़ | कुल्लू

जनजातीय जिला लाहौल स्पीति के मुख्यालय केलांग में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने केलांग में जागरूकता एवं सद्भावना पदयात्रा निकाली। जागरूकता एवं सद्भावना पदयात्रा की अध्यक्षता सहायक आयुक्त एवं डीईओसी नोडल अधिकारी संकल्प गौतम ने की।

जागरूकता एवं सद्भावना पदयात्रा में प्राथमिक स्कूल केलांग-I, प्राथमिक स्कूल केलांग-II व केन्द्रीय विद्यालय केलांग के 100के करीब छात्र एवं छात्राएं शामिल हुए।

सहायक आयुक्त संकल्प गौतम ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन उप मंडल स्पीति के मुख्यालय काजा और उप मंडल उदयपुर में भी किये गए



और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। केलांग में मिनी मेराथन का भी आयोजन किया गया जिस में विभिन्न वर्गों के प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को सहायक आयुक्त संकल्प गौतम ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

सहायक आयुक्त संकल्प

गौतम ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य युवाओं के बीच आपदा जागरूकता और तैयारियों को बढ़ाना, समुदाय के भीतर सुरक्षा और लचीलेपन की संस्कृति को बढ़ावा देना है। इस पदयात्रा में विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी भी शामिल रहे।

Thank





District Disaster Management Authority, Mandi.

Report on Activities Conducted by DDMA Mandi during SAMARTH – 2024

The District Disaster Management Authority (DDMA) Mandi launched a wide array of awareness and capacity-building activities in September and October 2024, as part of the SAMARTH 2024 initiative for the International Day for Disaster Risk Reduction (IDNDRR). These efforts aimed to increase community awareness, promote safe construction practices, and enhance preparedness against natural disasters. This report provides an in-depth overview of each activity conducted during this period.

1. Nukkad Natak Performances Across Sub-divisions

To engage and educate the community on disaster preparedness and safe construction, DDMA organized Nukkad Natak (street theatre) performances in each sub-division across Mandi district, covering two locations per sub-division. In total, 24 areas were reached, involving diverse community groups in an accessible and relatable format.

These performances served as a powerful medium to communicate critical messages about disaster management, as street theatre is both interactive and adaptable to various local contexts. Through dramatized storytelling, the Nukkad Natak teams highlighted key themes, such as the importance of preparedness for natural disasters and the adoption of safe construction techniques to prevent structural failures. The initiative proved effective in raising awareness at the grassroots level, with community members gaining practical knowledge that could contribute to their safety and resilience in disaster-prone environments.

2. Safe Construction Practices Workshop at the Sub-division Level

In September, DDMA Mandi organized one-day workshops focused on safe construction practices across Sundernagar, Balh, and Gohar sub-divisions. These sessions were primarily

targeted at local NGOs, aiming to empower them with knowledge and skills to act as advocates and resources for their communities.

The workshops covered crucial areas such as fire safety protocols, search and rescue operations, and principles of safe construction, which are essential in reducing vulnerability to natural hazards. By involving NGOs, the DDMA ensured a multiplier effect, as trained individuals would disseminate these practices further within their communities, thus building a wider network of informed and prepared citizens.





3. Safe Construction Competition

The Safe Construction Competition, held on October 5, 2024, invited students from middle school through college levels to participate in an interactive, educational event focused on innovative construction solutions. The competition encouraged students to research and demonstrate safe building practices by creating models or presentations that showcased their understanding of construction safety.

Participants were judged on creativity, feasibility, and adherence to safety standards, with first, second, and third prizes awarded in each category. This competition inspired students to think critically about sustainable construction and provided them with practical insights into the importance of safety in building design. Many participants demonstrated original ideas that combined modern construction techniques with locally available resources. The event not only reinforced educational objectives but also cultivated a commitment to safe construction practices among the younger generation, potentially influencing future architects, engineers, and community leaders.





4. Awareness Programs by the Rural Development & Panchayati Raj Department

On October 2, 2024, the Rural Development and Panchayati Raj Department conducted disaster awareness programs across multiple Gram Panchayats (GPs) in Mandi district during Gram Sabha meetings. These sessions emphasized the importance of constructing buildings that can withstand natural disasters, which are common in the hilly terrains of Mandi.

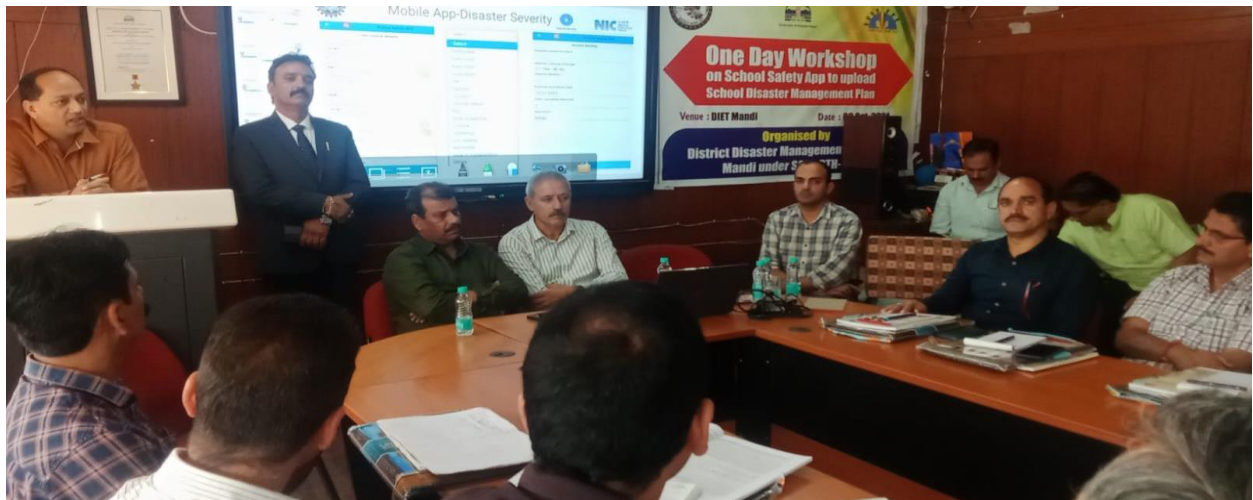
The programs aimed to empower local communities with knowledge of safe construction techniques that utilize locally sourced, eco-friendly materials. Topics included building strategies to withstand landslides, floods, and earthquakes, which are particularly relevant given Mandi's susceptibility to these hazards. Through these targeted initiatives, DDMA and the Panchayati Raj Department sought to embed a culture of disaster resilience within the community, encouraging local stakeholders to prioritize safety in construction.



5. Training and Promotion of the School Safety App

On October 9, 2024, a training session was held for school teachers from every block in Mandi district, with at least two teachers per block participating. The training centered on the School Safety App, a digital tool designed to enhance school safety by enabling real-time reporting, monitoring, and information sharing.

Teachers were trained on how to use the app effectively, with DDMA representatives addressing questions and clarifying the app's features. By empowering educators with this digital tool, DDMA aimed to create a safer educational environment, ensuring that schools are better prepared to respond in emergencies. Teachers left the session equipped to implement the app in their respective schools, enhancing safety for both students and staff.



6. Mock Drills for Earthquake and Landslide Preparedness in all Sub -divisions

To ensure operational readiness, DDMA organized comprehensive mock drills in all sub-divisions on October 14, 2024. These exercises focused on earthquake and landslide response, involving all line departments to simulate a coordinated response effort.

The drills aimed to test the effectiveness of emergency protocols, improve coordination among agencies, and provide community members with firsthand experience of response actions during an emergency. By simulating real-life scenarios, participants gained confidence and familiarity with the procedures, which is essential for timely and effective action in the event of an actual disaster. Feedback from the drills indicated a strengthened community response capacity and identified areas for further improvement.







7. Workshop on Structural Safety Audits of the Built Environment

From October 3 to 5, 2024, DDMA Mandi held an intensive workshop on structural safety audits, drawing 80 participants from various departments, including Block Development Officers (BDOs), Himachal Pradesh Public Works Department (HPPWD), and Irrigation and Public Health Department (IPH). Expert resource persons from NIT Hamirpur, Ambuja Cement, and a leading steel company provided training on safe construction practices, structural integrity assessments, and auditing techniques.

The workshop aimed to equip participants with the knowledge to evaluate the safety of existing buildings and infrastructure. Topics covered included identifying potential structural weaknesses, best practices for retrofitting, and principles of resilient building design. This workshop contributed to an enhanced understanding of safety audits among local officials and encouraged the implementation of safe construction principles across the district.





Conclusion

Through these activities, DDMA Mandi demonstrated a strong commitment to enhancing disaster resilience and promoting safe construction practices across the district. The diverse programs not only provided technical skills and knowledge but also encouraged a broader cultural shift toward safety and preparedness. These efforts, which spanned all levels of the

community, from school students to local NGOs and government officials, reflect a comprehensive and proactive approach to disaster management.

By engaging the community through educational workshops, practical drills, and hands-on competitions, DDMA Mandi has laid a solid foundation for a safer, more resilient district. The initiatives carried out in September and October 2024 will have a lasting impact, reinforcing Mandi's readiness to face natural hazards and fostering a widespread commitment to sustainable, safe construction practices



International Day on Disaster Risk reduction (IDDRR): Samarth 2024 (14th Edition) being prepared by District Disaster Management Authority (DDMA Shimla)

1. Activities conducted by District Disaster Management Authority (DDMA Shimla) :

- **Gram Sabha Meetings (02nd October) :** DDMA Shimla in collaboration with Block Development Officers (BDOs), “Panchayati Raj” and District Rural Development Agency (DRDA) had organized Gram Sabha meetings in all the 412 panchayats of District Shimla. The meeting included the agenda of *“Comprehensive Mass Campaign for International Day for Disaster Risk Reduction (IDDRR) Samarth 2024: Promoting Safe Construction”*.



- **Nukkad Natak :** DDMA Shimla in collaboration with District Public Relation Officer (DPRO) has organized 22 Nukkad Natak in all the Sub-Divisions of District Shimla i.e. per 02 nukkad natak with an aim to spread awareness among community on need and importance of safe construction practices.



- **Safe Construction Competition:** DDMA Shimla in collaboration with Higher Education has organized competition for preparing safe construction models at block level for 03 different categories i.e. High School level, Senior Secondary level and College level. Further, the competition at District Level was organized at Bachat Bhawan, DC Office Shimla for the best top safe construction models where Deputy Commissioner-cum-Chairman DDMA Shimla chaired the programme. Additionally, the Additional District Magistrate (Protocol) , District Revenue Officer (DRO), Principal ITI (Shimla), representative of MC Shimla, PWD and PO DRDA were committee members for selection of best models from each category.





Thakur Ram
Lal Govt Boys
Sr. Sec.
School Jubbal

THAKUR RAM LAL GOVT. BOYS SENIOR
SECONDARY SCHOOL, JUBBAL

Earth quake

आपदा के प्रति जागरूकता में छात्रों की भूमिका अहम : अनुपम कश्यप

उपायुक्त ने बचत भवन में आयोजित सुरक्षित निर्माण मॉडल प्रतियोगिता में बतौर मुख्यातिथि की शिरकत, कॉलेज स्तर पर सेंट बीड्स कॉलेज शिमला रहा विजेता

सवेरा ब्यूरो

शिमला, 5 अक्टूबर : जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण समर्थ के 14 वें संस्करण के तहत बचत भवन में सुरक्षित निर्माण मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।

उपायुक्त ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मॉडल प्रतियोगिता में हर बच्चे का मॉडल बेहतरीन रहा। बच्चों को आपदा के विषयों में मूलभूत ज्ञान पर अच्छी पकड़ है। इससे साबित होता है कि बच्चे आपदा को लेकर काफी जागरूक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आपदा के प्रति जागरूकता अभियान में स्कूली बच्चों की भूमिका अब काफी अहम होती जा रही है। हमारे बच्चे आपदा प्रबंधन को बखूबी जानते हैं और साथ ही अपने आसपास के लोगों को भी आपदा प्रबंधन के बारे में बता रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस तरह की मॉडल प्रतियोगिता जिला स्तर पर पहली बार आयोजित की गई है। भविष्य में इसी तरह की प्रतियोगिता खंड स्तर पर भी आयोजित की जाएगी, ताकि बच्चों को अधिक से अधिक प्रतियोगिता में शामिल करवाते



कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त संबोधित करते।



विजेताओं को सम्मानित करते डीसी अनुपम कश्यप।

हुए आपदा के प्रति जागरूक करवाया जाए। हमारा प्रयास रहेगा कि बच्चों को मॉडल बनाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने की दिशा में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा भविष्य में प्रभावी कदम उठाए जाये।

उपायुक्त ने कहा कि आपदा एक प्राकृतिक या मानव निर्मित जोखिम का प्रभाव है जो समाज या परिवारण को प्रभावित करता है। आपदा प्रबंधन

का मतलब है, आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए तैयारियां करनाएं प्रतिक्रिया देनाएं और आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए संसाधनों और जिम्मेदारियों का प्रबंधन करना। आपदा प्रबंधन के जरिए, आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। इस अवसर पर जिला के विभिन्न स्कूलों के बच्चे और स्टाफ विशेष

इन्हें किया सम्मानित

मॉडल प्रतियोगिता में सभी विजेता और उपविजेताओं को उपायुक्त अनुपम कश्यप ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कॉलेज स्तर पर सेंट बीड्स कॉलेज शिमला विजेता रहा। वहीं उच्च विद्यालय स्तर पर जांगला स्कूल ने प्रथम और लकड़ बाजार स्कूल ने दूसरा स्थान हासिल किया। वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला श्रेणी में रोहडू कन्या स्कूल ने पहला स्थान, टिकर स्कूल ने दूसरा स्थान और छोटा शिमला स्कूल ने तीसरा स्थान हासिल किया। इसके अलावा प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए।

तौर पर मौजूद रहे। एडीएम प्रोटोकॉल ज्योति राणा ने कहा कि मॉडल प्रतियोगिता में विजेता रहने वाले प्रतिभागी 7 अक्टूबर को विज्ञान संग्रहालय शोधी में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

आपदा के प्रति जागरूकता में छात्रों की भूमिका अहम: उपायुक्त



देवभूमि मिरर/शिमला

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण समर्थ के 14 वें संस्करण के तहत आज यहां बचत भवन में सुरक्षित निर्माण मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत

की। उपायुक्त ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मॉडल प्रतियोगिता में हर बच्चे का मॉडल बेहतरीन रहा। बच्चों को आपदा के विषयों में मूलभूत ज्ञान पर अच्छी पकड़ है। इससे साबित होता है कि बच्चे आपदा को लेकर काफी जागरूक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आपदा के प्रति जागरूकता अभियान में स्कूली बच्चों की भूमिका अब काफी अहम होती जा रही है। हमारे बच्चे आपदा प्रबंधन को बखूबी जानते हैं और साथ ही अपने आसपास के लोगों को भी आपदा प्रबंधन के बारे में बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की मॉडल

प्रतियोगिता जिला स्तर पर पहली बार आयोजित की गई है। भविष्य में इसी तरह की प्रतियोगिता खंड स्तर पर भी आयोजित की जाएगी ताकि बच्चों को अधिक से अधिक प्रतियोगिता में शामिल करवाते हुए आपदा के प्रति जागरूक करवाया जाए। हमारा प्रयास रहेगा कि बच्चों को मॉडल बनाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने की दिशा में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा भविष्य में प्रभावी कदम उठाए जाये। उपायुक्त ने कहा कि आपदा एक प्राकृतिक या मानव निर्मित जोखिम का प्रभाव है जो समाज या पर्यावरण को प्रभावित करता है।

➤ **Other Competitions:** DDMA Shimla in collaboration with Higher education has organized various competitions **to spread** awareness among school students on various aspects of disasters and disaster management . details are mentioned below :-

- Mock Drills on landslide/flashflood/earthquake scenario.
- Slogan writing competitions
- Quiz on Disasters.
- Painting and poster making competitions.
- Essay writing competitions.
- Preparation of school disaster management plans.

- **IEC activities:** Education department was directed to conduct regular awareness campaigns among school children featuring posters, leaflets and interactive displays that educate students on various types of disasters along with safety measures. DDMA Shimla has distributed age-appropriate awareness material among education department viz. booklets, manuals, posters etc.
- **Trainings on Safe Construction Practices:** DDMA Shimla in collaboration with JUIT Waknaghat has organized 02 training programmes on Safe Construction practices. Trainings were imparted to Junior Engineers (JEs) and Technical Assistants (TAs) with an aim to further impart trainings to masons. The JEs and Technical Assistants (TAs) were trained in examining quality of materials and importance of construction tools for safe construction, layout of site, Construction sample foundation and Plinth, construction of plinth band, constructing hazard resistant foundations with corner vertical bars, principal of hazard resistant construction, hazard resistant features for house size and configuration, importance of site and soil conditions, constructing earthquake resistant feature plinth band etc.





जेयूआईटी में आपदा प्रतिरोधी सुरक्षित निर्माण प्रथाओं पर मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण शुरू



सवेरा न्यूज

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर : सिविल इंजीनियरिंग विभाग जेयूआईटी द्वारा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण शिमला के सहयोग से आयोजित आपदा प्रतिरोधी सुरक्षित निर्माण प्रथाओं पर मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण का शुभारंभ आज जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (जेयूआईटी) वाकनाघाट में हुआ। इस कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. आर.के. शर्मा द्वारा किया गया, जिन्होंने आपदा संभावित क्षेत्रों में आपदा प्रतिरोधी भवन निर्माण की महत्ता पर बल दिया। उन्होंने जोर दिया कि इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण को जमीनी स्तर तक पहुंचाना

हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। यह प्रशिक्षण उपायुक्त एवं अध्यक्ष, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण शिमला अनुपम कश्यप की दूरदर्शिता और आपदा तैयारी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के कारण संभव हुआ है। इस पहल को शुरू करने में उनके योगदान और नेतृत्व के लिए विशेष धन्यवाद दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर एवं समन्वयक डॉ. तन्मय गुप्ता के संबोधन से हुई, जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस पर प्रशिक्षण के महत्व और इसमें शामिल सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पहलुओं को रेखांकित किया।

- **Training Programme on Earthquake Retrofitting:** DDMA Shimla has organized 03 days training programme in collaboration with CBRI Roorkee. 35

participants from HPPWD, MC Shimla, Aall Indian Radio, BDO Office, Doordardhan etc. has participated and prepared drawings.



- **Skit Competition:** DDMA Shimla in coordination with education department has organized skit competition on “Safe Construction Practices” at Gaiety Theatre Shimla on 07th October 2024 in which ten schools have participated. Sh. Jawahar Kaul (News Reader, Doordarshan and Assistant Directors in short films), Dr. Poornina Sharma (HOD, Art & Cultural Society, St. Thomas) and Sh. Roopesh Bhimta (Actor, Director & Designer in the field of Theatre) were judges during the skit competition. PM Shree GS Totu was the winner of Skit competition.





➤ **Mock Drills:** DDMA Shimla in coordination with Home Guard & Civil Defence (02nd & 03rd BN) along with Fire services has organized mock drills in schools and in all the offices including Jhakoo ropeway. Details of Jhakoo ropeway is mentioned below:-

- **Jakhoo Ropeway Mock Drill** :- On 25th October, 2023 mock drill on rope way has been organised in coordination with National Disaster Response Force (NDRF), State Disaster Response Force (SDRF) and Home Guard & Civil Defence 03rd Battalion. Total 100 people participated in the mock exercise.

आपदा की तैयारियां को लेकर आज जाखू में मॉकड्रिल

शिमला। आपदा की तैयारियों को लेकर जाखू रोपवे पर अभ्यास आयोजित किया जाएगा। बुधवार सुबह 11 बजे मॉकड्रिल शुरू होगी।

अभ्यास का उद्देश्य जिला शिमला की आपदा प्रबंधन योजना की समीक्षा करना और जिला स्तर पर विभिन्न हितधारकों के आपातकालीन सहायता कार्यों (ईएसएफ) के बीच समन्वय बढ़ाना है। इसके अलावा विभिन्न हितधारकों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को उजागर करना है। इसमें राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) शामिल रहेगा। संवाद

- **Exhibition on Ridge:** Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA) and DDMA Shimla has organized exhibition at Padam Dev Complex and The Ridge, Shimla w.e.f 13th October 2024 to 15th October 2024. Approx 30 organizations / NGOs/ agencies/ departments have participated in the exhibition. Agencies viz. Sky Air Mobility Pvt. Ltd., Doers, Indian rescue academy, Tata steel limited, department of environment, science and technology, HPPWD, Horticulture wing, Idea Forge Technology Ltd, Central Building Research Institute, Roorkee Aimili Ltd, SRP Corporation, Temflo Systems Pvt. Ltd., Bal Raksha Bharat, Entertainment Enterprises Ltd., Satpalda Geospatial Excellence, Vedant Innotech Pvt Ltd., Black Sky, Genesys International, Health & family welfare Department, Indo Wings Pvt. Ltd., Saket Rajani, Indian Meteorological Department, National Disaster Response Force, Department of Himachal Fire Service, State Disaster Response Force and Civil Defence and Home Guards participated in the exhibition.

A

Comprehensive Activity Report

on

State Wide Mass Awareness Campaign

“SAMARTH-2024” w.e.f.

1st to 30th October, 2024 in district Sirmaur

(H.P)



Submitted by:

District Disaster Management Authority

Sirmaur, Himachal Pradesh

Introduction

Sirmaur is the most south-eastern district of Himachal Pradesh. It is largely mountainous and rural, with 90% of its population living in villages. It consists of the foothills of Himalayas, which is Siwalik's and Middle Himalayas with the heights of the mountains ranging from 300 meters to 3000 meters above sea level. The region is fed by numerous perennial rivers which originate in the glaciers and supply water to the plains throughout the year. Having a mountainous topography, this area is also prone to the incidents of cloud burst and flash flood. As has been seen in other parts of the State, landslides can wipe out entire villages as well as lead to blocking and cutting off of settlements for days from the rest of the state. Due to loose and unconsolidated material any kind of shaking can also trigger landslides or rock falls which also pose a threat to the district.



As per the instructions of Deputy Commissioner Sirmaur, today on Tuesday, a workshop was organized by the Government Industrial Training Institute, Rajgarh on the subject of "Safe Building Construction" under the state-wide public awareness campaign "Samartha 2024" based on disasters. The program was presided over by Chairman, Institute Management Committee, Government Industrial Training Institute, Rajgarh Rajendra Thakur as the chief guest.

He said that this program was mainly based on safe building construction style in view of the serious situation of earthquake in Himachal. Apart from this, he told that "Samartha-2024" is a state-wide disaster based public awareness program which is being organized in the entire state from 1 to 15 October. Whose sole objective is to reduce the loss of life and property due to disasters in the state. About 200 students were present in this program. Apart from this, he told that for expert lecture, Himendra Sharma, Assistant Engineer, Himachal Pradesh Public Works Department, Rajgarh and Manish Thakur Government Contractor shared the safe building construction style and technology with everyone in detail. The workshop was conducted by Amrit Kumar Instructor Government Industrial Training Institute, Rajgarh. On this occasion, Principal, Government Industrial Training Institute, Rajgarh, Village Panchayat Pradhan Tikkar, academic and non-academic staff of the institute, local media and other dignitaries were present.



As part of the state-wide public awareness campaign (1-15 October, 2024) based on various types of disasters, a district level competition for "Safe Construction Practices" was successfully organized today on Thursday at the District Institute of Education and Training (DIET) Nahan. Additional District Magistrate, Sirmaur L.R. Verma visited this district level exhibition program as the chief guest. During this, he discussed the importance of safe building construction especially in the Himalayan region and also appreciated the models of all the children. He informed that Kritish Aggarwal of Government Senior Secondary School, Saraha has secured first place in the Senior Secondary School category by the jury, while on the other hand, Manav Sharma of Government High School, Malgaon has secured first place in this competition in the High School category. Additional District Magistrate informed that the winning students in both the categories will go to display their respective models in the "Samartha-2024" program to be organized at the state level, which will be held on 7 October 2024 in Shimla. Apart from this, he told that in this competition about 20 students from all the education blocks of District Sirmaur actively participated and also displayed their models. On this occasion, District Development Officer and Member Secretary, Abhishek Mittal, District Project Officer (Samagra Shiksha) Himanshu Bhardwaj, Technical Officer (DIET Nahan) Tapendra Singh and committee member Omkar Sharma, representative from Deputy Director, Higher Education Nahan, District Coordinator (Disaster Management) Rajan Kumar Sharma and teachers and participating children from various education blocks, all educational and non-educational staff of DIET Nahan were also present.



A combined mock drills/awareness program on the theme "Safe Construction Practice" under "Samarth-2024" conducted by Home Guards & Fire teams at Govt. Sr. Sec. School Majra and Polytechnic College Dhaula Kuan in District Sirmour (H.P).



Under the state-wide public awareness campaign "Samartha 2024", a mock drill and public awareness campaign was organized today by the joint teams of Home Guard Fourth Corps, Nahan and Fire Station, Nahan at Government Senior Secondary School (Girls), Nahan and Dr. Yashwant Singh Parmar Government Post Graduate College, Nahan in district Sirmour.

The above teams provided detailed information about ways to avoid disasters and various types of search and rescue techniques to about 300 students. In-charge, District Disaster Management Authority Sirmour, Rajan Kumar Sharma said that under the "Samartha-2024" public awareness program, people will be made aware of disasters through various types of public awareness programs, mock drills, quizzes and street plays in the district from October 1 to October 30, 2024. All the educational and non-educational staff of the concerned institutions were present in these programs and also appreciated these programs.



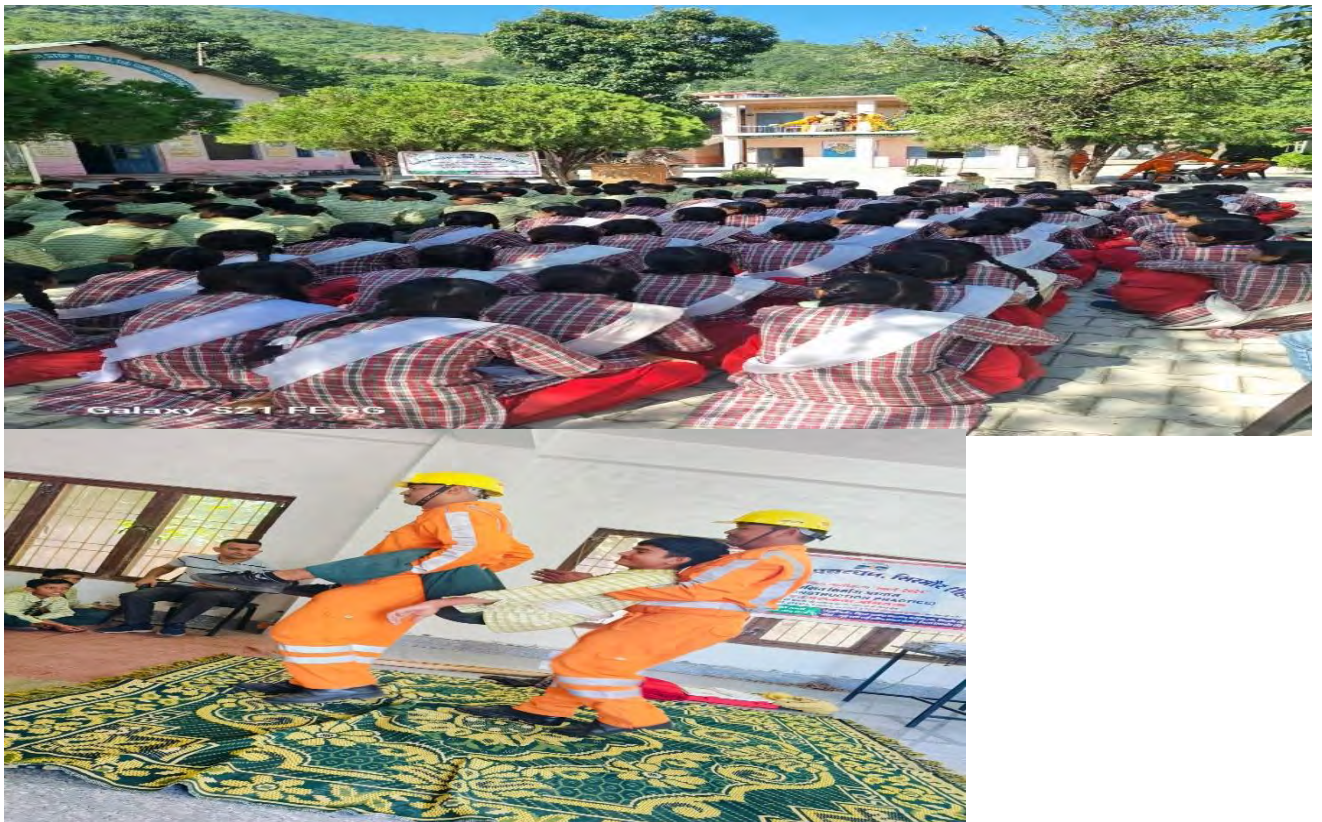
A combined mock drill exercise has been conducted at GGSSS, Paonta Sahib on the occasion of AapdaJokhimNeunikaran (Disaster Risk Reduction -DRR) under Samarth- 2024 campaign on "Safe construction practice" by DDMA, Home Guards 4th Battalion- Nahan, and Fire Station Paonta Sahib district Sirmaur (H.P). Wherein, about 750 students and teachers participated in these mock drill practices.



On the occasion of Disaster Risk Reduction (DRR), a joint mock drill exercise was organized by DDMA, Home Guards 4th Battalion-Nahan and Fire Station, Paonta Sahib District Sirmaur (HP) on "Safe Construction Exercise" under Samarth-2024 campaign at Government Senior Secondary School, Gorakhuwala District Sirmaur. In which about 400 students and teachers participated in the mock drill exercise.



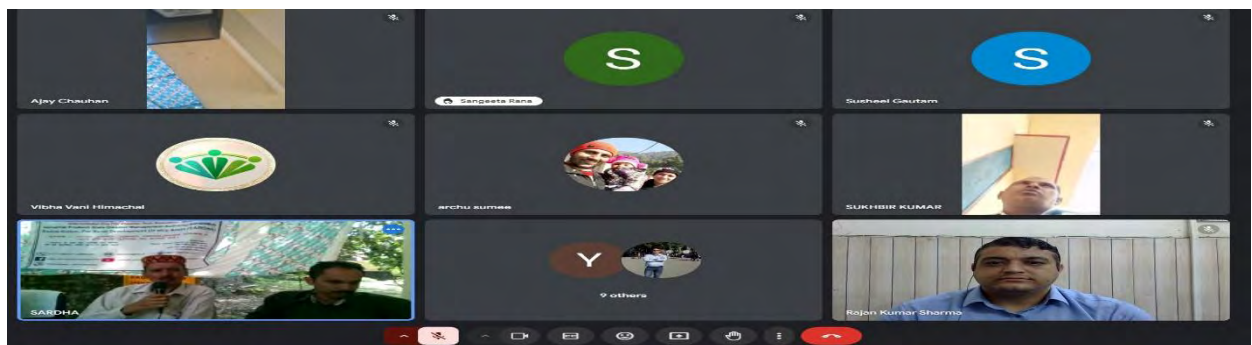
On the occasion of Disaster Risk Reduction (DRR), a joint mock drill practice and public awareness program was successfully organized by DDMA, Home Guards 4th Battalion-Nahan and Adarsh Fire Station Nahan, District Sirmaur (HP) on "Safe Construction Practices" under Samarth-2024 campaign (1-15 October 2024) at Government Senior Secondary School, Malgaon and Government Senior Secondary School, Dadahu- District Sirmaur. In these joint programs, about 340 students and teachers participated in the mock drill practice. On this occasion, heads of the concerned institutions, Home Guards and Fire Station officers and trainers were also present.



District Disaster Management Authority, Sirmaur and Shraddha Voluntary Organization, Paonta Sahib organized a workshop under Samarth-2024 today in Paonta Sahib on the occasion of International Disaster Risk Reduction Day-13 October. During this, this workshop was conducted by Madan Sharma, Convener of District Inter Agency Group. Voluntary organizations of all development blocks in Sirmaur, who are also members of the

District Inter Agency Group, attended this workshop. Members of all development blocks of the district were connected to the program both in practical form and virtual medium. While starting and presiding over this program, Madan Sharma welcomed all the members and gave a detailed presentation regarding today's workshop. As subject expert and keynote speaker, In-charge, District Disaster Management Authority, Sirmaur Rajan Kumar Sharma said that in the year 2022 and 2023, severe damage was seen in district Sirmaur due to southwest monsoon. He urged all the NGOs to construct safe buildings and said that earthquakes do not kill anyone but unsafe buildings cause loss of life and property. He also discussed in detail with the participants about the terrible earthquake that struck Kangra on 4 April 1905. Apart from this, he said that voluntary organizations play an important role in the district and during any kind of disaster, these organizations are able to help people by connecting with the ground level.

He emphasized on various types of identified human and natural disasters in the district such as earthquake, flood, landslide, forest fire, domestic fire, snake bite, dog bite, cloud burst and lightning etc. He told that for this, people at the local level will have to train themselves and the communities around them through various types of preparation and public awareness campaigns before, during and after the disaster. At present, safe building construction is the need of the hour, because earthquake zones 4 and 5 in Himachal Pradesh fall in the highly sensitive category. He urged all the participants to encourage people around them to construct earthquake resistant buildings. In the end, the convener of this workshop, Madan Sharma, Director Shradha NGO thanked and thanked all the participants. On this occasion, about 48 officers/members of other voluntary organizations like Rajan Kumar Sharma, Incharge District Disaster Management Authority, Sirmaur, Madan Sharma, Ramesh Atri, Dheeraj Ramol, Khajan Sharma, Virendra Kapoor, Vijay Bangaliya, Sushil Kumar, Suresh Sharma, Ajay Kumar, Hansraj, Bina Devi, Archana etc. was also present in the workshop.





As per the directions of Himachal Pradesh State Disaster Management Authority and Deputy Commissioner Sirmaur, Sumit Khimta, a one-day workshop was organized today at the District Institute of Education and Training (DIET), Nahan to commemorate the 14th edition of the state-wide public awareness campaign "Samartha 2024". The Deputy Commissioner informed that this workshop is being organized on this year's theme "Safe Building Construction". Junior Engineers, Sub-Divisional Magistrates, and all technical staff from Himachal Pradesh Public Works Department, Jal Shakti Department, Himachal Pradesh Urban Development Authority, Town and Planning Department, District Council, Himachal Pradesh State Electricity Corporation, Block Development Office, Nahan and other related departments are participating in this workshop. He informed that safe building construction techniques and various types of protective activities are being discussed in this workshop. In-charge, District Disaster Management Authority, Rajan Kumar Sharma informed that earthquakes do not kill anyone but unsafe and non-earthquake resistant buildings are responsible for human deaths.

He also discussed with the participants about various types of disasters in Sirmaur district. As a subject expert, Junior Engineer of Himachal Pradesh Public Works Department, Sachin Sharma discussed about the material, technology and design used in safe building construction. In the second session of the program, Junior Engineers of DIET, Nahan, Tapendra Singh and Archana Sharma discussed with the participants about safe building construction, buildings should be constructed only after checking the right place and proper soil quality. Apart from this, he told that before constructing a building in any area, it is very important to take advice from a subject expert or engineer. District Project Officer (Samagra Shiksha) and Principal, District Education and Training Institute, Nahan, Himanshu Bhardwaj participated in the workshop as the chief guest. He emphasized on all the participants to actively discuss and deliberate about "safe building construction" in this workshop. Apart from this, he informed all the participants that this year under "Samartha-2024", the students of Government Senior Secondary School, Saraha of Sirmaur district have received the first prize under the safe building construction model in the senior secondary category in the entire state, which is a matter of joy. The workshop was conducted by spokesperson DIET, Nahan Omkar Sharma. At the end of this workshop, all the successful participants were also honored with certificates and subject experts were given mementos etc. On this occasion, participants from various technical departments, junior engineers, engineers from Town and Planning Department, Jal Shakti, Himuda, District Council and Electricity Department, along with teachers and students of DIET, Nahan were also present.



On the occasion of Disaster Risk Reduction "Samartha 2024" Safe Construction Exercise ", a joint mock drill was organized at Government Senior Secondary School, Sataun (Sirmaur) by the team of DDMA Sirmaur, Home Guard 4th Battalion, Nahan and Fire Station, Paonta Sahib. In which about 325 participants were made aware about various disasters, lifesaving skills and mock drill was also conducted. The Home Guard team was led by Platoon Commander, Rakesh Kumar. In the end, the Principal Government Senior Secondary School, Sataun District Sirmaur expressed his gratitude to all the rescue teams, fire brigade. The school team and its entire staff and students were congratulated for actively participating in this valuable training-cum-awareness program under the state-wide public awareness campaign "SMART-2024" sponsored by the District Disaster Management Authority Sirmaur, Himachal Pradesh. On this occasion, all the students, teachers and non-teaching staff of the school were also present.



On the occasion of Disaster Risk Reduction "Samartha-2024" Safe Construction Exercise ", a joint mock drill was organized at Government Senior Secondary School, Kaffota (Sirmaur) by the team of DDMA Sirmaur, Home Guard 4th Battalion, Nahan and Fire Station, Shillai. In which about 300 participants / students were made aware about various disasters, lifesaving skills and mock drill was also conducted. The Home Guard team was led by Platoon Commander, Naresh Kumar. In the end, the Principal Government Senior Secondary School, Kaffota District Sirmaur expressed his gratitude to all the rescue teams, fire brigade. The school team and its entire staff and students were congratulated for actively participating in this valuable training-cum-awareness program under the state-wide public awareness campaign "Samartha-2024" sponsored by the District Disaster Management Authority

Sirmaur, Himachal Pradesh. On this occasion, all the students, academic and non-academic staff of the school were also present.



As per the directions of Deputy Commissioner Sirmaur, under the ongoing special awareness campaign disaster reduction "Samartha-2024" in district Sirmaur, Giri-Ganga Cultural Team organized folk media programs and made people aware about natural and man-made disasters in the state level Sharad Mahotsav-2024 being organized under sub-division, Paonta Sahib today. During the program, while the artists entertained with songs and music on one hand, they also made people aware about reducing the damage caused by disaster, building earthquake resistant houses, safety measures and precautions in situations like earthquake, landslide, flood and fire through street play. While making people aware during the program, the artists told that in case of an earthquake, the strategy of bend, cover and catch should be adopted and we should collect as much information as possible related to the disaster and share this information with our family, children and elders. So that life can be protected by being aware during the disaster. Apart from the administration, local public representatives and Panchayat representatives, Pradhan Ashwini Kumar, other ward members and local people were especially present in the program.





As per the directions of Deputy Commissioner Sirmaur, today on Friday, on the occasion of Disaster Risk Reduction "Samartha-2024" Safe Construction Exercise ", a joint mock drill was organized by the team of DDMA Sirmaur, Home Guard 4th Battalion, Nahan and Fire Station, Shillai at Government Senior Secondary School, Shillai and Bakras (Sub Division Kaffota) District Sirmaur. In which about 800 participants / students were jointly made aware about various disasters, lifesaving skills and mock drill was also conducted. The Home Guard team was led by Platoon Commander, Naresh Kumar. In the end, the Principal Government Senior Secondary School, Shillai and Bakras, District Sirmaur expressed gratitude to all the rescue teams, fire brigade. The school team and their entire staff and students were congratulated for actively participating in this valuable training-cum-awareness program under the state-wide public awareness campaign "Samartha-2024" sponsored by District Disaster Management Authority Sirmaur, Himachal Pradesh. On this occasion, all the students, educational and non-teaching staff were also present.





Under the joint aegis of District Disaster Management Authority, Sirmaur and Adarsh Fire Station, Nahan, today on 18 October 2024, about 35 students and two teachers of Government Senior Secondary School, Vikram Bagh were given complete information about fire safety and operating fire extinguishers at the Fire Station, Nahan. The team led by Leading Fireman Ramesh Chand from the fire station provided detailed information to the

children about the solutions to be taken after any kind of fire through mock drill. The nodal officer of Government Senior Secondary School, Vikram Bagh was also present on this occasion.



As per the instructions of Deputy Commissioner Sirmour, today on Saturday, on the occasion of Disaster Risk Reduction "Samartha-2024" Safe Construction Exercise, a joint mock drill exercise was organized by the joint teams of DDMA Sirmour, Home Guard 4th Battalion, Nahan and Adarsh Fire Station, Nahan at M/s Pidilite Private Industry Rampur Jatan, Kala Amb District Sirmour. This joint 11-member team was led by Naresh Kumar, Platoon Commander Home Guard Department and Rajesh Kumar, Leading Fireman Adarsh Fire Station, Nahan in the above departments respectively. Platoon Commander Home Guards, Naresh Kumar said that today the employees of about 20 industries were trained in Pidilite Industry under Tehsil Nahan, which is included in the category of major accident risk (MAH) and potential industries. In this context, he also gave information to the employees of the industry about the search and rescue to be done during chemical leakage and fire in various ways. Apart from this, how to use CPR technique in case of sudden heart attack. Training was also given in this regard to revive them through. Leading Fireman Rajesh Kumar of Adarsh Agni Kendra, Nahan provided detailed information to these employees about how to rescue in case of various types of fire incidents. Ravi Sharma, Nodal Officer of this company, said that the above rescue teams and disaster management teams made the company aware about various types of disasters, lifesaving skills and also conducted a mock drill.

In the end, he expressed his gratitude to all these search and rescue and fire teams. District Disaster Management Authority Sirmour congratulated the company team and their entire staff for actively participating in this valuable training-cum-awareness program under the

state-wide public awareness campaign "Samartha-2024" sponsored by the Government of Himachal Pradesh.



Under the joint aegis of District Disaster Management Authority, Sirmaur and Adarsh Fire Station, Nahan, today on 21st October, 2024, about 21 students and two teachers of Government Senior Secondary School, Saraha (Pachhad Sub Division) were given complete information about fire safety and operating fire extinguishers at the Fire Station, Nahan. The team led by Leading Fireman, Ramesh Chand from the fire station provided detailed information to the children about the solutions to be taken after any kind of fire through mock drill. On this occasion, the nodal officer and teachers of Government Senior Secondary School, Saraha were also present.



As per the instructions of Deputy Commissioner Sirmaur, a two-day workshop was organized at the Corps Training Centre Vikram Cancel, Nahan, under the Home Guard Fourth Corps, Nahan, in which about 57 students of Government Senior Secondary School, Kala Amb and Government Senior Secondary School, Surla were given information about disaster by In-charge, Corps Training Centre, Platoon Commander Santosh Kumari and other instructors under the National Skill Qualification Framework. In which they told what things should be known before the disaster occurs. Detailed information was given on the methods to deal with it. Information was also given about first aid, CPR and rifle training. Apart from this,

methods of safely evacuating the injured from the incident site were also told. The students present in the workshop were also given practice. On this occasion, instructors and staff of Home Guard Fourth Corps Training Centre Vikram CANCEL, school representatives and other dignitaries were also present.



As per the directions of Deputy Commissioner Sirmour, today on Wednesday, on the occasion of Disaster Risk Reduction "Samartha-2024" Safe Construction Exercise ", a joint mock drill was organized by the joint teams of DDMA Sirmour, Home Guard 4th Battalion, Nahan and Fire Station, Nahan at Government Senior Secondary School, Saraha and PM Shri Government Senior Secondary School, Narag (Sub Division Pachhad) District Sirmour. In which about 470 participants/students were jointly made aware about various disasters, lifesaving skills and mock drill was also conducted. The Home Guard team was led by Platoon Commander, Naresh Kumar. In the end, the Principal Government Senior Secondary

School, Sarahan and Narag, District Sirmaur expressed gratitude to all the rescue teams, fire brigade. Congratulations to the school team and their entire staff and students for actively participating in this valuable training-cum-awareness program under the state-wide public awareness campaign "Samartha-2024" sponsored by District Disaster Management Authority Sirmaur, Himachal Pradesh. On this occasion, all the students, academic and non-academic staff of these schools were also present.



As per the directions of Deputy Commissioner Sirmaur, today on Thursday, on the occasion of Disaster Risk Reduction "Samartha-2024" Safe Construction Exercise ", a joint mock drill was organized by the joint teams of DDMA Sirmaur, Home Guard 4th Battalion, Nahan and Fire Station, Nahan at Government Senior Secondary School, Sangrah and Nauhradhar District Sirmaur. In which about 490 participants / students were jointly made aware about various disasters, life saving skills and mock drill was also conducted. The Home Guard team was led by Platoon Commander, Naresh Kumar. In the end, the Principal Government Senior

Secondary School, Sangrah and Nauhradhar, District Sirmaur expressed his gratitude to all the rescue teams, fire brigade. The school team and their entire staff and students were congratulated for actively participating in this valuable training-cum-awareness program under the state-wide public awareness campaign "Samartha-2024" sponsored by District Disaster Management Authority Sirmaur, Himachal Pradesh. On this occasion, all the students, educational and non-teaching staff were also present.



As per the instructions of Deputy Commissioner Sirmaur, today on Tuesday, under the Disaster Risk Reduction and Capacity Building Campaign, D.D.M.A. Sirmaur, Home Guard Fourth Battalion, Nahan and Fire Station, Nahan, joint teams of a joint mock drill were organized at Government Senior Secondary School, Birla and Government Senior Secondary School, Surla. In which about 250 students were made aware about various disasters, life-saving skills, capacity building and other technical skills etc. and a mock drill was also organized. The Home Guard team was led by Platoon Commander, Naresh Kumar. In the end, Amit Sharma, Vice Principal, Government Senior Secondary School, Birla District Sirmaur expressed his gratitude to all the rescue teams, fire brigade and also thanked them for this valuable disaster related information. On this occasion, all the students, academic and non-academic staff of the school were also present.



The Nukkad Natak (Street Plays) on “**Samarth-2024**” were also conducted in district Sirmaur in the Month of October, 2024 at various locations where the public gathering was very high: the list of such locations is given as under:

1. Paonta, Kaffota, Ronhat, Nohradhar, Rajgarh and Rajpur bus stand
2. GDC, Haripurdhar, Sangrah, Paonta Sahib, Nahan etc.
3. ITI Rajgarh, some main bazaar of Nohradhar, Haripurdhar and Nahan

There is total 16 locations, where the IPER and DDMA Sirmaur was conducted the street plays and nukkarnatak on disaster management for promoting the safe

construction practices in the Himachal Pradesh state in view of high frequency of various disasters in the state.

The Education department and Himachal home guards, Sirmour both the departments were also conducted the multiple events on the occasion of state wide mass awareness campaign on ‘Samarth-2024’ in district Sirmour w.e.f. 1st to 30th October, 2024.

Some Newspapers cuttings of “Samarth-2024” a mass awareness campaign in district Sirmour, Himachal Pradesh w.e.f. 1st to 30th October, 2024

पंजाब
केसरी

SAT, 19 OCTOBER 2024
EDITION: SOLAN KESARI, PAGE NO. 4

बच्चों ने सीखा अग्निशमन यंत्र चलाना बच्चों ने किया अग्निशमन केंद्र नाहन का भ्रमण

नाहन, 18 अक्टूबर (चंद्र) : जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं आदर्श अग्निशमन केंद्र नाहन के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को दमकल केंद्र नाहन में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला विक्रम बाग के लगभग 35 छात्रों व

2 अध्यापकों को अग्नि सुरक्षा व अग्निशामक यंत्रों को चलाने के बारे में जानकारी दी गई। अग्निशमन केंद्र से लीडिंग फायरमैन रमेश चंद की अगुवाई में टीम द्वारा बच्चों को मॉक अभ्यास के जरिए किसी भी तरह की आग लगने के उपरांत किए जाने वाले समाधानों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला विक्रम बाग के नोडल अधिकारी भी उपस्थित रहे।

दिव्य हिमाचल

भूकंप आने पर झुको, ढको और पकड़ो की रणनीति अपनाएं



विशेष प्रचार अभियान

पांवटा साहिब। सिरमौर में चल रहे विशेष जागरूकता अभियान आपदा न्यूनीकरण समर्थ-2024 के तहत आज उपमंडल पांवटा के राजपुर और पांवटा साहिब में शरद महोत्सव में सूचना एवं जन संपर्क विभाग से अनुमोदित गिरि गंगा सांस्कृतिक दल ने लोक मीडिया कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों को प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान लोगों को जागरूक करते हुए कलाकारों ने बताया कि भूकंप आने की स्थिति में झुको, ढको और पकड़ो की रणनीति को अपनाना चाहिए, तथा हमें आपदा से संबंधित ज्यादा से ज्यादा जानकारियां इकट्ठी करनी चाहिए और इन जानकारियों को अपने परिवार एवं बच्चों और बुजुर्गों के साथ साझा करना चाहिए, ताकि आपदा के समय जागरूक रह कर जीवन सुरक्षित किया जा सके।



नाहन : दमकल केंद्र नाहन में विक्रम बाग स्कूल के बच्चे व दमकल विभाग के कर्मचारी संयुक्त चित्र में (अब्दुल)

मानव निर्मित आपदा के बारे में किया जागरूक

नाहन। जला सिरमौर में चल रहे विशेष जागरूकता अभियान आपदा न्यूनीकरण समर्थ-2024 के तहत बुधवार को उपमंडल पांवटा साहिब के राजपुर व पांवटा साहिब में चल रहे शरद महोत्सव में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से अनुमोदित गिरि गंगा सांस्कृतिक दल ने फोक मीडिया कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों को प्राकृतिक व मानव निर्मित आपदाओं के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने जहां एक ओर गीत-संगीत से मनोरंजन किया। वहीं नुक्कड़ नाटक द्वारा भूकंपरोधी मकान बनाने, आपदा के नुकसान को कम करने, भूकंप, भू-स्खलन, बाढ़ व आगजनी जैसी स्थिति में सुरक्षा उपायों व सावधानियों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान लोगों को जागरूक करते हुए कलाकारों ने बताया कि भूकंप आने की स्थिति में झुको, ढको व पकड़ों की रणनीति को अपनाना चाहिए तथा हमें आपदा से संबंधित ज्यादा से ज्यादा जानकारियां इकट्ठी करनी चाहिए और इन जानकारियों को अपने परिवार, बच्चों व बुजुर्गों के साथ सांझा करना चाहिए।

कफोटा स्कूल में मॉक ड्रिल का आयोजन



कफोटा स्कूल में बच्चों को अग्न से बचाव को लेकर जानकारी देते कर्मी। संवाद

शिलाई। आपदा जोखिम न्यूनीकरण समर्थ-2024 सुरक्षित निर्माण अभ्यास के अवसर पर डीडीएमए सिरमौर, होमगार्ड चतुर्थ बटालियन, नाहन और अग्निशमन केंद्र, शिलाई की टीम ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कफोटा (सिरमौर) में संयुक्त मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 300 प्रतिभागियों/विद्यार्थियों को विभिन्न आपदाओं, जीवन रक्षक कौशल के बारे में जागरूक किया गया और मॉकड्रिल भी करवाई गई। होमगार्ड टीम का नेतृत्व प्लाटून कमांडर, नरेश कुमार ने किया। संवाद

छात्रों ने सीखे पर्यटन व्यवसाय के गुर

संगड़ाह। राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला संगड़ाह के विद्यार्थियों ने हरिपुरधर के निकट मानव हिल रिसॉर्ट में दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान पर्यटन व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं का प्रशिक्षण प्राप्त किया। विद्यालय के जमा एक और जमा दो कक्षा के 50 छात्र-छात्राओं ने कुकिंग, कैटरिंग, हाउस कीपिंग और होटल मैनेजमेंट की अनेक विधाओं का व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। रिसॉर्ट के प्रबंध निदेशक मेला राम शर्मा ने भी छात्रों का ज्ञानवर्धन किया। इस अवसर पर पाठशाला से ओमप्रकाश पुंडीर, रजनीश कौंडल और पूनम आदि मौजूद रहीं। संवाद

हिमालयन संस्थान में मॉक अभ्यास का आयोजन

कालाअंब। हिमालयन संस्थान कालाअंब में आपदा प्रबंधन विषय पर जन-जागरूकता अभियान और मॉक अभ्यास का आयोजन किया गया। हिमालयन संस्थान के उपाध्यक्ष विकास बंसल ने बताया कि जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सिरमौर के सहयोग से संस्थान में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 24 सदस्यीय टीम ने आपदा प्रबंधन को लेकर जन-जागरूकता, चर्चा, विचार-विमर्श एवं मॉक अभ्यास आयोजित किया। संवाद

EMERGENCY CONTACT NUMBER

District Toll Free No: 1077

Fire Toll Free No. 101

Common Emergency No. 112

Police Toll Free No. 100

Health Toll Free No. 108

State EOC toll free No. 1070

CM Sewa Helpline No. 1100



Thanks, with regards

District Disaster Management Authority

District Sirmour, Himachal Pradesh

*Email: ddma-sir-hp@gov.in,
deocsirmour@gmail.com*

Toll free No. DEOC: 1077

Tel No. 01702-226405

REPORT
ON
Celebration of SAMARTH -2024
(1st October 2024 to 31st October 2024)
on the occasion of
“International Day of Disaster Risk Reduction (IDDRR)”



2024

A Mass Awareness Campaign for Disaster Risk Reduction

“Empowering the next generation for a resilient future”

DISTRICT DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY
DISTRICT – SOLAN

SAMARTH – 2024

Every year the SAMARTH event is being celebrated on 13th October to raise the awareness about the Disaster Risk Reduction (IDDR) measures. The event is named SAMARTH, and its spans two weeks in which various activities are organized at the State, District and Local Level, including workshops, exhibitions, various competitions and street plays at community level, and Gram Sabha Meetings at each Gram Panchayat.

Following Activities done under the banner of SAMARTH by District Disaster Management Authority Solan:

S. No.	Activity	Venue	Dates
1.	Gram Sabha Meeting	Gram Sabha Meeting at each Gram Panchayat with a agenda regarding the Disaster Risk Reduction promoting Safe Construction Practices.	02-10-2024
2.	Nukkad Natak <i>(Nukkad Nataks at each Sub-Division of District Solan on Disaster Awareness and Safe Construction has been conducted by the Kala Manch.)</i>	Kandaghat Sub- Division – 1. GSSS Kandaghat 2. Gram Panchayat Wakna	18-10-2024
		Sub- Division Kasauli – 1. GSSS Kuthar 2. GSSS Chandi	08-10-2024
		Solan Sub-Division – 1. GBSSS Solan 2. Ganj Bazar Solan	21-10-2024
		Sub- Division Nalagarh 1 GSSS, Baddi 2 Truck Operators’ Union Baddi 3 GGSSS Nalagarh 4 GSSSS Joghon (Nalagarh)	21-10-2024 & 22-10-2024
		Arki Sub- Division: 1. Gram Panchayat Surajpur 2. GSSSS Kunihar	15-10-2024
3.	A District Level Competition on "Safe Construction	Meeting Hall, DC Office, Solan	05-10-2024

	Practices/ Models in coordination with Higher Education		
4.	Mock Drill at Government Degree College, Solan	Government Degree College, Solan	15-10-2024
5.	One Day Workshop roles and responsibilities of youth in Disaster Risk Reduction (DRR):	Meeting Hall, Zila Parisad, District Solan	16-10-2024
6.	On 17-10-2024 ADRA NGO and aapda mitra aware the general public by distribution of IEC material on safe construction practices and SAMARTH booklets during the local mela at Salogra.	Gram Panchayat – Salogra	17-10-2024
7.	One day workshop on Safe Construction Practices and Bio-Engineering concepts in Disaster Risk Reduction:	Meeting Hall, Zila Parisad, District Solan	19-10-2024
8.	Training for the media person on Role of Media in Disaster Management:	Meeting Hall, Zila Parisad, District Solan	21-10-2024
9.	Competition for all the schools by BPEO/ Deputy Director Higher & Elementary Education.	<ol style="list-style-type: none"> 1. Slogan Writing 2. Quiz on Disaster 3. Painting and Poster Making 4. Essay Writing 	October 2024

On October 2, 2024, on the occasion of SAMARTH -2024, in coordination of District Disaster Management Authority, Solan, Gram Shabha meeting was held include the agenda of Comprehensive Mass Campaign for International Day for Disaster Risk Reduction (IDDRR), **"Promoting Safe Construction Practices at Gram Panchayat Level"**.



On the occasion of SAMARTH-2024 - A District Level School Competition on "**Safe Construction Practices/ Models**" took place on 05-10-2024 at the Meeting Hall, DC Office Solan, organized by the District Disaster Management Authority, Solan in coordination with Higher Education, Solan. In this competition students from various schools across the District showcased their innovative ideas and commitment to safety.





Mock Drill at Government Degree College, Solan

Mock drill at Government Degree College, Solan was organized by DDMA Solan in collaboration with Home Guard & Civil Defence, Fire, Police, Health Department and Revenue Staff on 15-10-2024.

मॉकड्रिल : 15 विद्यार्थियों को आई भूकंप से चोटें

सोलन। सोलन महाविद्यालय में भूकंप के कारण लगभग 15 बच्चों को चोटें आईं। स्वास्थ्य जांच के उपरांत पाया गया कि इनमें से पांच बच्चों की हड्डी भी टूटी है। भूकंप के कारण एक बच्चे की मृत्यु भी हो गई। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सोलन की ओर से राजकीय महाविद्यालय सोलन में मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों सहित एनएसएस, एनसीसी के लगभग 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिला आपदा प्रबंधन के विशेषज्ञ प्रदीप ठाकुर ने आपदा के समय बचाव के लिए किए जाने वाले बचाव कार्य व उपाय के बारे में विस्तृत जानकारी दी।





Samsung Galaxy A52s 5G



Samsung Galaxy A52s 5G



Galaxy A52s 5G



One Day Workshop roles and responsibilities of youth in Disaster Risk Reduction (DRR):

On October 16, 2024, the District Disaster Management Authority Solan organized insightful one-day training for the volunteers of NYKS, NSS, Scouts & Guides, Aapda Mitras and DIAG members (NGOs) on Disaster Risk Reduction (DRR) and their Roles & Responsibilities under Samarth 2024 at the Conference Hall, Zila Parishad, District Solan. This workshop focused on the vital topics of Disaster Risk Reduction (DRR) and the roles and responsibilities of volunteers in disaster management. Participants engaged in discussions, practical exercises, and shared valuable insights to enhance our collective readiness for disaster scenarios.



One day workshop on Safe Construction Practices and Bio-Engineering concepts in Disaster Risk Reduction:

On October 19, 2024, Glimpse of one day workshop on **Safe Construction Practices and Bio-Engineering concepts in Disaster Risk Reduction** was conducted at Zila Parishad, District Solan to all technical departments PWD, JSV, HPSEBL, MCs, Horticulture and Agriculture department.





Training for the media person on Role of Media in Disaster Management:

On October 21, 2024, Glimpse of Half day workshop "Role of Media in Disaster Management" was organised for the media persons at Meeting Hall, Zila Parishad, District Solan during SAMARTH -2024.



On October 17, 2024, ADRA NGO and Aapda Mitra volunteers aware the general public by **distribution of IEC material on safe construction practices and SAMARTH booklets** during the local Mela at Salogra.



Under the disaster management program, Mock drill and demonstration was held at Govt. Sr. Sec. School, Goyla by Home Guard and Fire team.



Nukkad Natak Performance in Solan District

(Nukkad Nataks/ Street Plays were performed in various location of the district Solan (2 Nukkad Natak In each Sub- Division) to aware the general public and students about the Disaster Risk Reduction and Safe Construction Practices)

Nukkad Natak at Sub-Division Arki



Nukkad Natak at Sub-Division Nalagarh & Baddi



Nukkad Natak at Sub-Division Solan



Nukkad Natak at Sub-Division Kasauli



Various School Activities during the SAMARTH - 2024:

Painting Competition on Samarth 2024

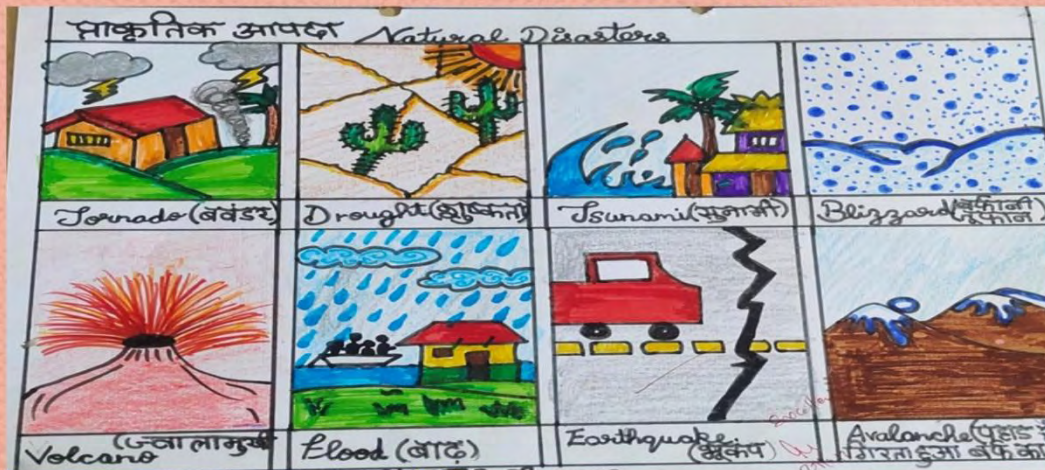








प्रकृति देती हमें जीवन,
आओ करें इसका सम्मान



AAPDA
PEOPLE SHOULD WORK TO
GET HER AND SUPPORT EACH
OTHER DURING AND AFTER
A DISASTER.

Mock Drill Activity Conduct during Samarth 2024



















Quiz Competition (School Level) during Samarth 2024



आपदा प्रबंधन टीम ने कक्षाओं में फंसे विद्यार्थियों को निकाला

सोलन। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डगशाई में आपदा प्रबंधन से संबंधित मॉकड्रिल हुई। प्रधानाचार्य कमल किशोर शर्मा एवं डीपी विकास सकलानी ने विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन की जानकारी दी। उसके बाद मॉकड्रिल करवाने के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया।

इसके बाद सायरन बजाकर विद्यार्थियों को भूकंप से सचेत किया गया और सूचना समिति द्वारा जानकारी एकत्रित करके, राहत व बचाव समिति को सौंपी गई। फिर राहत व बचाव समिति द्वारा घायल व कक्षा में फंसे विद्यार्थियों को कमरे से निकाल कर सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया, चिकित्सा समिति द्वारा घायल विद्यार्थियों का उपचार किया गया। संवाद

ब्यूरो, दैनिक हिमाचल न्यूज:- आपदा जोखिम न्यूनीकरण 'समर्थ' कार्यक्रम के तहत सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के सौजन्य से 31 अक्टूबर तक लोगों को आपदा से निपटने के लिए गीत-संगीत एवं नाटकों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है।



मॉकड्रिल : 15 विद्यार्थियों को आई भूकंप से चोटें

सोलन। सोलन महाविद्यालय में भूकंप के कारण लगभग 15 बच्चों को चोटें आईं। स्वास्थ्य जांच के उपरांत पाया गया कि इनमें से पांच बच्चों की हड्डी भी टूटी है। भूकंप के कारण एक बच्चे की मृत्यु भी हो गई। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सोलन की ओर से राजकीय महाविद्यालय सोलन में मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों सहित एनएसएस, एनसीसी के लगभग 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिला आपदा प्रबंधन के विशेषज्ञ प्रदीप ठाकुर ने आपदा के समय बचाव के लिए किए जाने वाले बचाव कार्य व उपाय के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

आपदा के बारे में किया जागरूक

सोलन। आपदा जोखिम न्यूनीकरण समर्थ कार्यक्रम के तहत सूचना एवं जन संपर्क विभाग की ओर से 31 अक्टूबर तक लोगों को आपदा से निपटने के लिए गीत-संगीत एवं नाटकों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है।

समर्थ कार्यक्रम के तहत मंगलवार अर्की विधानसभा क्षेत्र की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सूरजपुर, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला घड़याच में पूजा कलामंच बाड़ीधार सरयांज, सोलन के कलाकारों द्वारा आपदा से निपटने के उपायों पर लोगों को जागरूक किया गया। कलाकारों द्वारा जानकारी दी गई कि भूकंप, भूस्खलन चक्रवात आदि आपदाएं अचानक से ही आ जाती हैं।

इन आपदाओं को रोका तो नहीं जा सकता लेकिन इनसे बचने के इंतजाम पहले से ही किए जा सकते हैं। उपायों के माध्यम से जान-माल के नुकसान को कम किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल एक संवेदनशील राज्य है। जहां पर वर्षा, भूकंप या बाढ़, जमीन धंसने की घटनाओं की संभावना अधिक रहती है। संवाद

आपातकालीन हैल्पलाईन नम्बर

एमरजैन्सी के दौरान सम्पर्क करें :-

एकल आपातकालीन नंबर

 112


पुलिस कंट्रोल रूम नंबर

 100

आग लगने पर कॉल करें

 101

एम्बुलेंस हैल्पलाईन नंबर

 102/108

चाईल्ड हैल्पलाईन नंबर

 1098

गुड़िया हैल्पलाईन नंबर

 1515

राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र

 1070

जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्र

 1077

साईबर क्राइम सेल

 1930

महिला पुलिस हैल्पलाईन नंबर

 1091

होशियार सिंह हैल्पलाईन

 1090

DISTRICT DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY SOLAN (H.P.)
TOLL FREE NO. : 1077 TELEPHONE NO. : 01792-220049, 220882



A Report on
Celebration of SAMARTH -2024 (1st October 2024 to 15th October 2024) on
the occasion of
“International Day of Disaster Risk Reduction (IDDRR)”



A Mass Awareness Campaign for Disaster Risk Reduction

“Empowering the next generation for a resilient future”

District Disaster Management Authority (DDMA),
Una, Himachal Pradesh

SAMARTH – 2024

Every year the SAMARTH event is being celebrated on 13th October to raise the awareness about the Disaster Risk Reduction (IDDR) measures. The event is named SAMARTH, and its spans two weeks in which various activities are organized at the State, District and Local Level, including workshops, exhibitions, various competitions and street plays at community level, and Gram Sabha Meetings at each Gram Panchayat.

Following Activities done under the banner of SAMARTH by District Disaster Management Authority Una:

S. No.	Activity	Action	Venue	Dates
1.	Gram Sabha Meeting	Direction has been issued to DPO, and DRDA to organize the Gram Sabha Meeting on 2 nd October 2024.	Gram Sabha Meeting at each Gram Panchayat with agenda regarding the Disaster Risk Reduction.	02-10-2024
2.	Nukkad Natak	NukkadNatak on Disaster Awareness and Safe Construction has been conducted by the Folk Groups.	Una	
			1. Bus Stand Una	07.10.2024
			2. Bus stand Santoshgarh	07.10.2024
			Amb	
			1. Bus Stand Chintpurni	11.10.2024
			2. Gram Panchayat Panjoa	11.10.2024
			Bangana	
			1. Gram Panchayat Dhundla	10.10.2024
			2. Gram Panchayat Raipur Maidan	10.10.2024
			Haroli	
			1. Bus Stand Haroli	08.10.2024
			2. GP Bathu	08.10.2024
			3.	
			Gagret	
1. Gram Panchayat Ghanari	09.10.2024			
2. Bus Stand Gagret	09.10.2024			
3.	Popularization of School Safety App	Elementary & Higher Education: UDISE code of the Government and Private Schools of the district has been activated by DDMA Una.		01-10-2024to 15-10-2024
4.	Competition for all the schools by BPEO/ Deputy Director Higher & Elementary Education.	Higher Education and Elementary Education had conducted the activities under the SAMARTH 2024.	1. Slogan Writing 2. Quiz on Disaster 3. Painting and Poster Making 4. Essay Writing	02-10-2024 to 09-10-2024

5.	Training and Capacity building on Safe Construction practices	Training was imparted to the District & Block Level J.Es and technical Assistant of the Panchayati Raj Department regarding safe construction practices activities	30-09-2024
6.	Remembrance to the peoples who lost their lives due to the disasters.	All Educational Institutions Schools, Colleges, ITIs had conducted the 2 Minutes Silence and remembrance to the peoples who lost their lives due to the disasters on 14 th October 2024.	12-10-2024
7.	Mock Drill on Fire Safety	Mock Drill Conducted at New Mini Secretariat, District HQ, Una on 14-10-2024, 11.00 AM to aware the general public, Office Staff and preparedness of the District Administration.	14-10-2024

Some Glimpse of Activities of SAMARTH

1. Gram Sabha Meeting:-

The Gram Sabha meeting of 2 October focused on *Disaster Management and Safe Construction Practices*. The session highlighted the importance of proactive disaster preparedness at the village level and emphasized safe construction as a critical factor in reducing risk during disasters. Under *Samarth - 2024*, as part of *International Disaster Risk Reduction Week*, the District Disaster Management Office, Una, organized a public awareness campaign on earthquake and flood-safe construction across all panchayats in the Una district. Engineers and technical assistants from the district and block levels raised awareness among villagers about the importance and methods of safe construction.

Along with government departments, eight non-governmental organizations played an active role in this campaign. These included *EkMaukaEkUmeed Gagret*, *Ankur Welfare Association Gagret*, *District Red Cross Society Una*, *Blood Lions Una*, *ChintpurniVikasSamiti Amb*, and *Society for Human Awareness Motivation and Action (SHAMA)*. Additionally, *AapdaMitra* volunteers and youth volunteers trained by the District Disaster Management Authority also contributed by educating people at the village level and in Gram Sabha meetings.

Industries in the Una district also supported the campaign. *Nestle India Private Limited*, *Tahliwal* organized an awareness camp in *JalgranTabba* village, while *Salson Steel Industrial Unit Gagret* conducted awareness activities on safe construction in the *Ambota Panchayat* of *Gagret block*.





In the JalgranTabba Gram Panchayat, an awareness camp on safe construction was organized with the collaboration of the District Disaster Management Office Una, Block Development Office Una, and Nestle India Limited. The Block Development Officer of Una, Mr. Kishori Lal Verma, also educated the people present in the Gram Sabha about safe construction practices.



In the Rainsari Gram Panchayat, an awareness camp on safe construction was organized with the collaboration of the District Disaster Management Office Una, Block Development Office Una, and the Society for Human Awareness, Motivation, and Action (SHAMA). The Block Development Officer of Una, Mr. Kishori Lal Verma, also informed the people present in the Gram Sabha about safe construction practices.



**V. Nangal Jarialan
Block Gagret**



**V. Dangoh Khas
Block Gagret, Una**








Building a Safer Future: Community Awareness Program on Safe Construction Practices

Organised by
Ek Mauka Ek Umeed NGO
(Convener, District Inter Agency Group, Una)
in collaboration with District Disaster Management Una
District Disaster Management Authority (DDMA) Una
O/o Deputy Commissioner, Una (H.P.)

Contact No: 01975- 225049, 225045, 225046, 225052, 225059 Toll Free: 1077
Email: ddmauna@gmail.com, Facebook Page: facebook.com/ddmauna



Building a Safer Future: Community Awareness Program on Safe Construction Practices

Organised by
Ek Mauka Ek Umeed NGO
 (Convener, District Inter Agency Group, Una)
 in collaboration with District Disaster Management Una
District Disaster Management Authority (DDMA) Una
 O/o Deputy Commissioner, Una (H.P.)

Contact No: 01975- 225049, 225045, 225046, 225052, 225059 Toll Free: 1077
 Email: ddmauna@gmail.com, Facebook Page: facebook.com/ddmauna



"Building a Safer Future: Community Awareness Program on Safe Construction Practices"

Organised by
Ek Mauka Ek Umeed NGO
 (Convener, District Inter Agency Group, Una)
 in collaboration with District Disaster Management Una
District Disaster Management Authority (DDMA) Una
 O/o Deputy Commissioner, Una (H.P.)

Contact No: 01975- 225049, 225045, 225046, 225052, 225059 Toll Free: 1077
 Email: ddmauna@gmail.com, Facebook Page: facebook.com/ddmauna

Building a Safer Future: Community Awareness Program on Safe Construction Practices

Organised by
Ek Mauka Ek Umeed NGO
 (Convener, District Inter Agency Group, Una)
 in collaboration with District Disaster Management Una
District Disaster Management Authority (DDMA) Una
 O/o Deputy Commissioner, Una (H.P.)

Contact No: 01975- 225049, 225045, 225046, 225052, 225059 Toll Free: 1077
 Email: ddmauna@gmail.com, Facebook Page: facebook.com/ddmauna

**V. Bharderkali,
 Block Gagret, Una**



**GP Bhaderkali
Block Gagret**

In the Gram Panchayats of Bhadrakali, Amboa, Ghanari, Ambota, and Dangoh in the Gagret block, the organization *EkMaukaEkUmeed* from Gagret raised awareness among the people present in the Gram Sabha on the topics of safe construction and disaster management.

"Building a Safer Future: Community Awareness Program on Safe Construction Practices"

Organised by
Chintapurni Vikas Smiti
(Member, District Inter Agency Group, Una)
in collaboration with District Disaster Management Authority (DDMA) Una
O/o Deputy Commissioner, Una (H.P.)

Contact No: 01975- 225049, 225045, 225046, 225052, 225059 Toll Free: 1077
Email: ddmauna@gmail.com, Facebook Page: facebook.com/ddmauna

पंचायत: अप्पर अंदौरा
ब्लॉक: अम्ब
जिला: ऊना, हि०प्र०



"Building a Safer Future: Community Awareness Program on Safe Construction Practices"

Organised by
Chintapurni Vikas Samiti
 (Member, District Inter Agency Group, Una)
 in collaboration with District Disaster Management Una
District Disaster Management Authority (DDMA) Una
 O/o Deputy Commissioner, Una (H.P.)

Contact No: 01975- 225049, 225045, 225046, 225052, 225059 Toll Free: 1077
 Email: ddmauna@gmail.com, Facebook Page: facebook.com/ddmauna

पंचायत: लोअर अंदौरा
ब्लॉक: अम्ब
जिला: ऊना, हि०प्र०



In the Gram Panchayats of Lower Andora, Upper Andora, Sapori, and KuthedaKhairla in Amb block, and Kalruhi Gram Panchayat in Gagret block, the organization *Chintapurni Vikas Samiti Amb* raised awareness among the people present in the Gram Sabha on the topics of safe construction and disaster management.



At the Government Senior Secondary School Ambota, the *Ankur* organization from Gagret, along with *AapdaMitra* volunteers Anita and Ashish, conducted an awareness session on disaster management for school students. The organization continued this campaign in various schools until October 14, 2024.









"Building a Safer Future: Community Awareness Program on Safe Construction Practices"

4 Copies

Organised by
Blood Lions, Una
(Member, District Inter Agency Group, Una)
in collaboration with District Disaster Management Una
District Disaster Management Authority (DDMA) Una
O/o Deputy Commissioner, Una (H.P.)

Contact No: 01975- 225049, 225045, 225046, 225052, 225059 Toll Free: 1077
Email: ddmauna@gmail.com, Facebook Page: facebook.com/ddmauna



In the Balh Gram Panchayat of Bangana block, the *Blood Lions* organization from Una raised awareness among people present in the Gram Sabha on the topics of safe construction and disaster management.



In the Badoli Gram Panchayat of Una block, the District Red Cross Society Una raised awareness among the people present in the Gram Sabha on the topics of safe construction and disaster management.



In the Ambota Gram Panchayat, the Salson Steel Industrial Unit Gagret and the *EkMaukaEkUmeed* organization, with the support of the Block Development Officer of Gagret, raised awareness among the people present in the Gram Sabha about safe construction practices.



In the Bhadsali Gram Panchayat of Haroli block, Aapda Mitra Jagdeep raised awareness among the people present in the Gram Sabha on the topic of disaster management.



In Gram Panchayat Palakwah, Development Block Haroli, the youth volunteers of District Disaster Management raised awareness on the topic of disaster management among the people present in the Gram Sabha.



Youth volunteers from District Disaster Management, Una, participated in the Gram Sabha at Gram Panchayat Lower Basal, Development Block Una.



In Gram Panchayat Peepalu, Development Block Bangana, Akshay, a disaster volunteer (Aapda Mitra) from District Disaster Management, raised awareness on the topic of disaster management among the people present in the Gram Sabha.

पंजाब
केसरी WED, 02 OCTOBER 2024
EDITION: UNA KESARI,

धलवाड़ी स्कूल में समर्थ कार्यक्रम शुरू

भरवाई, 1 अक्टूबर (जुगल): राजकीय उच्च पाठशाला धलवाड़ी में आपदा मित्र संदीप शर्मा के मार्गदर्शन में इंटरनेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन सप्ताह के अंतर्गत समर्थ नामक कार्यक्रम की शुरुआत की गई। संदीप शर्मा ने बताया कि राज्य स्तर पर 1 से 13 अक्टूबर तक समर्थ कार्यक्रम मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को आपदाओं के बारे में जागरूक किया जाएगा।

मुख्याध्यापक सुधीर गौतम ने बताया कि समर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत आपदा प्रबंधन हेतु राजकीय उच्च विद्यालय धलवाड़ी में प्रतिदिन गतिविधियां अमल में लाई जाएंगी जिसमें प्रार्थना सभा में आपदा प्रबंधन की जानकारी शिक्षकों द्वारा दी जाएगी। इस मौके पर भाषण व पेंटिंग प्रतियोगिता करवाई जाएगी, साथ ही फ्लैश फ्लड एवं भूकंप के दौरान बचाव कार्यों की माकड्रिल भी करवाई जाएगी।

2.Nukkad Natak Performance in all Sub Division of District Una

NukkarNatak/ Street Plays served as an effective tool for disseminating crucial information regarding disaster risks and responses to the community. To ensure the success of this campaign, DDMA Una collaborate with empanelled Folk groups identified by DPRO Una for the execution of a total 10 NukkarNatak/ Street Play, minimum three in each Sub-division across the District from 1st to 15th October 2024 at mass gathering places. These plays were performed in various location of the district mainly in public places, schools, Technical Institutions, Colleges etc. to aware the general public and students about the Disaster Risk Reduction and Safe Construction Practices.



OPPO A12
2024/10/08 14:18





3. Some Glimpse of District level competitions of the Topic of Safe Construction Model organised by Education Department and DDMA Una:

Block Level Competition:-

Sr. No.	Block	Date	Venue
1	Una	25.09.2024	G.Girls. SSS Una
2	Haroli	25.09.2024	GSSS Haroli
3	Bangana	25.09.2024	GSSS Thanakalan
4	Gagret	25.09.2024	GSSS Kaloh
5	Amb	25.09.2024	GSSS Amb

Some Glimpses of District Level Competition:-

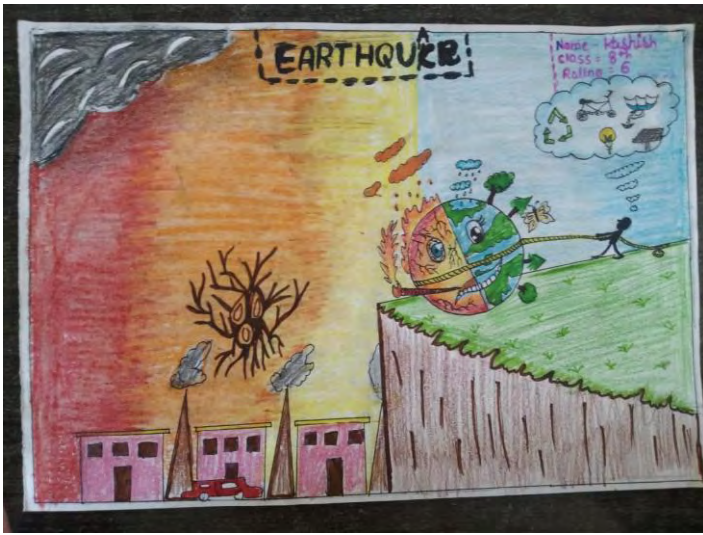


4. Some Glimpses of various activities conducted in Various schools

Competitions for schools, from 1st to 9th October 2024 on Disaster Risk Reduction.

- i. Slogan Writing Competition (on placards).
- ii. Quiz Disasters.
- iii. Painting and Poster Making Competition.
- iv. Essay Writing Competition for Schools.





QUIZ COMPETITION

TEAM	Q1	Q2	Q3	Q4	Q5	Q6	Q7	Q8	Q9	Q10	Total
A 1	10	10	10	10	10	10	10	10	10	10	125
A 2	0	0	10	10	10	10	0	10	10	5	110
B 1	10	10	0	0	10	10	0	0	10	10	60
B 2	0	0	10	0	0	10	0	0	0	10	30
C 1	0	10	10	10	10	10	0	0	10	0	75
C 2	5	10	0	0	0	0	0	0	0	0	105
D 1	5	10	10	0	10	0	10	0	0	0	30
D 2	10	10	10	0	10	0	0	10	10	0	55
											65



Topic..... Date.....

आपदा प्रबंधन

आपदा एक प्रकार की बड़ी समस्या या संकट है जिसे रोक पाना बहुत ही मुश्किल है। आपदा कुछ समय के लिए ही होती है लेकिन इतने से समय में ही ये जीवन और संपत्ति का बड़े पैमाने पर नुकसान कर देती है।

आपदा प्राकृतिक या मानव निर्मित हो सकती है। भूकम्प, तूफान, चक्रवात, सुनामी, बाढ़, सूखा, बिजली गिरना और जंगलों में आग लगना प्राकृतिक आपदा के उदाहरण हैं। आतंकवाद, फंजी और कोरोना महामारी कुछ मानव जनित आपदा के उदाहरण हैं।

इन प्राकृतिक और मानव जनित आपदाओं से जीवन और संपत्ति को रक्षा करने के लिए उचित उपाय बनाना ही आपदा प्रबंधन है। आपदा प्रबंधन हमें इन आपदाओं से होने वाले हमारी नुकसान को कम करना सिखाता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्रथिकरण भारत सरकार द्वारा 30 मई 2005 को स्थापित किया गया था जो सरकार को प्राकृतिक और मानव जनित आपदाओं के प्रबंधन के बारे में विभिन्न योजनाएं बताता है।

5. Some Glimpse of remembrance to the peoples who lost their lives due to the disasters on 12th October 2024 in all educational institutions Schools, Colleges, ITIs had conducted the 2 Minutes Silence.



6. Some Glimpse of Mock Drill Activities in all Educational Institutions of District Una on 14th October 2024





7. District level Workshop on the Safe Construction practices and EQ retrofitting for the District level AE, JEs

As a part of this campaign, one of the key activity is a Training and capacity building on safe construction Practices of ESS Staff, PRIs, ULBs & Education Institutions on Safe Construction Practices. In view of this, one day awareness workshop on safe construction Practices at DRDA Una for the members of PRI on 23-09-2024.





8. Some Glimpse of Block Level workshop for Safe Construction Practices

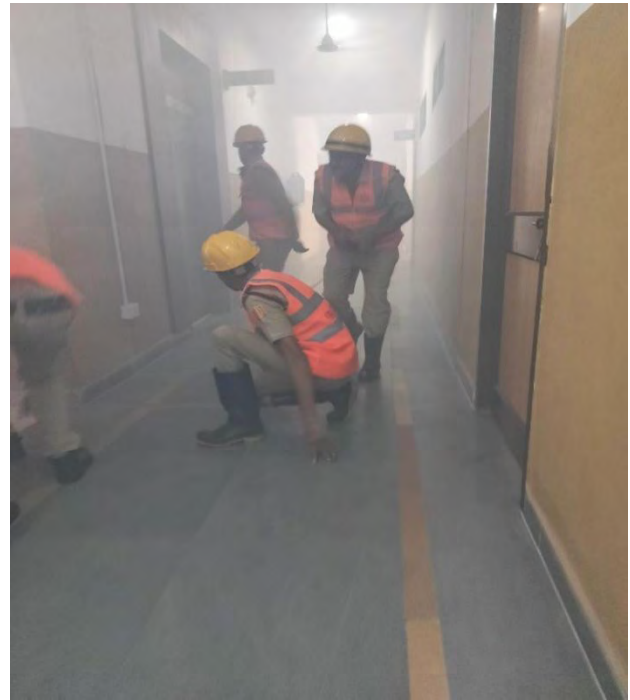




9. Some glimpse of Mock Drill on fire scenario conducted at New Mini Secretariat, District HQ, Una.

Mock Drill Conducted at New Mini Secretariat, District HQ, Una on 14-10-2024, 11.00 AM to aware the general public, Office Staff and preparedness of the District Administration.







10. Media Coverage

स्वयंसेवकों को बताए आग से बचाव के गुर ऊना। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जंगड़ा में चल रहे एनएसएस शिविर में बुधवार को विशेष सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें स्वयंसेवकों ने सुबह के सत्र में स्कूल परिसर में साफ-सफाई का कार्य किया। वहीं शाम के सत्र में अग्निशमन विभाग के अधिकारियों द्वारा स्वयंसेवकों को आग की रोकथाम के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान उन्होंने स्वयंसेवकों को अग्नि के प्रकार, कारण और उनकी रोकथाम के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस मौके पर एनएसएस स्वयंसेवी, एनएसएस अधिकारी हरीश पाल शर्मा और परवेश कुमारी उपस्थित रहे।



चिंतपूर्णा : जागरूकता रैली निकालते चिंतपूर्णा के छात्र।

(हिमांशु)

वनों में लगने वाली आग को लेकर निकाली जागरूकता रैली

चिंतपूर्णा, 23 अक्टूबर (हिमांशु) : प्रदेश में वन विभाग के साथ मिलकर हंस संस्था जंगलों में लगने वाली आग की रोकथाम को लेकर अभियान चला रही है।

इसके लिए आज चिंतपूर्णा के राजकीय माध्यमिक पाठशाला नारी के साथ मिलकर एक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में हंस संस्था के खंड समन्वयक किरण

पंवर के साथ सामाजिक संयोजक निवेश शर्मा, तमन्ना कांडा, मल्लिका एवं ईशु सैनी, मुख्य अध्यापिका रमा शर्मा, अध्यापक एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। रैली के माध्यम से समाज को वनों के महत्व एवं वनों को आग से बचाने के लिए संदेश दिया गया। बच्चों ने इस कार्यक्रम में विभिन्न पोस्टरों के माध्यम से बड़-चढ़कर भाग लिया।



बागवानी विभाग ने सीखा आग बुझाने का हुनर

ऊना/सुशील पंडित : बागवानी विभाग के स्टाफ ऊना ने समर्थ कार्यक्रम के तहत आग से लड़ने के गुर सीखे। जागरूकता अभियान की मुहिम में उपनिदेशक कार्यालय ऊना में आग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

अग्निशमन अधिकारी सुरेश कुमार ने बताया कि मॉक ड्रिल में फायरमैन मुकेश कुमार व चंद्रमोहन टीम ने बागवानी विभाग में आग को लेकर स्टाफ को जागरूक किया गया है। आग व आपदा के समय आगे आकर अपना बचाव करते हुए अनमोल जानों को बचाने में भूमिका निभाने के टिप्स दिए। जागरूकता मुहिम में फायरमैन मुकेश कुमार ने कहा कि मानवीय सेवा के लिए हम सब को हर वकत तैयार रहना चाहिए। उन्होंने आग के प्रकार व प्रयोग होने वाले अग्निशमन यंत्रों का प्रयोग करने के तरीके बताए। उन्होंने बताया कि आग की घटना घटित होने पर टोल फ्री नंबर 101 डायल करें। और अग्निशमन विभाग की सेवाएं लें।



ऊना में आग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अग्निशमन अधिकारी सुरेश कुमार ने बताया कि मॉक ड्रिल में फायरमैन मुकेश कुमार व चंद्रमोहन टीम ने बागवानी विभाग में आग को लेकर स्टाफ को जागरूक किया गया है। आग व आपदा के समय आगे आकर अपना बचाव करते हुए अनमोल जानों को बचाने में भूमिका निभाने के टिप्स दिए। जागरूकता मुहिम में फायरमैन मुकेश कुमार ने कहा कि मानवीय सेवा के लिए हम सब को हर वकत तैयार रहना चाहिए। उन्होंने आग के प्रकार व प्रयोग होने वाले अग्निशमन यंत्रों का प्रयोग करने के तरीके बताए। उन्होंने बताया कि आग की घटना घटित होने पर टोल फ्री नंबर 101 डायल करें। और अग्निशमन विभाग की सेवाएं लें।

आग लगे तो डायल करें 101 नंबर

ऊना/सुशील पंडित : बागवानी विभाग ने सीखा आग बुझाने का हुनर



बागवानी विभाग के स्टाफ ऊना ने समर्थ कार्यक्रम के तहत आग से लड़ने के गुर सीखे। जागरूकता अभियान की मुहिम में उपनिदेशक कार्यालय ऊना में आग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अग्निशमन अधिकारी सुरेश कुमार ने बताया कि मॉक ड्रिल में फायरमैन मुकेश कुमार व चंद्रमोहन टीम ने बागवानी विभाग में आग को लेकर स्टाफ को जागरूक किया गया है। आग व आपदा के समय आगे आकर अपना बचाव करते हुए अनमोल जानों को बचाने में भूमिका निभाने के टिप्स दिए। जागरूकता मुहिम में फायरमैन मुकेश कुमार ने कहा कि मानवीय सेवा के लिए हम सब को हर वकत तैयार रहना चाहिए। उन्होंने आग के प्रकार व प्रयोग होने वाले अग्निशमन यंत्रों का प्रयोग करने के तरीके बताए। उन्होंने बताया कि आग की घटना घटित होने पर टोल फ्री नंबर 101 डायल करें। और अग्निशमन विभाग की सेवाएं लें। इस दौरान वे भी बताया कि आग आपदा के समय अपना बचाव करते हुए अन्य लोगों की अनमोल जानों को बचाने का जिम्मा हम सभी का होता है। ऐसी स्थिति में हमें अपनी आत्मरक्षा करने व जान माल को बचाने का हुनर होना सबके लिए जरूरी है। उन्होंने आग के बर्हिकरण के अनुसार आग को बुझाने के तरीके विस्तार से बताए। प्रैक्टिकल करके दिखाए गए। और स्टाफ से अभ्यास करवाया गया।

ऊना जिला 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' में अक्वल

ऊना, 14 अक्टूबर (सुरेन्द्र) : ऊना जिला 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' को लेकर आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में अक्वल रहा है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुखबू ने अंतरराष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस 'समर्थ-2024' के उपलक्ष्य पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में जिले के हरोली उपमंडल की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कांगड़ की छात्रा चाहत और छात्र राजवीर को 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 10,000 रुपए नकद पुरस्कार, स्मृतिचिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। यह समारोह सोमवार को मेयडी थिएटर रिज मैदान शिमला में आयोजित किया गया। चाहत 9वीं कक्षा और राजवीर 7वीं कक्षा का छात्र है। पुरस्कार 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' को दोनों ने मिलकर तैयार किया था। उल्लेखनीय है कि समर्थ-2024 अभियान के तहत आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रदेश के सभी जिलों के शिक्षण संस्थानों में स्कूली और कॉलेज वर्ग में जूनियर और सीनियर श्रेणियों में 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' प्रतियोगिताओं का आयोजन किया

गया था। जिला स्तर पर सर्वश्रेष्ठ मॉडल का चयन कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए भेजा गया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 7 अक्टूबर को सेंटर फॉर साइंस लर्निंग एंड क्रिएटिविटी साइंस म्यूजियम शोधी में हुई, जिसमें सभी 12 जिलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कांगड़ स्कूल की चाहत और राजवीर ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि चम्बा की टीम ने द्वितीय और कुल्लू के दल ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेता टीमों को क्रमशः 10,000, 7,500 और 5,000 रुपए नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। जिला नोडल अधिकारी (इम्पायर) पुष्पा रानी इस प्रतियोगिता में टीम ऊना के साथ रहीं। कांगड़ स्कूल की प्राचार्य स्नेह लता, विज्ञान अध्यापिका मीना राणा और स्कूल स्टाफ ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे सभी के लिए गर्व का विषय बताया। उपायुक्त जतिन लाल ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि इन युवा प्रतिभाओं ने केवल अपने स्कूल का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे जिले को प्रेरित किया है।

'सुरक्षित निर्माण मॉडल' में जिले के होनहार अक्वल

राज्य स्तरीय जूनियर वर्ग प्रतियोगिता में हरोली के कांगड़ स्कूल की चाहत और राजवीर प्रथम

संवाद यूज एजेंसी

ऊना। जिला 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' को लेकर आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में अक्वल रहा। सोमवार को अंतरराष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस 'समर्थ-2024' के उपलक्ष्य पर मेयडी थिएटर, रिज मैदान, शिमला में समारोह आयोजित हुआ। इस राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखबू ने हरोली उपमंडल के कांगड़ स्कूल की छात्रा चाहत और छात्र राजवीर को 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' में प्रथम स्थान पाने पर 10,000 रुपए नकद पुरस्कार, स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। चाहत नौवीं कक्षा और राजवीर सातवीं कक्षा के छात्र हैं। पुरस्कार



राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री सुखबू नकद पुरस्कार व स्मृति चिह्न देकर मेधावियों को सम्मानित करते। अ. शर्मा/संवाद

शिमला में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सुखबू ने किया सम्मानित

टीम ने द्वितीय और कुल्लू के दल ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं, विजेता टीमों को क्रमशः 10,000, 7500 रुपए और 5000 रुपए नकद पुरस्कार प्रदान किए। जिला नोडल अधिकारी (इम्पायर) पुष्पा रानी इस प्रतियोगिता में टीम ऊना के साथ रहीं। उपायुक्त जतिन लाल ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि इन युवा प्रतिभाओं ने अपने कुशल का नाम रोशन किया है। यह सफलता दर्शाती है कि युवा योग्य किस्म प्रकार हमारी समाजिक सूचना में योगदान करने के साथ ही समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

'सुरक्षित निर्माण मॉडल' को दोनों ने हरोली उपमंडल के कांगड़ स्कूल की छात्रा चाहत और छात्र राजवीर को 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' में प्रथम स्थान पाने पर 10,000 रुपए नकद पुरस्कार, स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। चाहत नौवीं कक्षा और राजवीर सातवीं कक्षा के छात्र हैं। पुरस्कार का चयन कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए भेजा गया। यह प्रतियोगिता 7 अक्टूबर को सेंटर फॉर साइंस लर्निंग एंड क्रिएटिविटी, साइंस म्यूजियम, शोधी में हुई। इसमें 12 जिलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' और राकबर ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि चंबा की

मॉडल प्रतियोगिता में कांगड़ स्कूल की टीम रही अक्वल

सीएम सुखखू ने गेयटी में विजेता किए सम्मानित

शिमला। गेयटी थियेटर शिमला में आयोजित अंतरराष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस समर्थ-2024 कार्यक्रम में मॉडल बिल्डिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। विजेताओं को मुख्यमंत्री सुखखू सिंह सुखखू ने सम्मानित किया।

इसमें उच्च विद्यालय श्रेणी में ऊना जिले के पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कांगड़ ने पहला, चंबा के राजकीय उच्च विद्यालय टाप्पर ने दूसरा और कुल्लू जिला के राजकीय उच्च विद्यालय बडाह ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय श्रेणी में सिरमौर के राजकीय वरिष्ठ

माध्यमिक विद्यालय सराहन ने पहला, हमीरपुर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जोल सप्पर ने दूसरा और कांगड़ा के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भदवर ने तीसरा स्थान हासिल किया। महाविद्यालय श्रेणी में पीजी कलेज बिलासपुर ने पहला स्थान पाया।

पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय टुट्ट और सूचना एवं जन संपर्क विभाग ने नुकड़ नाटक से आपदा बचाव का संदेश दिया। कार्यक्रम में मानसून के दौरान समेंच, बागीपुल और राजवन में बादल फटने की घटना के दौरान उल्लेखनीय कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। संवाद

चाहत व राजवीर 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' में प्रथम

हिमाचल दस्तक ॥ ऊना

ऊना जिला सुरक्षित निर्माण मॉडल आयोजित राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में अक्वल रहा है। मुख्यमंत्री सुखखू सिंह सुखखू ने

सीएम ने विजेताओं को किया सम्मानित

अंतरराष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में ऊना जिले के हरोली उपमंडल की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कांगड़ की छात्रा चाहत और छात्र राजवीर को 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 10,000 रुपये नकद पुरस्कार, स्मृति चिह्न और प्रशस्तिपत्र से सम्मानित किया। यह समारोह सोमवार को गेयटी थियेटर,



रिज मैदान, शिमला में आयोजित किया गया। चाहत नवीं कक्षा और राजवीर 7वीं कक्षा के छात्र हैं। बता दें कि समर्थ-2024 अभियान के तहत आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रदेश के सभी जिलों के शिक्षण संस्थानों में स्कूली और कलेज वर्ग में जूनियर और सीनियर श्रेणियों में सुरक्षित निर्माण मॉडल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। जिला स्तर पर सर्वश्रेष्ठ मॉडल का चयन कर राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए भेजा गया। कांगड़ स्कूल की चाहत और

राजवीर ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि चंबा की टीम ने द्वितीय और कुल्लू के दल ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेता टीमों को क्रमशः 10,000 रुपये, 7,500 रुपये और 5,000 रुपये नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। जिला नोडल अधिकारी (इंपायर) पूषा रानी इस प्रतियोगिता में टीम ऊना के साथ रहीं। उपयुक्त जितन लाल ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि इन युवा प्रतिभाओं ने न केवल अपने स्कूल का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे जिले को प्रेरित किया है।

स्वयंसेवियों को बताए आग से बचने के उपाय



बड़ेडा स्कूल में एनएसएस कैंप में अग्नि सुरक्षा पर जानकारी देते। -संवाद

टाहलीवाल (ऊना)। रावमापा बड़ेडा स्कूल में आयोजित एनएसएस शिविर के दौरान अग्निशमन चौकी टाहलीवाल की टीम ने विद्यार्थियों आग से बचने के उपाय के बारे में जागरूक किया। टीम के प्रभारी सुनील दत्त व उनकी टीम छात्रों को आग से बचाव और सुरक्षा के उपायों के बारे में जानकारी दी। सुनील दत्त ने आग लगने की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों, फायर एक्सटिंग्विशर के उपयोग, आग लगने पर किस प्रकार की त्वरित प्रतिक्रिया दी जानी चाहिए, इस बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने छात्रों को समझाया कि समय पर सही कदम उठाने से जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। संवाद

टकारला स्कूल में मॉक ड्रिल का आयोजन



टकारला स्कूल में आग बुझाने की जानकारी लेते विद्यार्थी। स्रोत: संस्थान

ऊना। रावमापा टकारला में आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस मनाया गया। सुबह प्रार्थना सभा के बाद आपदा से निपटने के उपाय तथा उसे बचाव कैसे करना है इसके बारे में मॉक ड्रिल के माध्यम से जागरूक किया गया। इसके अलावा अग्निशमन यंत्रों के उपयोग तथा उन्हें प्रयोग करके आग बुझाने का ढंग भी विद्यार्थियों को बताया गया। इस दौरान प्रधानाचार्य अनिल बख्शी ने अग्निशमन केंद्र से आए हुए कर्मचारी और अधिकारियों का विद्यालय में आकर बच्चों को प्रशिक्षण देने पर आभार जताया। इस मौके पर स्कूल स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी मौजूद रहे। संवाद



अग्निशमन कर्मियों के साथ स्वयंसेवी। (सतविन्द्र लट्ट)

स्वयंसेवकों ने सीखा आग पर काबू पाना

सवेरा न्यूज/राजीव भनोट

ऊना 17 अक्टूबर : राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बड़ेडा में चल रहे एनएसएस के सात दिवसीय शिविर के पांचवे दिन टाहलीवाल फायर स्टेशन के प्रभारी सुनील दत्त तथा उनके सहायक रविंद्र दर्शन ने एनएसएस स्वयंसेवकों को आग के प्रकारों के बारे में जानकारी दी तथा

किस प्रकार की अग्नि पर किस अग्निशामक यंत्र का प्रयोग करके उसे पर काबू पा सकते हैं। सुनील दत्त तथा उनके सहायक कर्मियों ने इसके साथ एनएसएस स्वयंसेवकों को आपदा के बारे में बताया की आपदा के समय विना किसी साधन से किस तरह मदद कर सकते हैं तथा आपदा से निपटने की अन्य जानकारियां भी दी गईं।

पंजाब केसरी FRI, 18 OCTOBER 2024 EDITION: UNA KESARI, PAGE NO. 3

कर्मचारियों को बताए आग बुझाने के तरीके

बागवानी विभाग उपनिदेशक कार्यालय ऊना में समर्थ कार्यक्रम के तहत मॉकड्रिल आयोजित

ऊना, 17 अक्टूबर (मनोहर): बागवानी विभाग उपनिदेशक कार्यालय ऊना में बोरवार को समर्थ कार्यक्रम के तहत मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान बागवानी विभाग के स्टाफ को आग बुझाने के तरीके बताने के साथ-साथ प्रैक्टिकल करके दिखाया गया।

यहाँ नहीं इसके बाद स्टाफ से अभ्यास कराया गया और उसे जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान भी किया गया। इस मौके पर विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डा. के.के. भारद्वाज, अग्निशमन अधिकारी सुरेश कुमार, फायरमैन मुकेश कुमार व चंद्रमोहन सहित टीम मौजूद थी।

अग्निशमन अधिकारी सुरेश कुमार ने बताया कि मॉकड्रिल में बागवानी विभाग को आग व आपदा के समय बरती जाने वाली सावधानियों, आग आकर अपना बचाव करते हुए अनमोल जिंदगियों को बचाने में भूमिका निभाने के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि यदि आग की घटना होती है तो तुरंत टोल फ्री नंबर 101 डायल



ऊना : समर्थ कार्यक्रम के तहत बागवानी विभाग के स्टाफ सदस्यों को आग बुझाने के गुर सिखाते हुए फायर क्विगेंड के कर्मी। (विनोद)

कर अग्निशमन विभाग को सूचित करें जिससे समय पर उनकी सहायता हो सके।

फायरमैन मुकेश कुमार व चंद्रमोहन ने आग के प्रकार व अग्निशामक यंत्रों का प्रयोग करने के तरीके बताए। उन्होंने बताया कि आपदा के

समय अपना बचाव करते हुए अन्य लोगों की अनमोल जिंदगियों को बचाने का जिम्मा भी हम सभी का होता है। ऐसी स्थिति में आत्मरक्षा के साथ-साथ जान-माल को बचाने का हुनर भी जरूरी है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों ने भूकंप आपदाओं से बचाव के सिखे गुर

सवेरा न्यूज/नीना (बंगाणा) : राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला थानाकला के राष्ट्रीय सेवा योजना के दूसरे दिन स्वयं सेवियों ने सुबह स्कूल से प्रभातफेरी निकाल कर प्रभु राम के उद्घोष के साथ स्थानीय लोगों को जागृत किया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी नंदलाल एवं सह कार्यक्रम अधिकारी संयोगिता भी साथ थे। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों ने आज भूकंप और आग जैसी आपदाओं से किस प्रकार से बचाव करना है, के गुर सीखे। प्रधानाचार्य संजीव पराशर ने कहा कि आपदाओं के दौरान सही जानकारी एवं शीघ्र करवाई से युवाओं की मदद से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवियों एवम स्कूल के विद्यार्थियों को भूकंप से बचने के लिए मॉक ड्रिल भी कार्रवाई गई। आज के बौद्धिक सत्र में लुधियाना से सुनील कुमार में साइबर क्राइम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि साइबर क्राइम से किस ढंग से अपना बचाव करना चाहिए। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम के अधिकारी नंदलाल, राधिका धीमान, संयोगिता शर्मा, साक्षी गर्ग, अजय, अमित कुमार उपस्थित रहे।



बचाव के गुर सिखते हुए स्कूली बच्चे।

रावमापा टकारला में बच्चों को सिखाया आपदा प्रबंधन



आपदा से बचने के दाव पैच सिखते हुए विद्यार्थी।

सतविन्द्र लट्ट

सवेरा न्यूज/रिशव मोदगिल (बडूही) : राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला टकारला में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस मनाया गया। प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों को आपदा को कम करने के उपाय तथा बचाव के बारे में वस्तुतः रूप से बताया गया तथा विभाग के आदेश अनुसार अग्निशमन यंत्रों के उपयोग के बारे में तथा उनको प्रयोग कर के आग बुझाने का नकली अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिल कुमार बक्शी, प्रभारी मुनीश कुमार सहित समस्त अध्यापक गण उपस्थित रहे।

मिनी सचिवालय बंगाणा में अग्निशमन विभाग द्वारा मॉक ड्रिल

सवेरा न्यूज/नीना
बंगाणा, 14 अक्टूबर : मिनी सचिवालय बंगाणा में अग्निशमन विभाग द्वारा मॉक ड्रिल का आयोजन किया। इस मॉक ड्रिल में एक काल्पनिक स्थिति बनाई गई, जिसमें सचिवालय के एक कमरे में आग लगने की सूचना मिली और कुछ कर्मचारी अंदर फंसे हुए थे। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंची। पेशेवर तरीके से अग्निशमक दल ने आग बुझाने की प्रक्रिया को अंजाम दिया और फंसे हुए कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए विशेष उपकरणों का उपयोग किया।



मॉक ड्रिल के दौरान आपदा से बचाव करते हुए कर्मचारी।

सतविन्द्र लट्ट

इस प्रक्रिया में चार कर्मचारी गंभीर रूप से घायल पाए गए, जिन्हें स्ट्रेचर और रस्सियों की मदद से बाहर निकाला गया। मौके पर मौजूद डॉक्टरों ने उन्हें प्राथमिक

उपचार प्रदान किया तथा उन्हें बाद में एम्बुलेंस के माध्यम से बंगाणा सिविल अस्पताल भेजा गया। जिन लोगों को हल्की-फुल्की चोट आई थी उन्हें डॉक्टर द्वारा मौके पर ही

उपचार दिया गया। मॉक ड्रिल के दौरान, अग्निशमन विभाग ने आग लगने की स्थिति में सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूकता फैलाने का कार्य किया। विभाग ने निम्नलिखित महत्वपूर्ण कदमों को सांझा किया। इस मॉक ड्रिल में उपमंडल अधिकारी सोनू गोयल, सब फायर ऑफिसर मदनलाल, लीडिंग फायर मैन कुलदीप कुमार व मनजीत सिंह और मिनी सचिवालय के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे। यह अभ्यास विभाग की तत्परता और आपातकालीन स्थितियों से निपटने की उनकी क्षमता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

विद्यार्थियों को सिखाए आपदा से बचने के गुर

जोल(ऊना)। राजकीय महाविद्यालय चौकीमन्यार में आपदा प्रबंधन क्लब ने समर्थ अभियान के अंतर्गत एक व्यापक अग्नि अभ्यास आयोजित किया गया। यह अभ्यास विद्यार्थियों को आपातकालीन स्थितियों में सही तरीके से प्रतिक्रिया करने के लिए प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से किया गया। मैदान में एकत्रित होने के बाद सभी विद्यार्थियों ने अपनी संख्या गिनी और घायल विद्यार्थियों को प्राथमिक चिकित्सा का प्रदान की। महाविद्यालय के प्राचार्य बलविंदर सिंह राणा ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन में निकासी योजना के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। संवाद

धलवाड़ी स्कूल में समर्थ कार्यक्रम शुरू

भरवाई, 1 अक्टूबर (जुगल): राजकीय उच्च पाठशाला धलवाड़ी में आपदा मित्र संदीप शर्मा के मार्गदर्शन में इंटरनेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन सप्ताह के अंतर्गत समर्थ नामक कार्यक्रम की शुरुआत की गई। संदीप शर्मा ने बताया कि राज्य स्तर पर 1 से 13 अक्टूबर तक समर्थ कार्यक्रम मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को आपदाओं के बारे में जागरूक किया जाएगा।

मुख्याध्यापक सुधीर गौतम ने बताया कि समर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत आपदा प्रबंधन हेतु राजकीय उच्च विद्यालय धलवाड़ी में प्रतिदिन गतिविधियां अमल में लाई जाएंगी जिसमें प्रार्थना सभा में आपदा प्रबंधन की जानकारी शिक्षकों द्वारा दी जाएगी। इस मौके पर भाषण व पेंटिंग प्रतियोगिता करवाई जाएगी, साथ ही फ्लैश फ्लड एवं भूकंप के दौरान बचाव कार्यों की मॉकड्रिल भी करवाई जाएगी।

विद्यार्थियों को बताया कि आपदाओं से निवारण के लिए सतत तैयारी होनी चाहिए। आपदाओं से निवारण के लिए सतत तैयारी होनी चाहिए। आपदाओं से निवारण के लिए सतत तैयारी होनी चाहिए।

मुच्छाली में बताए आपदा से बचाव के तरीके

आपदा मित्र अक्षय शर्मा ने की कार्यक्रम की अगुवाई

कनक, 17 अक्टूबर (विशाल): आपदा प्रबंधन टीम के माध्यम से मुच्छाली में एक विशेष आपदा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत मुख्यालय के उपस्थित अक्षय शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। आपदा मित्र अक्षय शर्मा ने कार्यक्रम की अगुवाई की और उपस्थित लोगों को प्राथमिक आपदाओं से बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी दी।

अक्षय शर्मा ने कार्यक्रम में विशेष रूप से बाढ़ से सुरक्षा के तरीकों पर बच्चों की और मुहम्मद जैदी आपदाओं से बचाव के तरीकों की समझाया। इसके साथ ही उन्होंने लोगों को भूकंपरोधी मकानों का निर्माण करने की सलाह दी ताकि प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान अक्षय शर्मा ने कहा कि जिला आपदा प्रबंधन समिति समय-समय पर मॉकड्रिल और जागरूकता शिविरों का आयोजन करती रहती है जिससे

आपदा से निवारण के लिए सतत तैयारी होनी चाहिए। आपदाओं से निवारण के लिए सतत तैयारी होनी चाहिए। आपदाओं से निवारण के लिए सतत तैयारी होनी चाहिए।

आपदा से निवारण के लिए सतत तैयारी होनी चाहिए। आपदाओं से निवारण के लिए सतत तैयारी होनी चाहिए। आपदाओं से निवारण के लिए सतत तैयारी होनी चाहिए।



कनक: मुच्छाली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान आपदा प्रबंधन की टीम प्रामियों व अन्य के साथ।

आपदा के समय लोग अपने और अपने आसपास के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें। ग्राम पंचायत उपप्रधान अक्षय शर्मा ने कहा कि प्रशासन की ओर से आयोजित इन जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लेना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे अधिक संख्या में इन शिविरों में भाग लें और आपदा प्रबंधन के उपायों को समझें ताकि आपदाओं से होने वाले जान-माल के नुकसान को रोका जा सके। कार्यक्रम में सुनील कुमार, राजेश कुमार, हंसराज, जित शर्मा, मोरब, कमल किराणो, योगेश, प्रदीप चंद व नरेश टांडर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्रांति गुरुवा

कनक, 17 अक्टूबर (विशाल): संक्रांति दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले लोगों को बताया कि संक्रांति का महत्व है। कार्यक्रम में भाग लेने वाले लोगों को बताया कि संक्रांति का महत्व है। कार्यक्रम में भाग लेने वाले लोगों को बताया कि संक्रांति का महत्व है।

वाल्मीकि मंदिर अम्ब में भक्तजनों ने चढ़



भवन निर्माण से पहले विशेषज्ञ अभियंता से परामर्श अवश्य लें लोग: उपायुक्त

जागरण संवादक केड, कनक: जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष ए. उपायुक्त जितिन लाल ने विशेषज्ञों से परामर्श लेना आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि भवन निर्माण या किसी भी प्रकार के संरचनात्मक बदलाव से पहले विशेषज्ञ अभियंता से परामर्श अवश्य लें। इससे न केवल भवन की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि बचने में भी मदद मिलेगी।

भूकंपरोधी भवन निर्माण पर जन जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय जागरूकता अभियान का शुक्रवार को अंतिम दिन चित्तपूर्णा और पंजोआ में नुक़द नाटक के जरिए प्रामियों को भवन निर्माण के सही तरीकों की जानकारी दी गई। इस अभियान का अंतिम दिन आपदा प्रबंधन एवं प्राधिकरण के अध्यक्ष ए. उपायुक्त जितिन लाल ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत लोगों को विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

भरवाई में मनाया आपदा न्यूनीकरण पखवाड़ा

संवाद सहायकी, जागरण: चित्तपूर्णा आपदा प्रबंधन टीम भरवाई ने अंतरराष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण पखवाड़ा के अंतर्गत मनाए जा रहे समर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत भरवाई में बैठक की। इस बैठक में एसटीएम देवरा शिल्पी वेस्टा मुख्यालय के रूप में उपस्थित हुईं। साथ चित्तपूर्णा मंदिर के सुरक्षा अधिकारी कर्नल मनोम विमेश अतिथि उपस्थित रहे। आपदा प्रबंधन टीम भरवाई के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने बताया कि पहली से 13 अक्टूबर तक आपदा न्यूनीकरण पखवाड़ा मनाया जा रहा है।

इस कार्यक्रम का नाम समर्थ है, जिसके अंतर्गत विभिन्न पदशालाओं में, बाजारों में तथा स्थानीय क्षेत्र में आपदा प्रबंधन टीम भरवाई के आपदा मित्र बच्चों और स्थानीय लोगों को आपदा न्यूनीकरण के, महत्व एवं



रिवरार को भरवाई में आपदा प्रबंधन टीम की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिल्पी वेस्टा और टीम के सदस्य।

कि आपदा प्रबंधन टीम भरवाई उन वह प्रकृतिक सहायक है जिससे चित्तपूर्णा क्षेत्र में आपदा न्यूनीकरण में सहायता मिलेगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर होने वाली आपदाओं पर विस्तृत शोध करके उन आपदाओं के प्रति लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए।

संबंधित कर्नल मनोम ने भी इस कार्यक्रम को सफलता की तथा आपदा न्यूनीकरण व प्रबंधन को समय की जरूरत माना। उन्होंने कहा कि आपदा के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए, क्योंकि आपदा का कोई समय नहीं होता। ऐसे में आसक्त जन व तयारता ही सबसे बड़ा सहायक है। इस अवसर पर मैडम रानी शर्मा, सुमित भादवा, राजेश शर्मा, राजेश टांडर, शोशल केसव व मयंक शर्मा ने कर्नल पाठ के माध्यम से जन जागरण के संदेश दिए।

भूकंपरोधी भवन निर्माण पर पांच दिवसीय जागरूकता अभियान सफलतापूर्वक संपन्न



नाटक करते कलाकार। सतविन्द्र लट्ट। सबेरा न्यूज़/राजीव भनोट (कनक): कनक जिला में भूकंपरोधी भवन निर्माण पर जन जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय जागरूकता अभियान शुक्रवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस अभियान के अंतिम दिन चित्तपूर्णा और पंजोआ में नुक़द नाटक के जरिए प्रामियों को भूकंपरोधी तकनीकों के महत्व और भवन निर्माण के सही तरीकों की जानकारी दी गई। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं उपायुक्त जितिन लाल ने इस अभियान के सफल समापन पर जानकारी देते हुए बताया कि पांच दिवसीय अभियान में जिला के सभी उपमंडलों में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि भूकंपरोधी भवन निर्माण के लिए प्रयोग की जाने वाली तकनीकों, उचित गुणवत्ता वाली सामग्री और निर्माण के समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में लोगों को विस्तृत जानकारी दी गई।



भरवाई स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण सप्ताह समर्थ कार्यक्रम का आयोजन



कार्यक्रम में बच्चों को जानकारी देते हुए।

सतविन्द्र लट्ट

सवेरा न्यूज/कपिल सूद (अम्ब) : राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भरवाई की आपदा प्रबंधन इकाई द्वारा विद्यालय प्रांगण में आपदा मित्र संदीप शर्मा और मयंक कुमार के मार्गदर्शन में इंटरनेशनल डिजास्टर रिस्क रिवलेशन सप्ताह के अंतर्गत समर्थ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। आपदा मित्र मयंक कुमार ने बच्चों को आपदा प्रबंधन के महत्व की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर एक से 13 अक्टूबर तक समर्थ कार्यक्रम मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां होती हैं। वहीं प्रदर्शनी लगाकर आपदा के समय काम आने वाले यंत्रों के बारे में बताया। विद्यालय के उप प्रधानाचार्य सुरेंद्र सिंह ने कहा कि समर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत आपदा प्रबंधन पर प्रतिदिन गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। प्रार्थना सभा में शिक्षक विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन की जानकारी दे रहे हैं। उप प्रधानाचार्य ने बताया कि आपदा मित्रों द्वारा स्कूली बच्चों को बहुमूल्य जानकारी उपलब्ध कराई और आपदा आने की स्थिति में कैसे रिसाव करना है। इस मौके पर पाठशाला के सभी विद्यार्थी एवं सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

ऊना जिला 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' में अखिल

ऊना, 14 अक्टूबर (सुरेंद्र) : ऊना जिला 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' को लेकर आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के जूजिंग वर्ग में अखिल रहा है। मुख्यमंत्री डाक्टर सुखविंदर सिंह सूखड़ ने अंतर्राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस 'समर्थ-2024' के उपलक्ष्य पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में जिले के हरोली उपमंडल की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कांगड़ की छात्रा चाहत और छात्र राजवीर को 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 10,000 रुपए नकद पुरस्कार, स्मृतिचिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। यह समारोह सोमवार को गेवडी शिप्टर रिज मैदान शिमला में आयोजित किया गया। चाहत 9वीं कक्षा और राजवीर 7वीं कक्षा का छात्र है। पुरस्कृत 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' को दीर्घा ने मिलकर तैयार किया था। उल्लेखनीय है कि समर्थ-2024 अभियान के तहत आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रदेश के सभी जिलों के शिक्षण संस्थानों में स्कूली और कालेज वर्ग में जूजिंग और सीनियर श्रेणियों में 'सुरक्षित निर्माण मॉडल' प्रतियोगिताओं का आयोजन किया

गया था। जिला स्तर पर सर्वश्रेष्ठ मॉडल का चयन कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए भेजा गया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 7 अक्टूबर को सेंटर फॉर साइंस लर्निंग एंड क्रिएटिविटी साइंस म्यूजियम रोधी में हुई, जिसमें सभी 12 जिलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कांगड़ स्कूल की चाहत और राजवीर ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि चम्बा की टीम ने द्वितीय और कुल्लू के दल ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेता टीमों को क्रमशः 10,000, 7,500 और 5,000 रुपए नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। जिला नोडल अधिकारी (इम्पायर) पुष्पा रानी इस प्रतियोगिता में टीम ऊना के साथ रहीं। कांगड़ स्कूल की प्राचार्य स्नेह लता, विज्ञान अध्यापिका मीना राणा और स्कूल स्टाफ ने इस उपलक्ष्य पर प्रशंसा व्यक्त करते हुए इसे सभी के लिए गर्व का विषय बताया। उपाध्यक्ष जतिन लाल ने बच्चों की सहायता करते हुए कहा कि इन युवा प्रतिभाओं ने न केवल अपने स्कूल का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे जिले को प्रेरित किया है।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण समर्थ कार्यक्रम के तहत चित्तपूर्णी विकास समिति द्वारा जागरूकता शिविरों का किया आयोजन



जोल, (आपका फैसला)। जिला ऊना में ग्राम सभा की विभिन्न पंचायतों की विशेष सभाओं में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा चित्तपूर्णी विकास समिति के संयुक्त तत्वाधान में चित्तपूर्णी विकास समिति द्वारा आपदा स्वयंसेवियों के मार्गदर्शन में समर्थ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। आपदा स्वयंसेवियों ने विभिन्न पंचायतों की विशेष सभाओं में ग्रामीणों को आपदा प्रबंधन के महत्व की विस्तृत जानकारी दी। यह कार्यक्रम राज्य स्तर पर 13 अक्टूबर तक समर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए चित्तपूर्णी विकास समिति के संस्थापक अध्यक्ष कुमार धीमान ने बताया कि इस जनजागरण का

उद्देश्य भूकंप जोन -5 में सभी इमारतों का निर्माण भूकंप सुरक्षित भवन (सेसुरी इमारतों का) के रूप में किया जाना सुनिश्चित किया जाना है। हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण इस बात पर विशेष जोर दे रहा है कि सभी नई इमारतों को भूकंपरोधी बनाया जाए ताकि आपदा के दौरान जान माल का नुकसान कम किया जा सके इस दौरान उत्तम सीईटी मोडर्न विधि जिसमें उच्च गुणवत्ता वाली मिश्रित सामग्री का प्रयोग तथा भवन की मजबूती देने के तरीकों के बारे में जागरूक किया गया तथा भवन निर्माण प्रशिक्षित मिस्त्री अथवा अभियंता की देखरेख एवं सलाह के द्वारा करने का आह्वान भी किया गया 7 उपस्थित ग्रामीणों से संबंधित विषय के बारे में जरूरी विस्तृत चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में विभिन्न पंचायतों से गति वासियों ने जिसमें लोअर अंदौरा में 162, अपपर अंदौरा 182, कलरूही में 98 तथा कुटेड़ा खैरला में 168 ग्राम पंचायत सपोरी से 111 ग्रामीणों की उपस्थिति दर्ज की गई। उपस्थित ग्रामीणों को हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण जिला उना द्वारा जारी की गयी सुरक्षित भवन निर्माण से संबंधित सरल दिशा-निर्देश, समर्थ सामग्री का वितरण भी किया गया इस जनजागरण अभियान के दौरान विशेष रूप से चित्तपूर्णी विकास समिति के स्वयंसेवियों में अंजू सोनी, दिनेश जसवाल सपोरी, मनोज कोशिक, आर्यन, कमल, अध्यक्ष चित्तपूर्णी विकास समिति शादी लाल एवं पंचायत प्रतिनिधियों में ग्राम पंचायत लोअर अंदौरा से प्रधान पंकज कौडल, उप-प्रधान जोगिंदर पाल अपपर अंदौरा से उप-प्रधान शमशेर सिंह कलरूही से प्रधान सुनीता देवी, उप-प्रधान यशपाल शर्मा, ग्राम पंचायत कुटेड़ा खैरला से प्रधान शालिनी गोस्वामी, उप-प्रधान राजकुमार धीमान, समाजसेवी शम्भू गोस्वामी, सपोरी ग्राम पंचायत से प्रधान चंचला देवी, उप-प्रधान वकील सिंह तथा सभी पंचायतों के सचिव व पंचायत सदस्यों ने एवं पंचायत के लगभग 721 ग्रामीणों ने बड़ चढ़कर भाग लिया।

दिनभर न्यूज़

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण "समर्थ" कार्यक्रम के तहत चित्तपूर्णी विकास समिति द्वारा जागरूकता शिविरों का किया आयोजन



ऊना। आज ग्राम सभा की विभिन्न पंचायतों की विविध सभाओं की बैठकों में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा चित्तपूर्णी विकास समिति के संयुक्त तत्वाधान में चित्तपूर्णी विकास समिति के आपदा स्वयंसेवियों के मार्गदर्शन में "समर्थ" कार्यक्रम की शुरुआत की गई। आपदा स्वयंसेवियों ने विभिन्न पंचायतों की विभिन्न सभाओं में ग्रामीणों को आपदा प्रबंधन के महत्व की विस्तृत जानकारी दी। यह कार्यक्रम राज्य स्तर पर 13 अक्टूबर तक समर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए चित्तपूर्णी विकास समिति के संस्थापक अध्यक्ष कुमार धीमान ने बताया कि इस जनजागरण का उद्देश्य भूकंप जोन -5 में सभी इमारतों का निर्माण भूकंप सुरक्षित भवन (सेसुरी इमारतों का) के रूप में किया जाना सुनिश्चित किया जाना है। हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण इस बात पर विशेष जोर दे रहा है कि सभी नई इमारतों को भूकंपरोधी बनाया जाए ताकि आपदा के दौरान जान माल का नुकसान कम किया जा सके इस दौरान उत्तम सीईटी मोडर्न विधि जिसमें उच्च गुणवत्ता वाली मिश्रित सामग्री का प्रयोग तथा भवन की मजबूती देने के तरीकों के बारे में जागरूक किया गया तथा भवन निर्माण प्रशिक्षित मिस्त्री अथवा अभियंता की देखरेख एवं सलाह के द्वारा करने का आह्वान भी किया गया। उपस्थित

ग्रामीणों से संबंधित विषय के बारे में जरूरी विस्तृत चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में विभिन्न पंचायतों से जिसमें लोअर अंदौरा में 162, अपपर अंदौरा 182, कलरूही में 98 तथा कुटेड़ा खैरला में 168 ग्राम पंचायत सपोरी से 111 ग्रामीणों की उपस्थिति दर्ज की गई। उपस्थित ग्रामीणों को हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण जिला उना द्वारा जारी की गयी सुरक्षित भवन निर्माण से संबंधित सरल दिशा-निर्देश, समर्थ सामग्री का वितरण भी किया गया इस जनजागरण अभियान के दौरान विशेष रूप से चित्तपूर्णी विकास समिति के स्वयंसेवियों में अंजू सोनी, दिनेश जसवाल सपोरी, मनोज कोशिक, आर्यन, कमल, अध्यक्ष चित्तपूर्णी विकास समिति शादी लाल एवं पंचायत प्रतिनिधियों में ग्राम पंचायत लोअर अंदौरा से प्रधान पंकज कौडल, उप-प्रधान जोगिंदर पाल अपपर अंदौरा से उप-प्रधान शमशेर सिंह कलरूही से प्रधान सुनीता देवी, उप-प्रधान यशपाल शर्मा, ग्राम पंचायत कुटेड़ा खैरला से प्रधान शालिनी गोस्वामी, उप-प्रधान राजकुमार धीमान, समाजसेवी शम्भू गोस्वामी, सपोरी ग्राम पंचायत से प्रधान चंचला देवी, उप-प्रधान वकील सिंह तथा सभी पंचायतों के सचिव व पंचायत सदस्यों ने एवं पंचायत के लगभग 721 ग्रामीणों ने बड़ चढ़कर भाग लिया।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का जागरूकता शिविर



जागरूकता शिविर में पुचायतों के प्रतिनिधि।

सतविन्द्र लट्ट

सवेरा न्यूज/कपिल सूद अम्ब, : ग्राम सभा की विभिन्न पंचायतों की विशेष सभाओं की बैठकों में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा चित्तपूर्णी विकास समिति के संयुक्त तत्वाधान में चित्तपूर्णी विकास समिति के आपदा स्वयंसेवियों के मार्गदर्शन में "समर्थ" कार्यक्रम की शुरुआत की गई। आपदा स्वयंसेवियों ने विभिन्न पंचायतों की विशेष सभाओं में ग्रामीणों को आपदा प्रबंधन के महत्व की विस्तृत जानकारी दी। यह कार्यक्रम राज्य स्तर पर 13 अक्टूबर तक समर्थ कार्यक्रम के अंतर्गत मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए चित्तपूर्णी विकास समिति के संस्थापक अध्यक्ष कुमार धीमान ने बताया कि इस जनजागरण का उद्देश्य भूकंप जोन -5 में सभी इमारतों का निर्माण भूकंप सुरक्षित भवनों के रूप में किया जाना सुनिश्चित किया जाना है। जनजागरण अभियान के दौरान विशेष रूप से चित्तपूर्णी विकास समिति के स्वयंसेवियों में अंजू सोनी, दिनेश जसवाल सपोरी, मनोज कोशिक, आर्यन, कमल, अध्यक्ष चित्तपूर्णी विकास समिति शादी लाल एवं पंचायत प्रतिनिधियों में ग्राम पंचायत लोअर अंदौरा से प्रधान पंकज कौडल, उप-प्रधान जोगिंदर पाल, अपपर अंदौरा से उप-प्रधान शमशेर सिंह कलरूही से प्रधान सुनीता देवी, उप-प्रधान यशपाल शर्मा, ग्राम पंचायत कुटेड़ा खैरला से प्रधान शालिनी गोस्वामी, उप-प्रधान राजकुमार धीमान, समाजसेवी शम्भू गोस्वामी तथा सभी पंचायतों के सचिव व पंचायत सदस्यों ने बड़ चढ़कर भाग लिया।